वर्ष-14 - अंक 128
पृष्ट-08 मूल्य : 02 रुपया

सीतापुर
सोमवार ,17 अगस्त 2026

RNI.No. UHIN/2012/43078

स्वतंत्र प्रभात दैनिक अख़बार तथा ऑनलाइन चैनल से सीधा जुड़ने के लिए संपर्क करें.....
9511151254

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

स्वतंत्र प्रभात

swatantraprabhat.com

epaper.swatantraprabhat.com

जो लिखेगा, वही टिकेगा

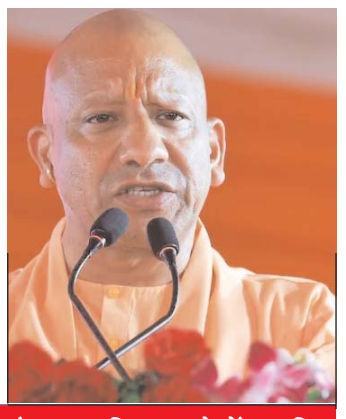

लखनऊ से प्रकाशित एंव अयोध्या ,प्रयागराज ,मिर्जापर ,गोरखपुर , बरेली ,बुंदेलखंड , उत्तराखंड , देहरादून गाजियाबाद , दिल्ली ,पंजाब , हरियाणा ,चंडीगढ़ , झारखण्ड , बिहार , मध्य प्रदेश ,असम, तेलंगाना आदि जनपदो में प्रसारित

मंडलायुक्त विजय विश्वास पंत ने किया ध्वजारोहण..... 3
अंग्रेजी टॉयलेट के सुख कम, दुख ज्यादा..... 4
एलपीजी ग्राहकों को बड़ी राहतः बायोमीट्रिक ई-केवाईसी की अंतिम तिथि 08

ईरान के पास अमेरिकी युद्धपोत पर बिगड़े हालात

जहाज पर भोजन-पानी और मानसिक स्वास्थ्य को लेकर उठे सवाल

वाशिंगटन(एजेंसी)। अमेरिका और ईरान के बीच जारी संघर्ष का असर अब पश्चिम एशिया में तैनात अमेरिकी सैनिकों पर भी दिखाई देने लगा है। ईरान के आसपास समुद्री क्षेत्र में लंबे समय से तैनात अमेरिकी विमानवाहक पोत यूएसएस अब्राहम लिंकन पर सैनिकों की मानसिक और शारीरिक थकान को लेकर चिंता जताई जा रही है। रिपोर्टों के मुताबिक, लंबे समय तक समुद्र में रहने के कारण युद्धपोत पर भोजन की कमी, प्लंबिंग संबंधी समस्याओं और मानसिक दबाव जैसी परेशानियां सामने आई हैं। बताया जा रहा है कि यूएसएस अब्राहम लिंकन पर करीब पांच हजार सैन्यकर्मी तैनात हैं। इनमें नौसेना के जवानों के साथ मरीन और अन्य सैन्यकर्मी शामिल हैं। लंबे समय तक लगातार अभियान में रहने के कारण सैनिकों में थकान और तनाव बढ़ने की खबरें सामने आई हैं। कुछ रिपोर्टों में यह दावा भी किया गया है कि स्थिति इतनी गंभीर हो गई कि कुछ सैनिकों ने समुद्र में कूदने का प्रयास किया, जबकि कुछ में आत्महत्या जैसे विचारों को लेकर चिंता जताई गई है। हालांकि, इन दावों की स्वतंत्र पुष्टि आवश्यक है। रिपोर्टों के अनुसार, यूएसएस अब्राहम लिंकन पिछले वर्ष नवंबर में अमेरिकी सैन्य बंदरगाह से रवाना होने के बाद से लंबे समय से समुद्री अभियान में तैनात है। करीब 250 दिनों तक लगातार तैनाती ने जहाज पर मौजूद सैन्यकर्मियों पर अतिरिक्त दबाव बढ़ाया है। लंबे अभियान के दौरान पर्याप्त आराम, व्यक्तिगत समय और सामान्य जीवन से दूरी सैनिकों के मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित कर सकती है। इन परिस्थितियों को देखते हुए अमेरिका क्षेत्र में एक नए विमानवाहक पोत की तैनाती की तैयारी कर रहा है। नए पोत के पहुंचने के बाद यूएसएस अब्राहम लिंकन को वापस बुलाए जाने की संभावना है, जिससे लंबे समय से तैनात सैनिकों को राहत मिल सकेगी। अमेरिका और ईरान के बीच संघर्ष में दोनों पक्षों को सैन्य नुकसान उठाना पड़ा है। अमेरिकी अभियान के जवाब में ईरान ने पश्चिम एशिया में अमेरिकी सैन्य ठिकानों को बैलिस्टिक मिसाइलों और ड्रोन के जरिए निशाना बनाया। इन हमलों में अमेरिकी सैन्यकर्मियों के हताहत होने और सैन्य उपकरणों को नुकसान पहुंचने की खबरें सामने आई हैं। रिपोर्टों के मुताबिक, अमेरिकी सेना को कई अरब डॉलर के सैन्य उपकरणों, रक्षा प्रणालियों, ड्रोन और विमानों के नुकसान का सामना करना पड़ा है। इसके अलावा क्षेत्र में तैनात अमेरिकी युद्धपोतों और उनके कर्मियों को भी लगातार तनावपूर्ण परिस्थितियों में काम करना पड़ रहा है। विशेषज्ञों के अनुसार, युद्ध के दौरान सैनिकों पर केवल प्रत्यक्ष हमलों का ही प्रभाव नहीं पड़ता, बल्कि लंबे समय तक लगातार तनाव, नींद की कमी, परिवार से दूरी और सीमित सुविधाएं भी मानसिक स्वास्थ्य पर असर डालती हैं। विमानवाहक पोत जैसे विशाल युद्धपोत पर हजारों सैनिकों की लंबे समय तक तैनाती इस चुनौती को और गंभीर बना सकती है। यूएसएस अब्राहम लिंकन की मौजूदा स्थिति ने अमेरिकी नौसेना के सामने लंबे समुद्री अभियानों के दौरान सैनिकों की सुविधाओं और मानसिक स्वास्थ्य को लेकर नई चुनौती खड़ी कर दी है। अब निगाहें इस बात पर हैं कि नए विमानवाहक पोत की तैनाती के बाद लिंकन के सैनिकों को कब तक राहत मिलती है और अमेरिका अपनी समुद्री तैनाती की रणनीति में क्या बदलाव करता है।

ई-20 पेट्रोल पर सरकार का जवाब, माइलेज घटने का दावा गलत

केंद्र सरकार ने ईंधन की गुणवत्ता और माइलेज पर स्थिति स्पष्ट की

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

दिल्ली। केंद्र सरकार ने शनिवार को कहा कि ई20 पेट्रोल को अकेले वाहनों के माइलेज में बदलाव के लिए जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता। वास्तविक परिस्थितियों में ईंधन की खपत कई कारकों पर निर्भर करती है, जिनमें ड्राइविंग का तरीका, ट्रैफिक की स्थिति, वाहन का रखरखाव, टायरों में हवा का दबाव और एयर कंडीशनिंग का इस्तेमाल शामिल हैं। पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि ई20 का व्यापक परीक्षण और सत्यापन किया गया है। मंत्रालय ने वाहन के माइलेज को प्रभावित करने वाले कई कारकों का भी जिक्र किया। मंत्रालय ने कहा, 'माइलेज केवल ईंधन पर निर्भर नहीं करता। ड्राइविंग का तरीका, ट्रैफिक, वाहन का रखरखाव, टायरों में हवा का दबाव और एसी का इस्तेमाल, सभी की इसमें भूमिका होती है। '**ई20 पेट्रोल पर क्या बोली सरकार?**

मंत्रालय ने आगे कहा, 'ई20 का व्यापक परीक्षण और सत्यापन किया गया है, जबकि वास्तविक परिस्थितियों में माइलेज ड्राइविंग और वाहन की समग्र स्थिति पर निर्भर करता है।' सरकार का यह स्पष्टीकरण 20 प्रतिशत इथेनॉल मिश्रित पेट्रोल के माइलेज, वाहन के प्रदर्शन और अनुकूलता पर वाहन चालकों की लगातार बनी चिंताओं के बीच आया है। सरकार पहले भी स्वीकार कर चुकी है कि कुछ वाहनों में ई20 के इस्तेमाल से ईंधन दक्षता में तीन से पांच प्रतिशत तक की कमी हो सकती है। हालांकि, सरकार ने कहा है कि वास्तविक परिस्थितियों में माइलेज ड्राइविंग और वाहन से जुड़े कई अन्य कारकों से भी प्रभावित होता है। सरकार और सरकारी तेल विपणन कंपनियों ने ईंधन में बड़े पैमाने पर मिलावट की आशंकाओं को भी खारिज किया है।

ई20 पेट्रोल में मिलावट पर क्या बोलीं तेल कंपनियां?

इंडियन ऑयल, भारत पेट्रोलियम और हिंदुस्तान पेट्रोलियम ने कहा कि देशभर में की गई जांच में ई20 पेट्रोल में अधिक मात्रा में क्लोराइड या नमी होने के दावों के समर्थन में कोई सबूत नहीं मिला। रिफाइनरियों से लिए गए 100 से अधिक पेट्रोल नमूनों में क्लोराइड का स्तर एक पार्ट प्रति मिलियन या उससे कम पाया गया। इसके अलावा, 80 डिस्टिलरी से लिए गए इथेनॉल के नमूनों और डिपो तथा टर्मिनल से लिए गए 80 से अधिक ई20 नमूनों में क्लोराइड का स्तर निर्धारित तीन पीपीएम की सीमा से कम पाया गया। तेल विपणन कंपनियों ने यह भी कहा कि करीब 90,000 पेट्रोल पंपों पर भूमिगत भंडारण टैंकों की जांच में पानी के प्रवेश का कोई मामला नहीं मिला। पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा है कि तेल विपणन कंपनियों ने खुदरा बिक्री केंद्रों पर कठोर जांच की, जिसमें ईंधन में मिलावट के केवल कुछ मामले सामने आए।

संक्षिप्त ख़बरें

श्री छत्रपाल बाबा पंडित बलभद्र प्रसाद पूर्व माध्यमिक विद्यालय में धूमधाम से मनाया गया स्वतंत्रता दिवस

बिसवां/सीतापुर श्री छत्रपाल बाबा पंडित बलभद्र प्रसाद पूर्व माध्यमिक विद्यालय अल्लीपुर में बड़ी ही धूमधाम से मनाया गया स्वतंत्रता दिवस का कार्यक्रम स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर विद्यालय के बच्चों द्वारा निकाली गई तिरंगा रैली रैली के पश्चात ध्वजारोहण का कार्यक्रम संपन्न हुआ उसके बाद बच्चों के द्वारा कविता स्पीच और भाषण सुनने का अवसर मिला। विद्यालय के बच्चों के साथ-साथ कई अभिभावक भी उपस्थित रहे के ग्राम पेंडरा के प्रधान आलोक यादव जी, जिनके द्वारा बच्चों को मिष्ठान वितरण किया गया है, सिकंदरपुर निवासी आयुष सिंह के द्वारा बच्चों को पुरस्कार वितरण किया गया। विद्यालय के प्रधानाचार्य रजनीकांत दीक्षित जी के द्वारा बच्चों को शिक्षा के प्रति जागरूक किया। विद्यालय परिवार के सभी अध्यापक अध्यापिकाओं को सफल कार्यक्रम हेतु धन्यवाद ज्ञापित करता हूँ।

बम बम भोले के जयघोष के साथ डाक कावंड़ यात्रा आरम्भ

महमूदाबाद, सीतापुर। श्रावण मास के पावन अवसर पर ग्राम मंदुरी के युवाओं ने आस्था और भक्ति से ओत-प्रोत भव्य डाक कांवड़ यात्रा निकाली। कांवड़ यात्रा प्रसिद्ध कण्डेश्वर महादेव मंदिर, कण्डौरा से जल भरकर बड़े महादेवा मंदिर, लोधेश्वर के लिए रवाना हुई। यात्रा में सैकड़ों शिवभक्त युवाओं ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया।

यात्रा के शुभारंभ से पूर्व शिवभक्तों ने कण्डेश्वर महादेव मंदिर में विधि-विधान एवं मंत्रोच्चारण के साथ भगवान भोलेनाथ की पूजा-अर्चना की और पवित्र जल भरा। इसके बाद 'हर-हर महादेव' और 'बम-बम भोले' के जयघोष के साथ डाक कांवड़ यात्रा शुरू हुई। एक युवा डाक कांवड़ लेकर रथ के साथ आगे-आगे चल रहा था, जबकि बड़ी संख्या में शिवभक्त युवा बाइक से यात्रा में शामिल हुए। डीजे पर गूंजते भक्ति गीत, हाथों में लहराते भगवा ध्वज और शिवभक्तों के जयकारों से पूरा माहौल शिवमय नजर आया। रास्ते भर श्रद्धालुओं में खासा उत्साह और उमंग देखने को मिली। यात्रा में हिमांशु यादव, रंजीत यादव (रिशू), विपिन यादव, आशीष यादव, धीरज यादव, मोनू, रजनीश, शिवम, दीपू सहित सैकड़ों शिवभक्त मौजूद रहे। युवाओं ने कांवड़ यात्रा के माध्यम से आस्था, एकता, भाईचारे और सेवा का संदेश दिया।

आईबीपी सोशल वेलफेयर फाउंडेशन महिला विंग ने मनाया स्थापना दिवस

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

महमूदाबाद, सीतापुर। स्वतंत्रता दिवस के पावन अवसर पर आईबीपी सोशल वेलफेयर फाउंडेशन की ओर से देशभक्ति एवं नारी शक्ति को समर्पित कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में फाउंडेशन की महिला विंग का स्थापना दिवस भी उत्साहपूर्वक मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ महिला विंग की ओर से ध्वजारोहण एवं राष्ट्रगान के साथ हुआ। उपस्थित लोगों ने देश की आजादी के लिए अपने प्राण न्योछावर करने वाले वीर शहीदों को श्रद्धापूर्वक नमन किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अनुज कुमार जैन तथा विशिष्ट अतिथि सत्य नारायण पोरवाल रहे। इस अवसर पर श्री कृष्ण पोरवाल, अमित पोरवाल, आदित्य वर्मा, डॉ. राकेश बंसवार, इरफान मंसूरी सहित समाजसेवी एवं पत्रकार मौजूद रहे। सामाजिक क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले समाजसेवियों एवं अतिथियों को सम्मानित भी किया गया। मुख्य अतिथि अनुज कुमार जैन ने कहा कि स्वतंत्रता केवल एक ऐतिहासिक उपलब्धि नहीं, बल्कि देश के प्रति हमारे कर्तव्यों की भी याद दिलाती है। आजादी के आंदोलन में महिलाओं ने साहस और त्याग की मिसाल कायम की। रानी लक्ष्मीबाई सहित अनेक वीरांगनाओं ने अपने शौर्य से देश के स्वतंत्रता संग्राम को नई दिशा दी। उन्होंने कहा कि आज महिलाएं शिक्षा, राजनीति, सामाजिक सेवा, प्रशासन और अन्य क्षेत्रों में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा रही हैं। समाज के विकास के लिए महिलाओं को समान अवसर और सम्मान देना हम सभी की जिम्मेदारी है। वक्ताओं ने कहा कि महिलाएं किसी भी क्षेत्र में पुरुषों से पीछे नहीं हैं। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर महिला शक्ति एवं वीरांगनाओं के योगदान को याद करते हुए उनके आदर्शों पर चलने तथा समाज में महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने का संकल्प लिया गया। कार्यक्रम में आईबीपी सोशल वेलफेयर फाउंडेशन महिला विंग की राष्ट्रीय महासचिव अंजू सिंह, प्रदेश उपाध्यक्ष लेखा गुप्ता, प्रदेश सचिव राखी शुक्ला, जिला उपाध्यक्ष अंजली मौर्या, जिला सचिव अंजना कौर सहित ममता पोरवाल, मीना पोरवाल, रीता, सरिता, कल्पना वर्मा एवं महिला विंग की अन्य सदस्य मौजूद रहीं।

नयनागढ़ पैलेश में स्वतंत्रता दिवस की रही धूम ध्वजारोहण कर किया गया राष्ट्रगान

सीखड़ संवाद। 80वां स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर चुनार स्थित नव निर्मित ऐतिहासिक नयना गढ़ पैलेश में स्वतंत्रता दिवस धूम धाम से मनाया गया। पैलेश के मैनेजिंग डायरेक्टर सुरेश मिश्रा ने ध्वजारोहण कर पारंपरिक राष्ट्रगान किया। इस दौरान भारत माता वन्दे मातरम् के जयकारे से गूंज उठा परिसर। उपस्थित लोगों में मिष्ठान वितरण किया गया।इस अवसर पर नयनागढ़ पैलेश के प्रबंधक अतुल कुमार त्रिपाठी, किरन मिश्रा, राकेश मिश्रा, डॉ.ऋषभ मिश्रा सहित बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। ऐतिहासिक नयनागढ़ पैलेश में स्वतंत्रता दिवस पर पर्यटकों ने भी पैलेश का लुत्फ उठाया। वाराणसी और आस पास के जनपदों से आए बड़ी संख्या में लोगों ने पहुंच कर नयनागढ़ पैलेश का दीदार किया। वहीं स्वतंत्रता दिवस के पावन पर्व पर उपस्थित लोगों के बीच मिष्ठान वितरित किया गया।

इफको फूलपुर में अध्यक्ष संघाणी ने 80वें स्वतंत्रता दिवस पर फहराया तिरंगा

स्वतंत्र प्रभात
दया शंकर त्रिपाठी

ब्यूरो प्रयागराज। देश के 80वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर इंडियन फॉर्मर्स फर्टिलाइजर कोऑपरेटिव(इफको) संस्था केअध्यक्ष दिलीप संघाणी ने इफको की फूलपुर इकाई में राष्ट्रीय ध्वज फहराया। स्वतंत्रता दिवस पर आयोजित इस गरिमामय समारोह में देशभक्ति, राष्ट्रप्रेम और किसानों की समृद्धि के संकल्प की भावना स्पष्ट रूप से दिखाई दी। उन्होंने कहा कि देश की प्रगति का रास्ता गांवों और खेतों से होकर गुजरता है और किसानों को सशक्त किए बिना विकसित एवं आत्मनिर्भर भारत का सपना पूरा नहीं हो सकता। श्री संघाणी ने इफको फूलपुर इकाई द्वारा उर्वरक उत्पादन, आधुनिक कृषि तकनीकों, किसान सेवा तथा सहकारिता के क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों की सराहना की। उन्होंने कहा कि इफको किसानों के हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए प्रधानमंत्री के 'सहकार से समृद्धि' के विजन के अनुरूप निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने स्वतंत्रता संग्राम के वीरों को नमन करते हुए कहा कि आजादी केवल हमारे लिए गौरव का विषय नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण की निरंतर जिम्मेदारी भी है। उन्होंने कहा कि देश की प्रगति का रास्ता गांवों और खेतों से होकर गुजरता है और किसानों को सशक्त किए बिना विकसित एवं आत्मनिर्भर भारत का सपना पूरा नहीं हो सकता। स्वतंत्रता दिवस पर इफको परिवार राष्ट्र की एकता, अखंडता और समृद्धि के लिए अपने संकल्प को दोहराया। श्री संघाणी ने कहा कि आजादी के 80वें वर्ष में हमें उन महान स्वतंत्रता सेनानियों के सपनों के भारत के निर्माण के लिए और अधिक समर्पण के साथ काम करना होगा, जिन्होंने अपना सर्वस्व राष्ट्र को समर्पित कर दिया। उन्होंने कहा कि किसान की समृद्धि, गांव की खुशहाली और सहकारिता की मजबूती ही आत्मनिर्भर एवं विकसित भारत की आधारशिला है। इफको किसानों की आय बढ़ाने, सहकारी क्षेत्र को सशक्त बनाने, कृषि को टिकाऊ बनाने और भारतीय संस्कृति एवं ग्रामीण जीवन की समृद्ध परंपरा को मजबूत करने के लिए निरंतर प्रतिबद्ध है। इफको फूलपुर में श्री संघाणी ने स्वतंत्रता दिवस पर यही संकल्प एक बार फिर दोहराया की देश की धरती, देश के किसान और देश की समृद्धि के लिए इफको की ओर से हर संभव प्रयास जारी रहेगा दो दिवसीय फूलपुर दौरे के दौरान श्री संघाणी ने इफको फूलपुर संयंत्र में नवनिर्मित तकनीकी भवन का उद्घाटन किया। इस भवन से संयंत्र के सभी वरिष्ठ अधिकारी एक साथ बैठकर कार्यों की समीक्षा और समन्वय कर सकेंगे, जिससे निर्णय प्रक्रिया को और अधिक प्रभावी तथा कार्यप्रणाली को बेहतर बनाने में मदद मिलेगी। इफको फूलपुर इकाई के वरिष्ठ महाप्रबंधक श्री पी.के. सिंह एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने श्री संघाणी को इकाई की कार्यप्रणाली, उत्पादन क्षमता, नई तकनीकों तथा पर्यावरण-संवेदनशील उत्पादन प्रक्रियाओं की जानकारी दी। श्री संघानी ने इकाई में अपनाई जा रही आधुनिक एवं पर्यावरण-अनुकूल तकनीकों की सराहना की।

शेष खबर पेज-3

अधिवताओं ने हर्षोल्लास से मनाया स्वतंत्रता दिवस

अधिवक्ता अजीत कुमार यादव ने किया ध्वजारोहण, देश की एकता और अखंडता का लिया संकल्प

लखनऊ। अधिवक्ता जन सेवा समिति, लखनऊ और अधिवक्ता कल्याण समिति की ओर से स्वतंत्रता दिवस हर्षोल्लास और देशभक्ति की भावना के साथ मनाया गया। इस अवसर पर विभिन्न स्थानों पर ध्वजारोहण कार्यक्रम आयोजित किए गए। अधिवक्ताओं ने स्वतंत्रता संग्राम के अमर शहीदों और स्वतंत्रता सेनानियों को नमन करते हुए राष्ट्र की एकता, अखंडता और संप्रभुता की रक्षा का संकल्प लिया। मटियारी चौराहा स्थित प्रधान कार्यालय पर अधिवक्ता जन सेवा समिति के तत्वावधान में समिति के अध्यक्ष अधिवक्ता प्रताप नारायण की अध्यक्षता में ध्वजारोहण किया गया। वहीं अयोध्या रोड स्थित अधिवक्ता कल्याण समिति के तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम में समिति के संरक्षक अधिवक्ता सुसलेंद्र सिंह की अध्यक्षता में अधिवक्ता अजीत कुमार यादव ने ध्वजारोहण किया। ध्वजारोहण के बाद उपस्थित लोगों ने राष्ट्रगान गाया और तिरंगे को सलामी दी। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अधिवक्ताओं ने कहा कि स्वतंत्रता सेनानियों के त्याग और बलिदान के कारण ही आज हम स्वतंत्र भारत में जीवन जी रहे हैं। स्वतंत्रता दिवस हमें देश के प्रति अपने कर्तव्यों का ईमानदारी से निर्वहन करने की प्रेरणा देता है। उन्होंने कहा कि संविधान और लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा के साथ समाज के कमजोर और जरूरतमंद वर्ग को न्याय दिलाने में अधिवक्ताओं की महत्वपूर्ण भूमिका है। समारोह में उच्च न्यायालय की लखनऊ पीठ के वरिष्ठ अधिवक्ता एवं पूर्व मुख्य स्थायी अधिवक्ता आईपी सिंह, अवध बार एसोसिएशन के पूर्व उपाध्यक्ष अधिवक्ता संदीप कुमार यादव, अधिवक्ता जगदीश चंद्र मिश्रा, प्रताप नारायण, अमरदीप यादव, प्रकाश चंद्र, अभिषेक यादव, अवध लखनऊ बार एसोसिएशन के पूर्व कार्यकारिणी सदस्य शैलेंद्र कुमार यादव, शिवकुमार यादव, सर्वेश श्रीवास्तव, अरुण कुमार तिवारी, मोटर दुर्घटना बार एसोसिएशन के महामंत्री सत्यनारायण सहित बड़ी संख्या में अधिवक्ता मौजूद रहे। इसके अलावा अधिवक्ता अरविंद कुमार शुक्ला, अतुल कुमार यादव, सौरभ, महेंद्र कुमार यादव, सुभाष चंद्र, राकेश कुमार यादव, धर्मेंद्र सिंह राणा, दिनेश कुमार यादव, आशीष कुमार उर्फ अंशु, मुलायम सिंह, संदीप सिंह, सरनाम सिंह, आनंद सेन, गोविंद यादव, अतुल, जितेंद्र विक्रम, अधिवक्ता संध्या सिंह, स्वतंत्रलता तथा लल्लू सिंह उर्फ शानू अर्कवंशी सहित अन्य अधिवक्ताओं ने कार्यक्रम में सहभागिता की। इस अवसर पर समाजसेवी रंजीत और अंकित यादव सहित अन्य गणमान्य लोग भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में सभी ने देश की एकता, अखंडता और लोकतांत्रिक मूल्यों को मजबूत करने तथा समाजहित में कार्य करने का संकल्प लिया। अधिवक्ताओं ने कहा कि राष्ट्र निर्माण में प्रत्येक नागरिक की भूमिका महत्वपूर्ण है। कानून और संविधान के प्रति सम्मान रखते हुए समाज में न्याय, समानता और भाईचारे की भावना को मजबूत करना सभी की जिम्मेदारी है। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रप्रेम, देशभक्ति और सामाजिक एकता की भावना के साथ हुआ।

जेपीएस किड्स प्ले पब्लिक स्कूल में धूमधाम से मना स्वतंत्रता दिवस

रायबरेली। गुरुबक्शगंज स्थित सीएससी बाल विद्यालय (जेपीएस किड्स प्ले पब्लिक स्कूल) में 80वां स्वतंत्रता दिवस हर्षोल्लास और देशभक्ति की भावना के साथ मनाया गया।

कार्यक्रम में विद्यालय के संरक्षक अशोक शुक्ला, प्रबंधक मोहित शुक्ला, निदेशक रोहित शुक्ला, गुरुबक्शगंज थाना प्रभारी संजय सिंह सहित अन्य गणमान्य लोगों ने ध्वजारोहण किया। ध्वजारोहण के बाद मां सरस्वती की पूजा-अर्चना की गई और वीर शहीदों के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि दी गई।

इसके बाद विद्यालय के नन्हे विद्यार्थियों ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। प्ले ग्रुप, नर्सरी, एलकेजी और यूकेजी के बच्चों ने विभिन्न देशभक्ति गीतों और नृत्य प्रस्तुतियों के माध्यम से सभी का मन मोह लिया।

एलपीएस इंस्टीट्यूट ऑफ कार्डियोलॉजी में उत्साहपूर्वक मनाया गया 80वां स्वतंत्रता दिवस

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कानपुर। एलपीएस इंस्टीट्यूट ऑफ कार्डियोलॉजी एवं कार्डियोवैस्कुलर थोरेसिक सर्जरी, कानपुर में 80वां स्वतंत्रता दिवस उत्साह, गरिमा और देशभक्ति के वातावरण में मनाया गया। संस्थान के प्रवेश द्वार पर आयोजित समारोह में संकाय सदस्यों, चिकित्सकों, नर्सिंग अधिकारियों, पैरामेडिकल विद्यार्थियों, कर्मचारियों एवं अन्य सदस्यों ने भाग लिया। निर्धारित कार्यक्रम में मार्चपास्ट, सलामी, वंदे मातरम्, ध्वजारोहण, शपथ ग्रहण, स्वतंत्रता दिवस पर संबोधन, सम्मान समारोह तथा निदेशक का उद्बोधन शामिल रहा । समारोह के औपचारिक कार्यक्रम का शुभारंभ वंदे मातरम् के गायन से हुआ। इससे पूर्व पूर्व सैनिकों एवं पैरामेडिकल विद्यार्थियों द्वारा मार्चपास्ट एवं सलामी प्रस्तुत की गई। इसके बाद संस्थान के निदेशक प्रो. डॉ. राकेश कुमार वर्मा ने वरिष्ठ संकाय सदस्यों एवं अधिकारियों की उपस्थिति में राष्ट्रीय ध्वज फहराया तथा सभी

उपस्थित लोगों ने राष्ट्रगान में भाग लिया। कार्यक्रम के निर्धारित क्रम में ध्वजारोहण के बाद डॉ. ज्ञानेंद्र कुमार ने सभी उपस्थित सदस्यों को भारतीय संविधान की प्रस्तावना की शपथ दिलाई तथा संविधान में निहित न्याय, स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व के मूल्यों के प्रति प्रतिबद्ध रहने का संकल्प कराया । इसके बाद डॉ. अवधेश शर्मा ने स्वतंत्रता दिवस के ऐतिहासिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि स्वतंत्रता केवल उत्सव का अवसर नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण के प्रति प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी का स्मरण भी कराती है। कार्यक्रम में स्वतंत्रता दिवस के महत्व पर उनका संबोधन निर्धारित था । डॉ. संदीप गौतम ने स्वतंत्रता संग्राम से जुड़े प्रेरक प्रसंगों का उल्लेख करते हुए बेगमपुरवा से संबंधित त्याग और बलिदान की कहानी साझा की। उन्होंने स्वतंत्रता के लिए अपना जीवन समर्पित करने वाले लोगों के साहस और राष्ट्रप्रेम को नई पीढ़ी के लिए प्रेरणास्रोत बताया। कार्यक्रम में स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के प्रेरक प्रसंग पर उनका विशेष संबोधन रखा गया था । समारोह को संबोधित करते हुए निदेशक प्रो. डॉ. राकेश कुमार वर्मा ने संस्थान की प्रमुख उपलब्धियों और भविष्य की योजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि संस्थान में पिछले वर्षों में आधारभूत संरचना, रोगी सेवाओं, गुणवत्ता, तकनीक और शैक्षणिक सुविधाओं को मजबूत करने की दिशा में लगातार कार्य किया गया है। उन्होंने प्रमुख उपलब्धियों में 250 बेड के प्रस्तावित /विकसित इमरजेंसी भवन, समर्पित पैरामेडिकल अकादमिक भवन, स्वतंत्र जलापूर्ति व्यवस्था एवं वाटर टैंक, विद्युत अवसंरचना के सुदृढ़ीकरण, NABH मान्यता, संस्थान की बाउंड्रीवॉल, रोगियों के लिए वेटिंग एरिया, ICU के डिजिटलीकरण तथा ICCU के नवीनीकरण का उल्लेख किया।

जनपद में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया 80वां स्वतंत्रता दिवस

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कानपुर। जनपद में 80वां स्वतंत्रता दिवस देशभक्ति, उत्साह और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। फूलबाग स्थित नाना राव पार्क में आयोजित जनपद के मुख्य समारोह में प्रदेश की राज्यमंत्री, महिला कल्याण, बाल विकास एवं पुष्टाहार विभाग प्रतिभा शुक्ला ने ध्वजारोहण किया। इस अवसर पर राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम्' और राष्ट्रगान 'जन गण मन' का सामूहिक गायन किया गया। राज्यमंत्री प्रतिभा शुक्ला ने अपने संबोधन में कहा कि देश की स्वतंत्रता असंख्य ज्ञात-अज्ञात क्रांतिकारियों एवं स्वतंत्रता सेनानियों के संघर्ष, त्याग और सर्वोच्च बलिदान का परिणाम है। स्वतंत्रता आंदोलन में कानपुर की धरती और यहां के वीरों का योगदान स्वर्णाक्षरों में अंकित है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश वर्ष 2047 तक विकसित भारत बनने के संकल्प के साथ आगे बढ़ रहा है। मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश

विकास, सुशासन और आत्मनिर्भरता की नई पहचान बना रहा है। उन्होंने नागरिकों से कर्तव्यबोध के साथ राष्ट्र निर्माण में योगदान देते हुए स्वतंत्रता सेनानियों के सपनों का समर्थ, समृद्ध और आत्मनिर्भर भारत बनाने का आह्वान किया। जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह ने कहा कि कानपुर की धरती का स्वतंत्रता आंदोलन में गौरवशाली योगदान रहा है। स्वतंत्रता दिवस अमर बलिदानियों के सपनों का भारत बनाने का संकल्प लेने का अवसर है। उन्होंने जनपदवासियों से सामाजिक समरसता, आपसी भाईचारे तथा राष्ट्र की एकता और अखंडता को सुदृढ़ करने में सक्रिय सहभागिता का आह्वान किया। राज्यमंत्री प्रतिभा शुक्ला, जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह सहित जनप्रतिनिधियों एवं प्रशासनिक अधिकारियों ने नाना राव पार्क स्थित शहीद स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित कर देश की स्वतंत्रता और रक्षा के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर करने वाले अमर बलिदानियों को नमन किया।

इस अवसर पर राष्ट्रगीत 'वंदे मातर' और राष्ट्रगान 'जन गण मन' का सामूहिक गायन किया गया। राज्यमंत्री प्रतिभा शुला ने अपने संबोधन में कहा कि देश की स्वतंत्रता असंय ज्ञात-अज्ञात क्रांतिकारियों एवं स्वतंत्रता सेनानियों के संघर्ष, त्याग और सर्वोच्च बलिदान का परिणाम है।

सर्व धर्म महासभा द्वारा तिरंगा यात्रा एवं झंडा रोहण, सभी धर्म के लोग रहे मौजूद

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कानपुर। कानपुर 80 वें स्वतंत्रता दिवस के मौके पर अखिल भारतीय सर्व धर्म महासभा एवं कुल हिंद जमीअतुल आवाम द्वारा तिरंगा यात्रा एवं झंडारोहण कार्यक्रम का आयोजन हुआ झंडा रोहण से पहले सभा को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने जगे आजादी में शहीद होने वाले महान वीरों को खिराजे अकीदत पेश की कार्यक्रम संस्था के कार्यालय स्थित कुली बाजार से महामंत्री महबूब आलम खान के नेतृत्व मे तिरंगा यात्रा निकाली गई जिसमें हिंदू मुस्लिम सिख इसाई सभी धर्म के लोगों ने एक साथ हाथों में हाथ डालकर एकता का पैगाम दिया और कहा कि हिंदुस्तान को सभी धर्म के लोगों ने मिलकर आजाद कराया हमे अपनी आने

वाली नस्लों को अपने महान वीरों और क्रांतिकारी के बारे में जरूर बताना चाहिए हमें हमारे मुल्क की आजादी कैसे मिली अपने बच्चों को उनके किस्से सुनना चाहिए साथ ही साथ उन लाखों लोगों को भी अपनी दुआओं में याद रखना चाहिए जिन्होंने देश की आजादी की खातिर अपनी जाने की कुर्बानी पेश की इस मौके पर मुख्य रूप से महामंत्री महबूब आलम खान, शहर काजी मुफ्ती साकिब अदीब, राष्ट्रीय सचिव सरदार राजेंद्र सिंह, कुलदीप बाबा, मसीही पंडित, राजेश मिश्रा, पादरी डायमंड युसूफ कारी, सगीर आलम कारी, आरिफ रजा, राहुल दीक्षित, पार्षद सुशील तिवारी, आफताब आलम, भोलू, अलीम खान, रोमन, एडवोकेट चंद्रशेखर सोनकर, गुड्डू चौधरी आदि मौजूद रहे।

पुलिस लाइन में झंडा फहराकर मनाया स्वतंत्रता दिवस

कानपुर। 80वें स्वतंत्रता दिवस के पावन अवसर पर रिजर्व पुलिस लाइन, कानपुर नगर में भव्य एवं गरिमामय कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पुलिस आयुक्त रघुबीर लाल द्वारा ससम्मान राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया। इस

अवसर पर उपस्थित पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों को राष्ट्र की एकता, अखंडता एवं संप्रभुता की रक्षा, संविधान के प्रति निष्ठा तथा तंबाकू-मुक्त भारत के निर्माण में सक्रिय योगदान देने की शपथ दिलाई गई। ध्वजारोहण के उपरांत पुलिस आयुक्त ने सभी को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए राष्ट्रसेवा के प्रति सदैव समर्पित रहने एवं अपने दायित्वों का पूरी निष्ठा और ईमानदारी से निर्वहन करने हेतु प्रेरित किया। कार्यक्रम में पुलिस विभाग के वरिष्ठ अधिकारीगण, कर्मचारीगण एवं अन्य गणमान्यजन उपस्थित रहे।

कम्पोजिट विद्यालय, ग्राम पंचायत सचिवालय व प्राथमिक विद्यालय मे फेराया गया तिरंगा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

टूण्डला। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर टूण्डला क्षेत्र की ग्राम पंचायत पमारी के ग्राम मनीगढ़ी में राष्ट्रभक्ति और देशप्रेम के साथ विभिन्न स्थानों पर राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा फहराया गया। ग्राम के प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक (कम्पोजिट) विद्यालय तथा ग्राम पंचायत सचिवालय पमारी में आयोजित ध्वजारोहण कार्यक्रम में ग्रामीणों, शिक्षक-शिक्षिकाओं, पंचायत कर्मियों एवं छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।

कम्पोजिट विद्यालय व ग्राम पंचायत सचिवालय में हुआ ध्वजारोहण

ग्राम पंचायत पमारी के ग्राम मनीगढ़ी स्थित प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक कम्पोजिट विद्यालय तथा ग्राम पंचायत सचिवालय पमारी में प्रधान प्रतिनिधि हरिओम बघेल, ग्राम पंचायत सदस्य विवेक शर्मा एवं प्रधानाध्यापक विजय सिंह द्वारा तिरंगा झंडा फहराया गया। ध्वजारोहण के दौरान उपस्थित लोगों ने राष्ट्रीय ध्वज को सलामी दी और राष्ट्रगान के साथ स्वतंत्रता

दिवस की गरिमा को बनाए रखा। इस अवसर पर विद्यालय परिसर में देशभक्ति का माहौल देखने को मिला। छात्र-छात्राओं में भी स्वतंत्रता दिवस को लेकर खासा उत्साह दिखाई दिया। बच्चों ने राष्ट्रीय ध्वज के प्रति सम्मान व्यक्त करते हुए देशभक्ति की भावना का परिचय दिया। कार्यक्रम में कम्पोजिट विद्यालय के प्रधानाध्यापक विजय सिंह, योगेश रावत, जितेन्द्र सिंह, राममोहन सिंह, पंचायत सहायक पमारी सहित विद्यालय का समस्त स्टाफ एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। शिक्षकों ने बच्चों को स्वतंत्रता दिवस के महत्व और देश की आजादी के लिए स्वतंत्रता सेनानियों द्वारा दिए गए बलिदान के बारे में जानकारी दी। वहीं ग्राम पंचायत पमारी के अंतर्गत प्राथमिक विद्यालय नगला पुन्नू में भी स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर ध्वजारोहण कार्यक्रम आयोजित किया गया। यहां ग्राम प्रधान कुमारी रेखा देवी, प्रधान प्रतिनिधि गुड्डू बघेल एवं प्रधानाध्यापक द्वारा राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया। ध्वजारोहण के बाद विद्यालय परिसर में मौजूद शिक्षकों, बच्चों एवं ग्रामीणों ने राष्ट्र के प्रति सम्मान प्रकट किया। बच्चों में स्वतंत्रता दिवस को लेकर विशेष उत्साह नजर आया।

प्राथमिक विद्यालय नगला पुन्नू में आयोजित कार्यक्रम के दौरान संजय राजपाल, संजय शर्मा, शिशपाल सिंह, बरखा सिंह, विकास बघेल, मनोज कांत, टिंकू सिंह, भूपेंद्र बघेल, गुलशन बघेल, संजना देवी एवं नेहा पाल सहित विद्यालय का समस्त स्टाफ उपस्थित रहा। कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने कहा कि स्वतंत्रता दिवस हमें देश की आजादी के लिए अपने प्राणों का बलिदान देने वाले वीरों के त्याग और संघर्ष की याद दिलाता है।

बाइक और साइकिल की टक्कर में छात्रा समेत दो घायल

कोंच(जालौन)। स्वतंत्रता दिवस कार्यक्रम में शामिल होकर स्कूल से घर लौट रही साइकिल सवार 15 वर्षीय छात्रा और बाइक सवार युवक सड़क हादसे में गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा ग्राम जगनपुरा के पास घटित हुआ। राहगीरों द्वारा एंबुलेंस की मदद से दोनों घायलों को सीएचसी कोंच पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार कर दोनों को रेफर कर दिया। जानकारी के अनुसार, ग्राम अवधपुरी महेशपुरा थाना कैलिया निवासी फूल सिंह की 15 वर्षीय पुत्री समीक्षा ग्राम सामी स्थित महावीर इंटर कॉलेज में शनिवार को आयोजित स्वतंत्रता दिवस कार्यक्रम में शामिल होने गई थी। कार्यक्रम समाप्त होने के बाद करीब डेढ़ बजे वह साइकिल से अपने घर वापस लौट रही थी। इसी दौरान ग्राम जगनपुरा के नजदीक सामने से आ रही बाइक और साइकिल में आमने-सामने जोरदार टक्कर हो गई जिसके चलते उक्त दोनों सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद मौके पर राहगीरों की भीड़ जुट गई। लोगों ने तत्काल मदद करते हुए एंबुलेंस को सूचना दी और फिर दोनों घायलों को सीएचसी कोंच पहुंचाया। चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर हालत देखते हुए युवक को मेडिकल कॉलेज तथा छात्रा को जिला अस्पताल उरई रेफर कर दिया।

सड़क दुर्घटना में महिला की मौत

कोंच (जालौन)- शनिवार की शाम सड़क हादसे में बाइक सवार एक 45 वर्षीय महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। उपचार के लिए महिला को सीएचसी से जिला अस्पताल उरई रेफर किया गया जहां उसकी मौत हो गई। जानकारी के अनुसार, शनिवार की शाम करीब 6 बजे प्रताप नगर कोंच निवासी वहीदन (45) पत्नी साबिर मध्य प्रदेश के लहार से अपनी बेटी के घर से होकर वापस कोंच लौट रही थी। भतीजा अरशद (22) बाइक चला रहा था। जैसे ही पंचानन चौराहे के पास बाइक पहुंची तभी सड़क पर अचानक एक कुत्ता बाइक के सामने आ गया।

वीर क्रांतिकारियों को श्रद्धासुमन अर्पित कर हर्षोल्लास से मनाया 80वां स्वतंत्रता दिवस

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

टूण्डला। क्रांतिकारी संगठन आप और हम राष्ट्रीय भ्रष्टाचार अपराध मुक्ति संगठन के बैनर तले राष्ट्रीय अध्यक्ष बीएस बेदी की उपस्थिति में जिला अध्यक्ष जसवीर यादव एवं उनकी टीम ने 80वां स्वतंत्रता दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया। कार्यक्रम में वीर क्रांतिकारियों की प्रदर्शनी आकर्षण का केंद्र रही। प्रदर्शनी में भगत सिंह, राजगुरु, सुखदेव, नेताजी सुभाष चंद्र बोस, चंद्रशेखर आजाद, सरदार उधम सिंह, मंगल पांडे, अशफाक उल्ला खां, ठाकुर रोशन सिंह और रामप्रसाद बिस्मिल सहित अनेक क्रांतिकारियों के चित्र लगाए गए। कार्यक्रम के अतिथि समाजसेवी वीर सुरेंद्र पाल सिंह यादव एवं डॉ. अनिल वार्ष्णेय ने ध्वजारोहण किया। संगठन के राष्ट्रीय

अध्यक्ष बीएस बेदी, जिला अध्यक्ष जसवीर यादव सहित सभी अतिथियों ने वीर क्रांतिकारियों को श्रद्धासुमन अर्पित कर नमन किया। इस अवसर पर बीएस बेदी ने कहा कि देश आजादी का पर्व जिस उत्साह से मना रहा है, वह हमारे वीर क्रांतिकारियों के बलिदान की देन है। स्वतंत्रता दिवस की सार्थकता तभी है जब हम उन वीरों को याद कर उनके प्रति श्रद्धा और सम्मान प्रकट करें। कार्यक्रम में बंगाली बाबू, डॉ. अनिल वार्ष्णेय, मनमिंदर सिंह, राजू गांधी, पवन कक्कड़, देवेंद्र पाल, उदय वीर सिंह मेजर, सरदार हरपाल सिंह, चंपाराम, बंटी पाल, बहादुर सिंह अरोड़ा, राजू उपाध्याय चीफ एडिटर एन आई टी न्यूज़ , मनीष यादव, अजब सिंह यादव, सुरेंद्र यादव, करन चौधरी, सूरज वर्मा, संजय गुप्ता, प्रशांत गुप्ता, आकाश बघेल, दीपू, रिया शर्मा, गुरलीन कौर, सरदार प्रतिपाल सिंह, पवनेश करन एवं पप्पू सहित अनेक लोग मौजूद रहे।

भाजपा नगर अध्यक्ष आजाद जैन का जन्मदिन हर्षोल्लास से मनाया

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

टूण्डला। भाजपा टूण्डला मंडल के नगर अध्यक्ष आज़ाद जैन का जन्मदिन नगर अध्यक्ष कार्यालय पर भाजपा कार्यकर्ताओं एवं गणमान्यजनों की मौजूदगी में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर उपस्थित कार्यकर्ताओं और समर्थकों ने केक काटकर नगर अध्यक्ष आज़ाद जैन को जन्मदिन की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम के दौरान सभी ने आज़ाद जैन के उत्तम स्वास्थ्य, सुख-समृद्धि एवं उज्ज्वल भविष्य की मंगलकामना की। कार्यकर्ताओं ने कहा कि नगर अध्यक्ष के रूप में उनके द्वारा संगठन को मजबूत करने और कार्यकर्ताओं को साथ लेकर चलने का प्रयास सराहनीय है। जन्मदिन समारोह में टूण्डला विधायक प्रेमपाल सिंह धनगर, भाजपा जिलाध्यक्ष उदय प्रताप, दीपक चौधरी, सुनील पाठक, आशुतोष गर्ग, नरेंद्र

शर्मा, विवेक कौशिक, राजेश अग्रवाल, जितेंद्र शर्मा, अनिल चौधरी, हेमंत चौधरी, देवेंद्र बेनीवाल, सतेंद्र जैन, राजन सिंह निषाद, संजय चक, सुशील चक, लोकेश जादौन, महेंद्र झा एवं रविंद्र झा सहित भाजपा कार्यकर्ता एवं गणमान्यजन उपस्थित रहे। केक काटने के बाद कार्यकर्ताओं ने आज़ाद जैन को पुष्पगुच्छ एवं शुभकामनाएं देते हुए उनके दीर्घायु और सफल जीवन की कामना की। पूरे कार्यक्रम के दौरान कार्यकर्ताओं में उत्साह और आपसी सौहार्द का माहौल देखने को मिला।

पुलिस लाइन में शान से लहराया तिरंगा, मंत्री योगेंद्र उपाध्याय ने शहीदों को किया नमन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

फिरोजाबाद। 80वें स्वतंत्रता दिवस के पावन अवसर पर जनपद में राष्ट्रभक्ति और देशप्रेम से ओतप्रोत विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इसी क्रम में पुलिस लाइन प्रांगण में आयोजित मुख्य समारोह में माननीय मंत्री, उच्च शिक्षा विभाग, उत्तर प्रदेश योगेंद्र उपाध्याय ने ध्वजारोहण कर राष्ट्रीय ध्वज को नमन किया। इस अवसर पर जिलाधिकारी संतोष कुमार शर्मा, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक आदित्य लांग्हे, मुख्य विकास अधिकारी शत्रोहन वैश्य, भाजपा जिलाध्यक्ष उदय प्रताप सिंह एवं ब्लॉक प्रमुख अरांव कमलेश राजपूत सहित जनप्रतिनिधि, अधिकारी एवं गणमान्य नागरिक मौजूद रहे। ध्वजारोहण के पश्चात सभी ने राष्ट्रगान के साथ तिरंगे को नमन किया। कार्यक्रम के दौरान देश की आजादी और सुरक्षा के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर करने वाले मां भारती के वीर सपूतों एवं अमर शहीदों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनके बलिदान को याद

किया गया।

स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के परिजनों का हुआ सम्मान

कार्यक्रम में मंत्री योगेंद्र उपाध्याय एवं जिलाधिकारी संतोष कुमार शर्मा ने स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के परिजनों को शॉल एवं सम्मान सामग्री भेंट कर सम्मानित किया। इस दौरान स्वतंत्रता आंदोलन में योगदान देने वाले वीर सपूतों के त्याग और संघर्ष को याद करते हुए उनके परिवारों के प्रति सम्मान व्यक्त किया गया।

स्वतंत्रता दिवस केवल उत्सव नहीं, बलिदानियों को नमन करने का दिनः योगेंद्र उपाध्याय

समारोह को संबोधित करते हुए उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय ने कहा कि स्वतंत्रता दिवस केवल उत्सव मनाने का दिन नहीं है, बल्कि उन अमर बलिदानियों और स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों को नमन करने का अवसर है, जिनके अदम्य साहस, त्याग और संघर्ष की बदौलत आज हम स्वतंत्र राष्ट्र के नागरिक के रूप में स्वाभिमान के साथ जीवन जी रहे हैं। उन्होंने कहा कि देश की स्वतंत्रता हमें लंबे संघर्ष और असंख्य बलिदानों के बाद प्राप्त हुई है। इसलिए प्रत्येक नागरिक का दायित्व है कि वह राष्ट्र की एकता, अखंडता और संप्रभुता की रक्षा के लिए अपना योगदान दे। मंत्री योगेंद्र उपाध्याय ने कहा कि वर्ष 2014 से पहले देश निराशा, प्रशासनिक शिथिलता और घोटालों के दौर से गुजर रहा था। वर्ष 2014 के बाद मिले सुदृढ़ नेतृत्व ने देश और प्रदेश को नई दिशा, नया तेवर और नया कलेवर देने का कार्य किया है। उन्होंने कहा कि अर्थव्यवस्था के क्षेत्र में भारत ने अभूतपूर्व प्रगति की है। कभी 11वें और 12वें स्थान पर रहने वाली भारतीय अर्थव्यवस्था आज विश्व की प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में शामिल हो चुकी है। उन्होंने कहा कि आज भारत की उपलब्धियां दुनिया के सामने देश की बढ़ती सामर्थ्य और आत्मविश्वास को प्रदर्शित कर रही हैं।

समुद्र की गहराइयों से अंतरिक्ष तक लहरा रहा भारत का परचम

मंत्री ने कहा कि आज भारत समुद्र की गहराइयों से लेकर अंतरिक्ष की ऊंचाइयों तक अपनी क्षमता का प्रदर्शन कर रहा है। विज्ञान, तकनीक, शिक्षा, अर्थव्यवस्था और रक्षा सहित विभिन्न क्षेत्रों में देश लगातार आगे बढ़ रहा है।

डिस्ट्रिक्ट प्रेस क्लब ने निकाली भव्य तिरंगा यात्रा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कोंच(जालौन)। राष्ट्रीय पर्व स्वतंत्रता दिवस के पावन अवसर पर डिस्ट्रिक्ट प्रेस क्लब तहसील इकाई कोंच के तत्वाधान में हर वर्ष की भांति इस वर्ष वर्ष भी पूरे उल्लास के साथ भव्य तिरंगा यात्रा निकाली गई । स्थानीय सरोजिनी नायडू पार्क से पूर्व केंद्रीय मंत्री भानुप्रताप सिंह वर्मा, विधायक पुत्र जितेंद्र सिंह आशु निरंजन, डिस्ट्रिक्ट प्रेस क्लब के जिलाध्यक्ष मनोज राजा, भाजपा नगर अध्यक्ष अंजू अग्रवाल, ईओ नगर पालिका मोनिका उमराव, कोतवाल निगवेंद्र प्रताप सिंह आदि अतिथियों ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं लौह पुरुष सरदार बल्लभ भाई पटेल की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया और फिर तिरंगा ध्वज लहराकर यात्रा रवाना की। यात्रा छावला पुलिया, स्टेट बैंक, लवली चौराहा, नई बस्ती, रामगंज, नगर पालिका, सागर चौकी से होकर मेन रोड के रास्ते चंदकुआ स्थित महारानी लक्ष्मीबाई स्मारक पर पहुंची। यहां पर सभी लोगों ने महारानी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया। यात्रा में शामिल अतिथियों सहित स्वयंसेवी संस्थाओं से जुड़े लोग, पत्रकार और गणमान्य नागरिक डीजे पर बज रहे देशभक्ति तरानों पर तिरंगा ध्वज लहराते

हुए 'भारत माता की जय', 'वंदे मातरम' का उद्घोष कर आगे बढ़ रहे थे। रास्ते में नई बस्ती तिराहे पर हैप्पी चंदन गुप्ता, बजाज एजेंसी पर लला गुप्ता देवगांव वाले द्वारा शीतल पेय की व्यवस्था की गई थी, जगह जगह पुष्पवर्षा भी की गई। महारानी लक्ष्मीबाई स्मारक पर यात्रा के समापन अवसर पर अतिथियों ने स्वतंत्रता दिवस पर्व की शुभकामनाएं देते हुए वीर अमर शहीदों को याद किया और देश की एकता अखंडता को अक्षुण बनाए रखने का आह्वान किया। इससे पहले संगठन की तहसील इकाई के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने अतिथियों का पगड़ी पहनाकर स्वागत सम्मान किय। तिरंगा यात्रा में पूर्व राज्यमंत्री उप्र हरिओम उपाध्याय, उरई से आये वरिष्ठ पत्रकार अलीम सिद्दीकी, अजय श्रीवास्तव, विनय गुप्ता, प्रदीप महतवानी, संगठन के तहसील अध्यक्ष अंजनी श्रीवास्तव, महामंत्री राजेंद्र यादव, संरक्षक मंडल सदस्य चौ. बृजेंद्र मयंक, पुरुषोत्तम दास रिछारिया, असद अहमद, मो अफजाल खान, संजय सोनी, हरिश्चंद्र तिवारी, प्रियाशरण नगाइच, सिराज काजी, कढोरे लाल यादव बाबूजी, डॉ दिलीप अग्रवाल, अनिल वैद एड, कांग्रेस नगर अध्यक्ष राघवेंद्र तिवारी, कन्हैया नीखर, विकास पटेल धनौरा, अंशु पटेल डाढी, राजेंद्र निगम एड, संजय लोहिया, सभासद अनिल वर्मा, नरेंद्र द्विवेदी, वसीम सिद्दीकी, विकार अहमद, बाबूराम पाल, बृजेंद्र कुशवाहा सहित स्थानीय पत्रकार मौजूद रहे।

मंडलायुक्त विजय विश्वास पंत ने किया ध्वजारोहण, शहीदों को नमन

राष्ट्र की एकता, अखंडता और संप्रभुता के प्रति प्रतिबद्धता दोहराई

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। 80वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर मंडलायुक्त लखनऊ विजय विश्वास पंत ने मंडलायुक्त कार्यालय परिसर में ध्वजारोहण किया। इस दौरान अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने राष्ट्रगान के साथ देश की एकता और अखंडता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। मंडलायुक्त ने स्वतंत्रता संग्राम के अमर सेनानियों के त्याग और बलिदान को नमन करते हुए कहा कि स्वतंत्रता दिवस हमें देश के महानायकों के संघर्ष और बलिदान का स्मरण कराने के साथ राष्ट्र के प्रति अपने दायित्वों का ईमानदारी से निर्वहन करने की प्रेरणा देता

है। उन्होंने कहा कि भारत की आजादी असंख्य ज्ञात-अज्ञात स्वतंत्रता सेनानियों के त्याग और बलिदान का परिणाम है। स्वतंत्रता संग्राम में उत्तर प्रदेश की महत्वपूर्ण भूमिका रही है और प्रदेश की धरती ने अनेक क्रांतिकारियों एवं राष्ट्रभक्तों को जन्म दिया। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता केवल अधिकारों का बोध नहीं कराती, बल्कि राष्ट्र के प्रति हमारे कर्तव्यों की भी याद दिलाती है। सभी को स्वतंत्रता सेनानियों के सपनों का भारत बनाने के लिए अपने दायित्वों का ईमानदारीपूर्वक निर्वहन करना चाहिए। इस अवसर पर अपर आयुक्त प्रशासन राधेश्याम, अपर आयुक्त न्यायिक दीप्ति देव यादव सहित मंडलायुक्त कार्यालय के अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

मंडलायुत ने स्वतंत्रता संग्राम के अमर सेनानियों के त्याग और बलिदान को नमन करते हुए कहा कि स्वतंत्रता दिवस हमें देश के महानायकों के संघर्ष और बलिदान का स्मरण कराने के साथ राष्ट्र के प्रति अपने दायित्वों का ईमानदारी से निर्वहन करने की प्रेरणा देता है। उन्होंने कहा कि भारत की आजादी असंख्य ज्ञात-अज्ञात स्वतंत्रता सेनानियों के त्याग और बलिदान का परिणाम है। स्वतंत्रता संग्राम में उर प्रदेश की महत्वपूर्ण भूमिका रही है और प्रदेश की धरती ने अनेक क्रांतिकारियों एवं राष्ट्रभक्तों को जन्म दिया।

सेंट पॉल्स कॉलेज में देशभक्ति के बीच मना स्वतंत्रता दिवस समारोह

मार्च पास्ट और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने बांधा समां, मेधावी विद्यार्थियों को किया सम्मानित

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। सेंट पॉल्स कॉलेज, लखनऊ में स्वतंत्रता दिवस समारोह देशभक्ति, गौरव और उत्साह के साथ मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत राष्ट्रीय ध्वज फहराने और राष्ट्रगान के साथ हुई। मुख्य अतिथि कॉलेज के पूर्व छात्र लेफ्टिनेंट कर्नल सुशांत निगम का प्रधानाचार्य रेवरेन्ड फादर अनिल पार्कर ने स्वागत किया। समारोह में एलुमनी एसोसिएशन के सदस्यों, शिक्षक-शिक्षिकाओं, विद्यार्थियों और अभिभावकों ने सहभागिता की। समारोह का मुख्य आकर्षण नेहरू, अशोक, सुभाष और टैगोर हाउस के विद्यार्थियों का भव्य मार्च पास्ट रहा। विद्यार्थियों ने देशभक्ति गीतों और भाषणों के माध्यम से स्वतंत्रता, एकता और राष्ट्र के प्रति जिम्मेदारी का संदेश दिया। इस अवसर पर शत-प्रतिशत उपस्थिति के लिए शिक्षकगण एवं एक सहयोगी कर्मचारी को सम्मानित किया गया। शैक्षणिक क्षेत्र में

उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को भी पुरस्कार प्रदान किए गए। प्रभात जैन मेमोरियल ट्रॉफी आईएससी परीक्षा-2026 में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए अजितांश प्रताप सिंह, पंकज अवस्थी मेमोरियल ट्रॉफी आईसीएसई परीक्षा-2026 में शानदार उपलब्धि के लिए जानवी अग्रवाल को दी गई। वहीं 'जीनियस ऑफ द ईयर' ट्रॉफी श्रेया गुप्ता को प्रदान की गई। पुरस्कारों का वितरण मुख्य अतिथि लेफ्टिनेंट कर्नल सुशांत निगम और सेंट पॉल्स एलुमनी एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष आशीष यादव ने किया। इस दौरान विद्यालय की वार्षिक पत्रिका 'आर्मा लूसिस' का भी विमोचन किया गया। समारोह का समापन राष्ट्र के प्रति गर्व और कृतज्ञता की भावना के साथ हुआ। कार्यक्रम ने विद्यालय की शैक्षणिक उत्कृष्टता, अनुशासन, चरित्र निर्माण और विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के प्रति प्रतिबद्धता को रेखांकित किया।

डीपीएस प्रयागराज में देशभक्ति के साथ मना स्वतंत्रता दिवस

विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से जगाया राष्ट्रप्रेम का जज्बा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रयागराज। दिल्ली पब्लिक स्कूल (डीपीएस), प्रयागराज में 80वां स्वतंत्रता दिवस देशभक्ति, गर्व और उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों, शिक्षकों और कर्मचारियों ने स्वतंत्रता सेनानियों के अमर बलिदान को नमन किया। समारोह का शुभारंभ विद्यालय की प्रधानाचार्या डॉ. सुजाता सिंह और शैक्षणिक प्रमुख प्रवीण ने संयुक्त रूप से ध्वजारोहण कर किया।

तिरंगा फहराए जाने के बाद राष्ट्रगान के साथ राष्ट्रीय ध्वज को सलामी दी गई। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए वरिष्ठ शिक्षक ऋषि श्रीवास्तव ने आधुनिक और प्रगतिशील भारत के निर्माण में युवाओं की भूमिका एवं जिम्मेदारियों पर प्रकाश डाला। सांस्कृतिक कार्यक्रम के दौरान कक्षा 11-डी के छात्र राजन रॉय ने देश के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू के ऐतिहासिक भाषण 'नियति से साक्षात्कार' की प्रभावशाली प्रस्तुति दी। इसके माध्यम से विद्यार्थियों ने स्वतंत्रता संग्राम के संघर्षों और वीर सेनानियों के बलिदान को याद किया। समारोह का समापन संगीत विभाग द्वारा प्रस्तुत देशभक्ति गीत, धन्यवाद ज्ञापन और विद्यार्थियों एवं शिक्षकों के बीच मिठाई वितरण के साथ हुआ।

हर घर तिरंगा का संदेश, विद्यार्थियों ने दिखाया देशभक्ति का जज्बा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रतापगढ़। केंद्रीय संचार ब्यूरो, क्षेत्रीय कार्यालय प्रयागराज, सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार की ओर से स्वतंत्रता दिवस एवं 'हर घर तिरंगा' विषय पर मिनी आईसीओपी कार्यक्रम तुलसी इंटरमीडिएट कॉलेज, बाबूगंज, जमेठी, कुंडा में आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों और आमजन को स्वतंत्रता संग्राम के गौरवपूर्ण इतिहास, स्वतंत्रता सेनानियों के योगदान तथा राष्ट्रध्वज के सम्मान और राष्ट्रीय एकता के प्रति जागरूक करना रहा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कॉलेज प्रबंधक श्याम लाल वैश्य और प्रधानाचार्य डॉ. अनुपम ओझा रहे। विशिष्ट अतिथियों में पूर्व प्रवक्ता ध्रुव प्रताप सिंह, पूर्व प्रवक्ता राम प्रकाश सिंह, पूर्व सहायक अध्यापक भारत लाल गुप्ता तथा सहायक अध्यापक एवं स्काउट जिला

काउंसलर उमेश चन्द्र द्विवेदी शामिल रहे। श्याम लाल वैश्य ने स्वतंत्रता संग्राम में वीर सेनानियों के त्याग और बलिदान को याद करते हुए महात्मा गांधी सहित अन्य स्वतंत्रता सेनानियों के योगदान पर प्रकाश डाला। ध्रुव प्रताप सिंह ने भारत की स्वतंत्रता की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि और भारत छोड़ो आंदोलन की चर्चा करते हुए भगत सिंह, राजगुरु, सुखदेव और नेताजी सुभाष चन्द्र बोस के योगदान को याद किया। उन्होंने विद्यार्थियों से स्वतंत्रता सेनानियों के आदर्शों को जीवन में अपनाने का आह्वान किया। कार्यक्रम में संगोष्ठी, भाषण एवं निबंध प्रतियोगिता, समूह चर्चा, प्रश्नोत्तरी, सांस्कृतिक एवं कठपुतली कार्यक्रम के साथ रैली आयोजित की गई। विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर देशभक्ति और राष्ट्रीय एकता का संदेश दिया। विभिन्न प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों और आमजन को स्वतंत्रता संग्राम के गौरवपूर्ण इतिहास, स्वतंत्रता सेनानियों के योगदान तथा राष्ट्रध्वज के समान और राष्ट्रीय एकता के प्रति जागरूक करना रहा। कार्यक्रम के मुय अतिथि कॉलेज प्रबंधक श्याम लाल वैश्य और प्रधानाचार्य डॉ. अनुपम ओझा रहे।

सहादतगंज उद्योग व्यापार मंडल द्वारा निकाली गई तिरंगा यात्रा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। सहादतगंज उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल द्वारा सहादतगंज मैं सैकड़ो व्यापारियों व क्षेत्र वासियों द्वारा तिरंगा यात्रा का सफल आयोजन किया गया। तिरंगा यात्रा पंजाब नेशनल बैंक से होते हुए बड़े चौराहे तक निकाली गई। इस यात्रा में चेयरमैन गोपाल गुप्ता राधे-राधे संरक्षक, गज्जी निगम, पार्षद अनूप कमल सक्सेना, पुरुषोत्तम पुरी, सहादतगंज गंज व्यापार मंडल अध्यक्ष धीरेंद्र गुप्ता, वरिष्ठ महामंत्री दीपक निगम, कोषाध्यक्ष सतीश नाग, संगठन मंत्री शिव शंकर गुप्ता, विधिक सलाहकार सुबोध गुप्ता, वरिष्ठ उपाध्यक्ष मनोज गुप्ता, उपाध्यक्ष सरवन निगम, विवेक गुप्ता, गुड्डू भैया, अरुण निगोटिया,महामंत्री मनीष गुप्ता, मंत्री सुधीर गुप्ता, मुकेश गुप्ता, विनोद राजपूत, वरिष्ठ उपाध्यक्ष अजय गुप्ता, मजदूर संघ से अजय गुप्ता उपाध्यक्ष राजेंद्र अवस्थी, वरिष्ठ मंत्री सुमिल गुप्ता, दीपक साहू,मुकेश गुप्ता, संजय साहू, विभोर जैन, कार्तिक गुप्ता, सुरेश पीएनबी अमित, धनंजय, अमर पांडे, सौरभ शुक्ला आनंद गुप्ता, अजय वैश्य,अनूप गुप्ता आदि सैकड़ो छेत्रवासियों ने तिरंगा यात्रा में अपना योगदान देकर यात्रा को सफल बनाया।

रक्षाबंधन पर महिलाओं को बसों में तीन दिन मुफ्त यात्रा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सचिन बाजपेई

लखनऊ। रक्षाबंधन के पावन अवसर पर उत्तर प्रदेश सरकार ने महिलाओं को एक विशेष सौगात दी है। राज्य सरकार ने यूपीएसआरटीसी (उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम) की बसों में महिलाओं के लिए तीन दिन की मुफ्त यात्रा की सुविधा घोषित की है। यह सुविधा 27 अगस्त सुबह 6 बजे से शुरू होकर 29 अगस्त रात 12 बजे तक उपलब्ध रहेगी। सरकार के इस फैसले के तहत महिला यात्री यूपीएसआरटीसी की नियमित बसों में बिना किसी किराए के यात्रा कर सकेंगी। रक्षाबंधन के दौरान भाई-बहनों के मिलन और घर लौटने की व्यस्तता को देखते हुए यह कदम महिलाओं को आर्थिक राहत देने और त्योहार को और सुगम बनाने के उद्देश्य से उठाया गया है।

अतिरिक्त बसों का संचालन

यात्रियों की भारी भीड़ को ध्यान में रखते हुए परिवहन विभाग ने 26 अगस्त से 31 अगस्त तक अतिरिक्त बसों का संचालन

करने का निर्णय लिया है। इन अतिरिक्त बसों के जरिए यात्रियों को बिना परेशानी के अपने गंतव्य तक पहुंचने में मदद मिलेगी। विशेष रूप से रक्षाबंधन से पहले और बाद के दिनों में ग्रामीण क्षेत्रों से शहरों और शहरों से गांवों की ओर जाने वाले यात्रियों के लिए यह व्यवस्था महत्वपूर्ण साबित होगी।

सुविधा का लाभ कैसे उठाएं

महिला यात्रियों को बस स्टेशनों पर या बस में सवार होते समय अपनी पहचान संबंधी दस्तावेज (जैसे आधार कार्ड, मतदाता पहचान पत्र आदि) दिखाने की सलाह दी जा रही है, ताकि सुविधा का सुचारू रूप से लाभ मिल सके। यूपीएसआरटीसी के अधिकारी इस दौरान यात्रियों की सुविधा के लिए विशेष ध्यान रखेंगे। सरकार का यह फैसला रक्षाबंधन जैसे पारंपरिक त्योहार को महिलाओं के लिए और यादगार बनाने के साथ-साथ सार्वजनिक परिवहन को प्रोत्साहित करने की दिशा में एक सकारात्मक कदम माना जा रहा है। यात्री इस सुविधा का लाभ लेने के लिए यूपीएसआरटीसी की वेबसाइट या मोबाइल ऐप के माध्यम से भी बस की उपलब्धता की जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। यह घोषणा महिलाओं के सशक्तिकरण और त्योहारों पर आम नागरिकों को राहत पहुंचाने की दिशा में राज्य सरकार की निरंतर कोशिशों को दर्शाती है। सहायक क्षेत्रीय प्रबंधक गोपीनाथ दीक्षित ने बताया कि 26 अगस्त से विशेष बसों का संचालन शुरू होगा। डिपो परिसर में एक अलग पूछताछ केंद्र बनाया जाएगा। ताकि यात्रियों को परेशानी न हो। बताया कि छह दिनों तक 1800 किमी तक यात्रा करने वाले चालक-परिचालकों को 1200 रुपये प्रोत्साहन दिया जाएगा। इसके अलावा डिपो के अन्य कर्मियों को भी 500 रुपये प्रोत्साहन राशि दी जाएगी

मऊ मिनी स्टेडियम में धूमधाम से मनाया गया 80वां स्वतंत्रता दिवस

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मोहनलालगंज, लखनऊ। मऊ स्थित मिनी स्टेडियम में शनिवार को शिवाय सेवा समिति के तत्वावधान में 80वां स्वतंत्रता दिवस हर्षोल्लास और देशभक्ति के माहौल में मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत समिति के अध्यक्ष एवं अध्यापक आशीष चतुर्वेदी ने ध्वजारोहण कर की। इसके बाद उपस्थित लोगों ने सामूहिक रूप से राष्ट्रगान गाया। राष्ट्रगान की गूंज से पूरा परिसर देशभक्ति के रंग में सराबोर हो गया। ध्वजारोहण के बाद समिति अध्यक्ष आशीष चतुर्वेदी ने दीप प्रज्ज्वलित कर मां भारती के चरणों में पुष्प अर्पित किए। इस दौरान उपस्थित लोगों ने देश की आजादी के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर करने वाले अमर शहीदों और महापुरुषों को नमन करते हुए उनके त्याग और बलिदान को याद किया। समारोह का मुख्य आकर्षण मऊ प्राथमिक विद्यालय के नन्हे-मुन्ने बच्चों की सांस्कृतिक प्रस्तुतियां रहीं। बच्चों ने देशभक्ति गीतों, लोकगीतों और सांस्कृतिक नृत्यों की मनमोहक प्रस्तुतियां देकर खूब तालियां बटोरीं। बच्चों की प्रस्तुतियों ने कार्यक्रम में चार चांद लगा दिए और पूरा वातावरण देशभक्ति के रंग में रंग गया।

बच्चों को दी शैक्षिक सामग्री

शिवाय सेवा समिति की ओर से बच्चों का उत्साहवर्धन करते हुए उन्हें पेन, पेंसिल

समेत अन्य शैक्षिक सामग्री प्रदान की गई। समिति के इस प्रयास की उपस्थित लोगों ने सराहना की। कार्यक्रम के समापन पर सभी को मिष्ठान वितरित किया गया। समिति अध्यक्ष आशीष चतुर्वेदी ने कहा कि शिवाय सेवा समिति का उद्देश्य जन-जन तक राष्ट्रप्रेम और देशभक्ति का संदेश पहुंचाना है। युवा पीढ़ी को अमर शहीदों और महापुरुषों के कृतित्व एवं व्यक्तित्व से परिचित कराना तथा उनके त्याग और तपस्या से प्रेरणा दिलाना समिति की प्राथमिकता है। राष्ट्रप्रेम की भावना को मजबूत करने के लिए समिति आगे भी ऐसे आयोजन करती रहेगी। इस अवसर पर समिति के सचिव रंजीत यादव, उपाध्यक्ष अखिलेश शुक्ला, मीडिया प्रभारी विनीत कुमार, महामंत्री संदीप सैनी, सुशील कुमार, अनुज गुप्ता, आयुष वैश्य, हरिकेश वर्मा, जगदीश सिंह, पंकज गुप्ता, अनुज पांडेय, पांशुल तिवारी, संजय कुमार सोनी, हर्ष, उत्कर्ष समेत समिति के अन्य सदस्य और स्थानीय लोग मौजूद रहे।

विराम खण्ड-5 जनकल्याण समिति ने वसंत पार्क में हर्षोल्लास से मनाया 80वाँ स्वतंत्रता दिवस

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में 15 अगस्त 2026 स्वतंत्रता दिवस के पावन अवसर पर विराम खण्ड-5 जनकल्याण समिति द्वारा वसंत पार्क में 80वाँ स्वतंत्रता दिवस अत्यंत हर्षोल्लास, गरिमा एवं देशभक्ति की भावना के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ समिति के अध्यक्ष डॉ. भरत राज सिंह द्वारा ध्वजारोहण के साथ हुआ। उपस्थित सभी सदस्यों एवं क्षेत्रवासियों ने राष्ट्रगान के साथ राष्ट्रीय ध्वज को सलामी अर्पित की। इस अवसर पर समिति के अध्यक्ष डॉ. भरत राज सिंह ने स्वतंत्रता संग्राम के वीर सेनानियों एवं अमर शहीदों को श्रद्धापूर्वक नमन करते हुए कहा कि स्वतंत्रता दिवस केवल उत्सव मनाने का अवसर नहीं, बल्कि देश के प्रति अपने कर्तव्यों, जिम्मेदारियों और राष्ट्रनिर्माण के संकल्प को पुनः स्मरण करने का दिन है। उन्होंने नागरिकों से आपसी सौहार्द, सामाजिक एकता, स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण तथा क्षेत्र के समग्र विकास में सक्रिय सहभागिता का आह्वान किया। कार्यक्रम में राकेश जैतेली, अरविन्द त्रिवेदी, डॉ. आर.पी. शर्मा, धनंजय मोंघे, प्रवीण मिश्रा एवं मनोज शर्मा सहित अन्य सदस्यों ने अपने विचार व्यक्त किए। वक्ताओं ने राष्ट्र की एकता, अखंडता एवं संप्रभुता की रक्षा के साथ-साथ समाज और राष्ट्र के विकास में सक्रिय योगदान देने का संकल्प व्यक्त किया। कार्यक्रम के दौरान पूरे वातावरण में देशभक्ति, राष्ट्रीय गौरव और सामाजिक एकजुटता की भावना दिखाई दी। इस अवसर पर समिति के खण्ड प्रभारी राकेश जैतली, उपाध्यक्ष आर.एन. सिंह, उपाध्यक्ष विजय चोपड़ा, सचिव एवं अधिवक्ता नित्यानंद पाण्डेय, प्रचार सचिव मनोज शर्मा, आनंद प्रकाश, प्रवीण मिश्रा, डॉ. आर.पी. शर्मा, हरी सिंह, राकेश तिवारी, अरुण त्रिवेदी, प्रभात श्रीवास्तव, प्रतिभा शाही, सुनील निगम, के.एन. पाण्डेय, विकास मिश्र, सेवानिवृत्त आईएएस उमेश तिवारी, दिनेश पाण्डेय, एस.बी.एल. मेहरोत्रा, भगवान यादव, मनोज पाण्डेय, अरविन्द पंत, राज कमल, अतुल पंत एवं अनिल कुमार श्रीवास्तव सहित समिति के पदाधिकारी, सदस्य एवं क्षेत्र के अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में विराम खण्ड-5 जनकल्याण समिति की ओर से सभी क्षेत्रवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ दी गई।

इफको फूलपुर में अध्यक्ष संघाणी ने 80वें स्वतंत्रता दिवस पर.....

इसके पूर्व श्री संघाणी ने इफको कॉर्डेट में एक दिन पूर्व आयोजित किसान सभा को संबोधित करते हुए कहा कि देश की खाद्य सुरक्षा और आर्थिक मजबूती में किसान की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण है। उन्होंने किसानों से रासायनिक उर्वरकों के संतुलित एवं विवेकपूर्ण उपयोग, जैव-उर्वरकों तथा पोषक तत्वों से युक्त उर्वरकों को अपनाने का आह्वान किया। उन्होंने पीएम प्रणाम तथा 'उर्वरक की पाठशाला' जैसी पहलों के माध्यम से धरती और पर्यावरण की रक्षा के लिए किए जा रहे प्रयासों में इफको फूलपुर की भूमिका पर भी विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि स्वस्थ मिट्टी, स्वस्थ पर्यावरण और समृद्ध किसान ही आने वाली पीढ़ियों के लिए सुरक्षित भारत की नींव रखेंगे। श्री संघाणी ने इफको के नैनो उर्वरकों–नैनो यूरिया प्लस, नैनो डीएपी, नैनो जिंक और नैनो कॉपर को आधुनिक एवं टिकाऊ कृषि के लिए महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि नैनो उर्वरक कृषि क्षेत्र में नई तकनीकी क्रांति का हिस्सा हैं और इनके माध्यम से कम मात्रा में अधिक प्रभावी पोषक तत्व उपलब्ध कराने के साथ-साथ मिट्टी और पर्यावरण पर पड़ने वाले दबाव को कम करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया जा रहा है। इफको फूलपुर इकाई ने अब तक नैनो यूरिया प्लस लिक्विड की 244.8 लाख बोतलें तथा नैनो डीएपी लिक्विड की 12.1 लाख बोतलें, प्रत्येक 500 मिलीलीटर, का उत्पादन किया है। इनका कुल पोषक प्रभाव लगभग 11.5 लाख मीट्रिक टन पारंपरिक उर्वरकों के बराबर है। यह उपलब्धि इफको फूलपुर की टिकाऊ कृषि और अगली पीढ़ी की उर्वरक तकनीकों के क्षेत्र में अग्रणी भूमिका को रेखांकित करती है। अपने कार्यक्रम में श्री संघाणी ने किसानों एवं सहकारी संगठनों के प्रतिनिधियों के साथ आत्मीय संवाद किया तथा उनकी समस्याओं, अपेक्षाओं और सुझावों को ध्यानपूर्वक सुना। उन्होंने किसानों को आधुनिक कृषि तकनीकों, नैनो उर्वरकों और संतुलित पोषण प्रबंधन को अपनाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि 'इफको की असली सफलता केवल उत्पादन के आंकड़ों में नहीं, बल्कि उस किसान के चेहरे की मुस्कान में है, जिसके खेत में बेहतर उत्पादन हो और जिसके परिवार का भविष्य सुरक्षित हो।' इफको का मानना है कि राष्ट्र की वास्तविक समृद्धि ग्रामीण भारत की प्रगति और खुशहाली में निहित है। इसी सोच के अनुरूप कॉर्डेट (कोऑपरेटिव रूरल डेवलपमेंट ट्रस्ट) तथा मोतीलाल नेहरू किसान प्रशिक्षण संस्थान किसानों को आधुनिक, वैज्ञानिक एवं टिकाऊ कृषि पद्धतियों का प्रशिक्षण प्रदान कर रहे हैं। इफको फूलपुर स्थानीय समुदायों से प्राप्त नीम के बीजों का उपयोग कर नीम-लेपित यूरिया, जैव-उर्वरक तथा नीम तेल का उत्पादन भी करता है। इससे एक ओर टिकाऊ कृषि को बढ़ावा मिलता है, वहीं दूसरी ओर ग्रामीण अर्थव्यवस्था और स्थानीय आजीविका को भी मजबूती मिलती है। इफको फूलपुर इकाई केंद्रीय विद्यालय कल्याण कार्यक्रम, समन्वित ग्रामीण विकास कार्यक्रम (आईआरडीपी), महिला चेतना क्लब और ओम कल्याण समिति जैसी पहलों के माध्यम से आसपास के गांवों के सामाजिक एवं आर्थिक विकास में सक्रिय योगदान दे रही है। इन प्रयासों के अंतर्गत स्वच्छता सुविधाएं, सुरक्षित पेयजल, सौर ऊर्जा आधारित प्रकाश व्यवस्था, स्वास्थ्य सेवाएं, शैक्षिक सहायता तथा आवश्यक सामग्री उपलब्ध कराने जैसे कार्य किए जा रहे हैं।

संपादकीय

सेहत की आज़ादी

देश की आजादी का संबंध जितना व्यवस्था के स्वास्थ्य से है, उतना ही उसके नागरिकों के स्वस्थ होने से भी। जैसे स्वस्थ शरीर में स्वस्थ आत्मा निवास करती है, ऐसे ही स्वस्थ नागरिकों पर देश का स्वास्थ्य निर्भर करता है। हर साल देश में सरकारों को अरबों रुपये लोगों के रोगों के उपचार हेतु खर्च करने पड़ते हैं। इस धन को विकास कार्यों पर भी लगाया जा सकता था। यूं तो व्यक्ति किसी महामारी, आनुवंशिक या किसी जेनेटिक रोग का शिकार हो सकता है, लेकिन आम तौर व्यक्ति स्वस्थ ही जन्म लेता है। लेकिन कहीं न कहीं सेहत के प्रति उदासीनता, आलस्य व प्रमाद के चलते व्यक्ति अस्वस्थ होता है। दरअसल, जीवन शैली की जटिलताओं के चलते ही हमारे रोगों का दायर बढ़ता जा रहा है। चिंता की बात यह है कि आज देश मधुमेह व हाइपरटेंशन की राजधानी बनता जा रहा है। सवाल यह है कि तमाम चिकित्सा अनुसंधान, शोध व नई-नई तकनीकों के ईजाद होने के बाद रोगों का सिलसिला थम क्यों नहीं रहा है? आज देश में एम्स व पीजीआईएमआर जैसे अनेक प्रतिष्ठित चिकित्सा संस्थानों, मेडिकल कालेजों और पांच सितारा अस्पतालों के बावजूद रोगियों का आंकड़ा दिन-दूनी रात चौगुनी गति से क्यों बढ़ता जा रहा है? लगातार बढ़ती मेडिकल स्टोरों की संख्या के बावजूद रोगियों की लाइन लंबी क्यों होती जा रही है? दरअसल, हमें जो सेहत बनाने की आजादी मिली है, हम उसका अतिक्रमण करते हैं। हमारे खानपान की अराजकता भी रोगों का कारण बनती है। हमारी नकारात्मक सोच हमारी बीमारी का कारण बनती है। हमारे असमय खान-पान की निरंकुश आजादी रोगों का कारण बनती है। हमारा विलासिता का जीवन रोगों को पालता है। भूख से ज्यादा खाना रोगों को जन्म देता है। हमारा असमय खाना रोगवर्धक है। नई पीढ़ी द्वारा हमें विरासत में मिली खान-पान की कला की अनदेखी, हमें बीमारियों की तरफ धकेलती है। परंपरागत भोजन की उपेक्षा हमें रुग्ण बनाती है। हमने खानपान-जीवन शैली में पश्चिम की नकल तो खूब की है, लेकिन फिजिकल फिटनेस के उनके जुनून को अनदेखा कर दिया। हम लगातार शरीर के संकेतों की अनदेखी करके उसे रोगों की गुलामी की तरफ धकेल देते हैं। युवा अवस्था में तो हमारा शरीर खानपान की अराजकता झेल लेता है, लेकिन जैसे व्यक्ति पचास की उम्र पार करता है, उसकी डाइनिंग टेबल पर मेडिकल स्टोर खुल जाता है। बी.पी. की दवाई, शूगर की दवाई, जोड़ों के दर्द की दवाई, और तो और पाचन दुरुस्त करने की दवाइयां। चंडीगढ़ जैसे शहर में, जो अपने खूबसूरत पार्कों के लिये जाना जाता है, गिनती के लोग ही सुबह सैर करते नजर आते हैं। योग की कक्षाओं में गिने-चुने चेहरे दिखते हैं। लोग सुबह सैर व योग के समय नींद की गुलामी कर रहे होते हैं। ऐसा नहीं है कि सभी लोग देर रात आफिस व काम-धंधों से लौटते हैं। पहले देर रात तक टीवी की गुलामी होती थी और अब देर रात तक मोबाइल की गुलामी करते हैं। मोबाइल की स्क्रीन को स्क्रॉल करते-करते रात हो जाती है तो फिर सुबह नींद कहां खुलेगी? प्राकृतिक चिकित्सा कहती है कि हम सूरज को उठायें, न कि सूरज हमें उठाये। भारतीय दर्शन में ब्रह्ममुहूर्त में उठने की परंपरा है। इसका मतलब चार बजे उठना नहीं है। मतलब, सूरज उगने से एक-डेढ़ घंटे पहले हम उठ जाएं। दरअसल, इस समय शरीर में वात की सक्रियता से अपशिष्ट पदार्थ स्वत: ही बाहर निकलने को तैयार होते हैं। व्यक्ति को कब्ज नहीं होती। इस समय वायु शुद्ध होती है। यह आध्यात्मिक साधना का भी समय होता है। दिनभर हमारे शरीर में ताजगी बनाये रखता है। दरअसल, हमें सूर्य के चक्र के साथ उठना और भोजन करना चाहिए। इसी हिसाब से हमारी जठराग्नि सक्रिय होती है। निस्संदेह, आजादी के बाद हर किसी के जीवन में समृद्धि आई है, हमारा खान-पान समृद्ध हुआ, लेकिन उसी अनुपात में शारीरिक श्रम कम हुआ है। खेत में काम करने वाले किसान व श्रमिक को कोई टहलने व व्यायाम करने को नहीं कहता, क्योंकि उनकी दिनचर्या में श्रम है। सेहत की आजादी के लिये हमें उदासीनता-लापरवाही जैसी गुलामी की बेड़ियां तोड़नी ही पड़ेंगी।

अंग्रेजी टॉयलेट के सुख कम, दुख ज्यादा

लेखक:प्रो.(डा.) मनमोहन प्रकाश, स्वतंत्र पत्रकार

आधुनिक डिजिटल इंडिया में आज हर चीज आधुनिक, सुविधाजनक और तकनीक से जुड़ी हुई दिखाई देती है। मनुष्य ने अपनी सुख-सुविधाओं के लिए ऐसे अनेक साधन विकसित कर लिए हैं, जिनसे जीवन पहले की अपेक्षा कहीं अधिक आरामदायक हो गया है। लेकिन सवाल यह है कि क्या हर सुविधा हमारे स्वास्थ्य के लिए भी उतनी ही लाभकारी है? कहीं ऐसा तो नहीं कि सुविधा और विलासिता की दौड़ में हम प्रकृति द्वारा निर्धारित अपनी सहज जीवनशैली से दूर होते जा रहे हैं? मनुष्य का शरीर प्रकृति की अद्भुत रचना है। उसकी प्रत्येक प्राकृतिक क्रिया का अपना एक वैज्ञानिक और शारीरिक महत्व है। जब हमने इन प्राकृतिक क्रियाओं को अत्यधिक सुविधा और आधुनिकता के आवरण में ढालना शुरू किया, तब शरीर को तत्काल आराम तो मिला, लेकिन धीरे धीरे हमारी जीवनशैली में कई ऐसी आदतें शामिल हो गईं, जो स्वास्थ्य के लिए चिंता का विषय बनती जा रही हैं। आज आधुनिक मनुष्य आर्थिक रूप से संपन्न है। उसके पास घर, वाहन, मोबाइल, इंटरनेट और जीवन को आसान बनाने वाली तमाम सुविधाएं हैं। फिर भी शारीरिक और मानसिक परेशानियां बढ़ती जा रही हैं। कब्ज, अपच, नींद की कमी, तनाव, चिड़चिड़ापन और शारीरिक निष्क्रियता जैसी समस्याएं आज आम चर्चा का विषय हैं। यह स्थिति हमें सोचने के लिए मजबूर करती है कि कहीं हमारी तथाकथित आधुनिक जीवनशैली ही हमारी परेशानी का एक बड़ा कारण तो नहीं बन रही? भारतीय जीवन दर्शन में समय पर सोने और सूर्योदय से पहले उठने को स्वस्थ जीवन का आधार माना गया है। लेकिन आज मोबाइल और डिजिटल दुनिया ने हमारी दिनचर्या को पूरी तरह बदल दिया है। देर रात तक मोबाइल की स्क्रीन पर समय बिताना, देर से सोना और सुबह देर से उठना अब सामान्य होता जा रहा है। पर्याप्त नींद न मिलने का असर केवल शरीर पर ही नहीं, बल्कि मन, कार्यक्षमता और व्यवहार पर भी पड़ता है। इसी तरह शौच की प्राकृतिक प्रक्रिया भी हमारी जीवनशैली से गहराई से जुड़ी हुई है। भारत में लंबे समय तक उकड़ू बैठकर शौच करने की पद्धति प्रचलित रही है। इस मुद्रा में शरीर की स्थिति ऐसी बनती है, जिससे कुछ लोगों को मल त्याग सहज महसूस हो सकता है। आज पश्चिमी शैली के कमोड के बढ़ते चलन के कारण यह पारंपरिक पद्धति तेजी से पीछे छूट रही है। इसका अर्थ यह नहीं कि पश्चिमी टॉयलेट अपने आप में स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है। बुजुर्गों, घुटनों की समस्या वाले लोगों, गर्भवती महिलाओं और शारीरिक रूप से असमर्थ व्यक्तियों के लिए कमोड कई बार अधिक सुविधाजनक और सुरक्षित विकल्प हो सकता है। वास्तविक समस्या टॉयलेट की शैली से ज्यादा हमारी पूरी जीवनशैली में छिपी हुई है। आज स्थिति यह है कि हम घंटों कुर्सी पर बैठे रहते हैं, पैदल चलना कम हो गया है, शारीरिक श्रम घट गया है और भोजन में प्राकृतिक रेशेदार पदार्थों की जगह अनेक प्रकार के प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों ने ले ली है। ऊपर से पानी कम पीना, शौच की इच्छा को रोकना और टॉयलेट में मोबाइल लेकर लंबे समय तक बैठे रहना समस्या को और बढ़ा सकता है। पहले गांवों और कस्बों में लोग जमीन पर बैठते थे, पालथी मारकर भोजन करते थे, खेतों और घर के काम में शारीरिक श्रम करते थे और जीवन में प्राकृतिक गतिविधियों का हिस्सा अधिक था। आज छोटे-छोटे बच्चों को भी जमीन पर बैठने में असुविधा होने लगी है। युवाओं में कम उम्र में ही शरीर में अकड़न, निष्क्रियता और घुटनों से जुड़ी शिकायतों की चर्चा सुनने को मिलती है। यह बदलाव केवल टॉयलेट की वजह से नहीं, बल्कि बदलती जीवनशैली की पूरी तस्वीर का हिस्सा है। आज का आधुनिक मानव हो या बच्चा, वह वहाँ जाना या रुकना कभी पसंद नहीं करते, जहाँ वेस्टर्न टॉयलेट की सुविधा नहीं हो! अंग्रेजी टॉयलेट के सुख यह है कि उसमें मानव बैठे-बैठे गाना सुनते या अखबार पढ़ते हुए शौच क्रिया संपन्न कर सकता है, लेकिन देसी टॉयलेट में यह सब संभव नहीं है! आधुनिक विज्ञान भी यह कहता है कि बिल्ली से लेकर हाथी तक जितने भी स्तनधारी जानवर हैं, वे अपना मल 15 सेकंड से कम समय में त्याग देते हैं और स्वस्थ मानव को भी 50 सेकंड के अंदर मल त्याग कर निवृत्त हो जाना चाहिए। आयुर्वेद भी मानवीय मल त्याग की अवधि एक मिनट से कम बताता है। लेकिन पश्चिमी टॉयलेट का सबसे बड़ा आकर्षण उसकी सुविधा है। व्यक्ति आराम से बैठ सकता है, पानी की सुविधा मिलती है और सफाई का काम भी अपेक्षाकृत आसान हो जाता है। लेकिन यही सुविधा कई बार हमारी शारीरिक सक्रियता को और कम कर देती है। टॉयलेट में मोबाइल लेकर बैठना और आवश्यकता से अधिक समय बिताना आज एक नई आदत बन चुकी है। यह सुविधा नहीं, बल्कि सुविधा की अति है। सबसे चिंताजनक बात यह है कि कब्ज जैसी समस्या के लिए लोग अलग-अलग घरेलू उपायों और उत्तेजक आदतों पर निर्भर होते जा रहे हैं। किसी को सुबह चाय के बिना शौच नहीं होता, कोई गर्म पानी या अन्य घरेलू नुस्खों पर निर्भर रहता है और कुछ लोग धूम्रपान या तंबाकू को शौच की आदत से जोड़ लेते हैं। ऐसी आदतों को स्वास्थ्य का विकल्प समझना गंभीर भूल है। शौच की प्रक्रिया को लेकर भी हमें किसी निश्चित समय सीमा के पीछे भागने के बजाय शरीर के प्राकृतिक संकेतों को समझना चाहिए। बार बार जोर लगाना, लंबे समय तक टॉयलेट में बैठे रहना या शौच की इच्छा को लगातार रोकना उचित आदत नहीं है। यदि कब्ज लंबे समय तक बनी रहे, दर्द या रक्तस्राव हो अथवा शौच की आदत में लगातार बदलाव दिखाई दे तो चिकित्सीय सलाह लेना आवश्यक है। आज आवश्यकता इस बात की नहीं है कि हम आधुनिक टॉयलेट को पूरी तरह छोड़कर पुराने तरीके को अनिवार्य बना दें। आवश्यकता इस बात की है कि आधुनिक सुविधा और प्राकृतिक जीवनशैली के बीच संतुलन बनाया जाए। यदि किसी व्यक्ति के लिए उकड़ू बैठना सुविधाजनक और सुरक्षित है तो वह अपनी क्षमता के अनुसार इसका उपयोग कर सकता है। वहीं जिन लोगों को घुटनों या जोड़ों से संबंधित परेशानी है, उनके लिए कमोड बेहतर विकल्प हो सकता है। कमोड का उपयोग करने वाले लोग भी पैरों के नीचे उपयुक्त फुटरेस्ट रखकर ऐसी मुद्रा अपना सकते हैं, जो उन्हें शौच में अधिक सहज लगे। स्वास्थ्य केवल टॉयलेट बदलने से नहीं सुधरेगा।

इसके लिए पर्याप्त नींद, संतुलित भोजन, पर्याप्त पानी, नियमित व्यायाम, पैदल चलना, पर्याप्त फाइबर और तनाव मुक्त जीवनशैली जरूरी है। हमारे पूर्वजों की हर परंपरा वैज्ञानिक थी, ऐसा मानना भी उचित नहीं है और आधुनिकता की हर चीज गलत है, यह मानना भी सही नहीं। हमें दोनों के बीच विवेकपूर्ण रास्ता चुनना होगा। आधुनिकता अपनाएं, लेकिन प्रकृति को मत भूलिए। सुविधा लीजिए, लेकिन शरीर की जरूरतों की कीमत पर नहीं।

अंग्रेजी टॉयलेट हो या देसी असल सवाल टॉयलेट का नहीं, हमारी आदतों का है। यदि हम स्वस्थ, सक्रिय और दीर्घायु जीवन चाहते हैं तो हमें अपनी जीवनशैली को फिर से प्रकृति के करीब लाना होगा। क्योंकि स्वास्थ्य की असली पहचान महंगे साधनों और आधुनिक सुविधाओं में नहीं, बल्कि उस जीवनशैली में है जिसमें शरीर सहज हो, मन शांत हो और प्रकृति के साथ हमारा संतुलन बना रहे।

स्वतंत्रता के 79 वर्ष : उपलब्धियों का उत्सव, आत्ममंथन का अवसर

आज जब पूरा देश तिरंगे के समान में एकजुट होकर स्वतंत्रता दिवस मना रहा है, तब यह अवसर केवल उपलधियों का उत्सव मनाने का ही नहीं बल्कि आत्ममंथन और भविष्य के संकल्प का भी है। भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र है। यह अपने आप में एक ऐसी उपलधि है, जिसकी मिसाल दुनिया में बहुत कम मिलती है। विविध भाषाओं, संस्कृतियों, धर्मों और परंपराओं से समृद्ध इस देश ने लोकतांत्रिक व्यवस्था को न केवल सफलतापूर्वक अपनाया बल्कि उसे लगातार सशत भी बनाया। करोड़ों मतदाता नियमित रूप से चुनावों में भाग लेते हैं, सा का शांतिपूर्ण हस्तांतरण होता है और संविधान सर्वोच्च मार्गदर्शक के रूप में देश को दिशा देता है। यही लोकतंत्र की सबसे बड़ी शति है। स्वतंत्रता के बाद भारत ने विकास की जिस यात्रा का आरंभ किया था, वह आज वैश्विक स्तर पर एक नई पहचान बना चुकी है। कभी खाद्यान्न संकट से जूझने वाला देश आज दुनिया के सबसे बड़े कृषि उत्पादकों में शामिल है।

15 अगस्त भारत की आत्मा, स्वाभिमान और सामूहिक संकल्प का उत्सव है। यह वह ऐतिहासिक क्षण है, जब सदियों की पराधीनता के बाद भारत ने स्वतंत्रता का अमृत प्राप्त किया और लोकतांत्रिक मूल्यों पर आधारित एक नए युग की शुरुआत की। स्वतंत्रता के 79 वर्षों की इस यात्रा में भारत ने अनेक उतार-चढ़ाव देखे हैं, अनेक चुनौतियों का सामना किया है और अनेक ऐसे कीर्तिमान स्थापित किए हैं, जिन पर प्रत्येक भारतीय गर्व कर सकता है। आज जब पूरा देश तिरंगे के सम्मान में एकजुट होकर स्वतंत्रता दिवस मना रहा है, तब यह अवसर केवल उपलब्धियों का उत्सव मनाने का ही नहीं बल्कि आत्ममंथन और भविष्य के संकल्प का भी है। भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र है। यह अपने आप में एक ऐसी उपलब्धि है, जिसकी मिसाल दुनिया में बहुत कम मिलती है। विविध भाषाओं, संस्कृतियों, धर्मों और परंपराओं से समृद्ध इस देश ने लोकतांत्रिक व्यवस्था को न केवल सफलतापूर्वक अपनाया बल्कि उसे लगातार सशक्त भी बनाया। करोड़ों मतदाता नियमित रूप से चुनावों में भाग लेते हैं, सत्ता का शांतिपूर्ण हस्तांतरण होता है और संविधान सर्वोच्च मार्गदर्शक के रूप में देश को दिशा देता है। यही लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति है। स्वतंत्रता के बाद भारत ने विकास की जिस यात्रा का आरंभ किया था, वह आज वैश्विक स्तर पर एक नई पहचान बना चुकी है। कभी खाद्यान्न संकट से जूझने वाला देश आज दुनिया के सबसे बड़े कृषि उत्पादकों में शामिल है। विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में भारत ने उल्लेखनीय उपलब्धियां अर्जित की हैं। अंतरिक्ष अनुसंधान में भारतीय वैज्ञानिकों ने सीमित संसाधनों के बावजूद ऐसे कीर्तिमान स्थापित किए हैं, जिन्होंने पूरी दुनिया का ध्यान आकर्षित किया है। चंद्रयान और आदित्य जैसे मिशनों ने सिद्ध कर दिया है कि भारत केवल उपभोक्ता राष्ट्र नहीं बल्कि ज्ञान और नवाचार का नेतृत्व करने वाला देश बन रहा है।डिजिटल क्रांति ने लोकतंत्र को नई शक्ति प्रदान की है। आज सरकारी सेवाएं डिजिटल माध्यम से लोगों तक पहुंच रही हैं। डिजिटल भुगतान, आधार, यूपीआई, ऑनलाइन शिक्षा, टेलीमेडिसिन और ई-गवर्नेंस जैसी व्यवस्थाओं ने शासन को अधिक पारदर्शी, तेज और नागरिक-केंद्रित बनाया है। ग्रामीण भारत भी डिजिटल परिवर्तन का सहभागी बन रहा है। यह परिवर्तन केवल तकनीकी नहीं बल्कि लोकतंत्र को अधिक सहभागी और उत्तरदायी बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। भारत की आर्थिक यात्रा भी प्रेरणादायक रही है। आज देश विश्व की प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में शामिल है। स्टार्टअप संस्कृति, नवाचार, विनिर्माण, हरित ऊर्जा, सेमीकंडक्टर, रक्षा उत्पादन और कृत्रिम बुद्धिमत्ता जैसे क्षेत्रों में भारत तेजी से आगे बढ़ रहा है। युवाओं की ऊर्जा, महिलाओं की बढ़ती भागीदारी और उद्यमिता की नई संस्कृति विकसित भारत की मजबूत नींव तैयार कर रही है। निश्चित रूप से यह भी स्वीकार करना होगा कि लोकतंत्र केवल चुनावों तक सीमित नहीं होता। उसकी वास्तविक सफलता तब मानी जाती है, जब संसद, विधानसभाएं, न्यायपालिका, मीडिया और नागरिक समाज अपनी-अपनी संवैधानिक जिम्मेदारियों का पूरी गंभीरता से निर्वहन करें। संसदीय बहसें जितनी सार्थक होंगी, नीतियां उतनी ही प्रभावी बनेंगी। स्वस्थ संवाद, रचनात्मक विपक्ष, जवाबदेह सरकार और जागरूक नागरिक, इन्हीं चार स्तंभों पर लोकतंत्र की वास्तविक मजबूती निर्भर करती है। आज भारत अनेक नई चुनौतियों का भी सामना कर रहा है। तेजी से बदलती वैश्विक परिस्थितियां, जलवायु परिवर्तन, साइबर सुरक्षा, सामाजिक समरसता, रोजगार, शिक्षा की गुणवत्ता और तकनीकी परिवर्तन जैसे विषय हमारे सामने हैं। इन चुनौतियों का समाधान केवल सरकारों से नहीं बल्कि समाज की सामूहिक भागीदारी से संभव है। लोकतंत्र तभी मजबूत होगा, जब नागरिक केवल अधिकारों की बात न करें बल्कि अपने कर्तव्यों के प्रति भी समान रूप से सजग रहें। आज आवश्यकता इस बात की है कि राजनीतिक मतभेद लोकतांत्रिक मर्यादाओं के भीतर रहें। विचारों का संघर्ष लोकतंत्र की शक्ति है लेकिन व्यक्तिगत कटुता और संस्थाओं के प्रति अविश्वास उसकी कमजोरी बन सकते हैं। संसद और विधानसभाएं केवल राजनीतिक प्रतिस्पर्धा के मंच नहीं बल्कि जनहित के सर्वोच्च लोकतांत्रिक संस्थान हैं। इनकी गरिमा बनाए रखना सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों की समान जिम्मेदारी है। लोकतंत्र की सफलता का सबसे महत्वपूर्ण आधार नागरिकों का चरित्र होता है। यदि समाज ईमानदारी, अनुशासन, संवेदनशीलता और राष्ट्रहित को सर्वोच्च प्राथमिकता देता है तो लोकतांत्रिक संस्थाएं भी स्वत: सुदृढ़ होती हैं। भ्रष्टाचार, हिंसा, सामाजिक वैमनस्य और असहिष्णुता जैसी चुनौतियों का समाधान केवल कानून से नहीं, नैतिक जागरूकता और सामाजिक उत्तरदायित्व से भी संभव है। स्वतंत्रता दिवस हमें उन लाखों ज्ञात-अज्ञात स्वतंत्रता सेनानियों की याद दिलाता है, जिन्होंने बिना किसी व्यक्तिगत स्वार्थ के अपना सर्वस्व राष्ट्र के लिए समर्पित कर दिया। उनका सपना केवल राजनीतिक स्वतंत्रता तक सीमित नहीं था बल्कि ऐसा भारत बनाना था, जहां समान अवसर, सामाजिक न्याय, शिक्षा, वैज्ञानिक सोच, आर्थिक समृद्धि और मानवीय गरिमा प्रत्येक नागरिक को उपलब्ध हो। आज विकसित भारत-2047 का संकल्प उसी स्वप्न का आधुनिक विस्तार है। भारत आज दुनिया में शांति, लोकतंत्र, सह-अस्तित्व और वसुधैव कुटुम्बकम के संदेश के साथ आगे बढ़ रहा है। वैश्विक मंचों पर उसकी बढ़ती प्रतिष्ठा, आर्थिक क्षमता, वैज्ञानिक उपलब्धियां और सांस्कृतिक विरासत इस बात का प्रमाण हैं कि भारत केवल अपने लिए नहीं बल्कि पूरी मानवता के लिए सकारात्मक भूमिका निभाने की क्षमता रखता है। स्वतंत्रता के 79 वर्षों की यात्रा हमें यह विश्वास दिलाती है कि चुनौतियां चाहे कितनी भी बड़ी हों, भारत ने हर कठिन दौर को अवसर में बदलने की क्षमता दिखाई है। यही हमारी लोकतांत्रिक शक्ति है और यही हमारी राष्ट्रीय पहचान। आज आवश्यकता केवल इतनी है कि हम संविधान के आदर्शों, लोकतांत्रिक मूल्यों और राष्ट्रहित को अपने व्यक्तिगत हितों से ऊपर रखें। यदि प्रत्येक नागरिक अपने कर्तव्यों का ईमानदारी से पालन करे, प्रत्येक जनप्रतिनिधि जनसेवा को सर्वोच्च प्राथमिकता दे और प्रत्येक संस्था अपनी संवैधानिक मर्यादा का पालन करे तो विकसित, समृद्ध, सुरक्षित और आत्मनिर्भर भारत का सपना निश्चित रूप से साकार होगा। इस स्वतंत्रता दिवस पर आइए, हम केवल आजादी का उत्सव न मनाएं बल्कि एक नए भारत के निर्माण का संकल्प भी लें, ऐसा भारत, जो लोकतांत्रिक मूल्यों में और अधिक मजबूत हो, वैज्ञानिक दृष्टि में अग्रणी हो, सामाजिक समरसता का प्रतीक हो और विश्व समुदाय के लिए प्रेरणा का स्रोत बने। यही स्वतंत्रता सेनानियों के प्रति हमारी सच्ची श्रद्धांजलि होगी और यही आजादी के वास्तविक अर्थ को सार्थक करने का सर्वोत्तम मार्ग भी।

- योगेश कुमार गोयल

हाफ बटरफ्लाई पोज: रोज 5 मिनट अभ्यास से जकड़न और खराब पोस्चर में मिल सकती है राहत

योग शरीर को स्वस्थ रखने के साथ मन को शांत और संतुलित रखने में भी सहायक माना जाता है। योग के विभिन्न अभ्यासों में 'अर्ध तितली आसन' यानी हाफ बटरफ्लाई पोज सरल और उपयोगी सूक्ष्म व्यायाम है। नियमित अभ्यास से शरीर में लचीलापन बढ़ाने, लंबे समय तक बैठने के कारण होने वाली जकड़न कम करने और बैठने की मुद्रा में सुधार करने में मदद मिल सकती है। अर्ध तितली आसन में एक पैर को मोड़कर दूसरे पैर की जांघ के ऊपर रखा जाता है और घुटने को धीरे-धीरे ऊपर-नीचे किया जाता है। इससे पैरों की मांसपेशियों में खिंचाव आता है। साथ ही कूल्हों, जांघों के अंदरूनी हिस्से, ग्रोइन और घुटनों के आसपास लचीलेपन को बढ़ाने में मदद मिल सकती है। नियमित अभ्यास से रीढ़ को सीधा रखने और शरीर को अधिक लचीला बनाने में भी सहायता मिलती है। यह अभ्यास ध्यान या लंबे समय तक बैठने से पहले किया जा सकता है। नियमित रूप से करने पर शरीर की कसी हुई मांसपेशियों को आराम मिलने और बैठने की मुद्रा में सुधार में मदद मिल सकती है। खासतौर पर उन लोगों के लिए यह उपयोगी हो सकता है, जिन्हें लंबे समय तक बैठने या पालथी मारकर बैठने में परेशानी होती है। सबसे पहले जमीन पर पीठ सीधी रखते हुए दोनों पैरों को सामने की ओर फैलाकर बैठें। इसके बाद दाएं पैर को मोड़कर बाईं जांघ के ऊपर रखें। दाएं हाथ से दाएं घुटने को पकड़कर उसे धीरे-धीरे ऊपर और नीचे करें। यह क्रिया करीब 10 बार करने के बाद पैर बदलकर दूसरे पैर से भी यही प्रक्रिया दोहराएं। अभ्यास करते समय शरीर पर अपनी क्षमता से अधिक दबाव न डालें और गति सहज रखें। अर्ध तितली आसन का अभ्यास अपनी शारीरिक क्षमता के अनुसार ही करना चाहिए। टखने, घुटने या कूल्हे में गंभीर चोट अथवा दर्द होने की स्थिति में इसे करने से बचें। किसी पुराने दर्द या स्वास्थ्य संबंधी समस्या की स्थिति में अभ्यास शुरू करने से पहले विशेषज्ञ की सलाह लेना बेहतर रहेगा।

मेष-मेष राशि के जातकों के लिए आज का दिन कामकाज के लिहाज से उत्साह बढ़ाने वाला रह सकता है। जिन कार्यों को पूरा करने में लंबे समय से प्रयास चल रहा था, उनमें अपेक्षा से तेजी आ सकती है।

वृषभ-वृषभ राशि के जातकों को आज कारोबार या पेशेवर क्षेत्र में बढ़ती प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ सकता है। प्रतिस्पर्धियों की गतिविधियों को लेकर मन में चिंता रहेगी, लेकिन घबराने के बजाय अपनी रणनीति पर ध्यान देना अधिक लाभदायक होगा।

मिथुन-मिथुन राशि वालों के लिए आज सकारात्मक सोच बनाए रखना बेहद जरूरी रहेगा। दूसरों से आगे निकलने की होड़ में अपनी ऊर्जा खर्च करने के बजाय उपलब्ध साधनों का समझदारी से इस्तेमाल करना आपके लिए ज्यादा फायदेमंद रहेगा।

कर्क-कर्क राशि के जातकों को आज आर्थिक मामलों में विशेष सावधानी बरतनी होगी। जल्दबाजी में लिया गया फैसला या छोटी-सी लापरवाही बाद में परेशानी का कारण बन सकती है।

सिंह -सिंह राशि वालों के लिए आज अपनी जिम्मेदारियों और अधिकारों का इस्तेमाल समझदारी के साथ करना जरूरी रहेगा। कार्यक्षेत्र में प्रतिस्पर्धा बढ़ने के बावजूद आपका प्रदर्शन उम्मीद से बेहतर रह सकता है।

कन्या-कन्या राशि के लोगों को आज ऐसे कामों में भी रुकावट का सामना करना पड़ सकता है जिन्हें वे आसानी से पूरा होने वाला मान रहे थे। काम में देरी के कारण मानसिक दबाव बढ़ सकता है।

तुला-तुला राशि के जातकों के लिए कला, साहित्य और रचनात्मक गतिविधियों से जुड़े मामलों में सम्मान मिलने की संभावना है। आपकी प्रतिभा की सराहना हो सकती है और किसी महत्वपूर्ण मंच पर पहचान मिल सकती है।

वृश्चिक-वृश्चिक राशि वालों को आज संपत्ति खरीदने या धन निवेश करने से जुड़े फैसलों में जल्दबाजी नहीं करनी चाहिए। आकर्षक अवसर दिखाई देने के बावजूद उसके सभी पहलुओं की अच्छी तरह जांच करना जरूरी रहेगा।

धनु-धनु राशि के लिए आज अपने अधूरे संकल्पों को पूरा करने की दिशा में आगे बढ़ने का अच्छा अवसर हो सकता है। परिस्थितियों का सहयोग मिलने से लंबे समय से चले आ रहे विवादों को सुलझाने में सफलता मिल सकती है।

मकर-मकर राशि के जातकों को आज भावनात्मक मामलों में थोड़ा संवेदनशील रहना पड़ सकता है। करीबी व्यक्ति की कोई बात मन को ठेस पहुंचा सकती है, लेकिन तत्काल प्रतिक्रिया देने के बजाय स्थिति को समझने की कोशिश करें।

कुंभ-कुंभ राशि के जातकों के लिए आज का दिन लोगों के बीच अपनी विश्वसनीयता मजबूत करने वाला हो सकता है। कार्यस्थल या सामाजिक क्षेत्र में लोग आपकी सलाह और निर्णय क्षमता पर भरोसा कर सकते हैं।

मीन-मीन राशि के लोगों को आज अपेक्षित सहयोग हासिल करने में कुछ कठिनाई हो सकती है। कार्यस्थल पर सहकर्मियों के बीच अनुशासन की कमी या काम को लेकर लापरवाही आपके लिए तनाव का कारण बन सकती है। ऐसी स्थिति में भावनाओं में आकर निर्णय लेने के बजाय जिम्मेदारियों को स्पष्ट रूप से बांटना बेहतर रहेगा।

पर्दे पर उतरे रिमझिम के यादगार गीत

भारतीय जीवन में सावन केवल बारिश का मौसम नहीं, बल्कि प्रेम, विरह, उमंग, उत्सव और लोक संस्कृति का प्रतीक भी है। पहली बारिश की सोंधी खुशबू, झूलों की रौनक, कजरी और तीज-त्योहारों की परंपरा सदियों से भारतीय जनजीवन का हिस्सा रही है। हिंदी सिनेमा ने भी सावन के इन रंगों को गीतों और दृश्यों के माध्यम से पर्दे पर जीवंत किया है। फिल्मों में बारिश कभी प्रेम की अभिव्यक्ति बनी तो कभी विरह, प्रतीक्षा और भावनाओं को व्यक्त करने का माध्यम। हिंदी फिल्मों में वर्षा की प्रभावशाली मौजूदगी की शुरुआत 1949 में आई फिल्म 'बरसात' से मानी जाती है। फिल्म के 'बरसात में हमसे मिले तुम सजन' और 'जिया बेकरार है' जैसे गीतों ने बारिश और प्रेम के रिश्ते को सिनेमाई भाषा में नई पहचान दी। इसके बाद वर्षा आधारित गीत हिंदी सिनेमा की लोकप्रिय परंपरा बन गए।

बारिश में प्रेम की यादगार तस्वीर

बारिश और प्रेम की बात हो तो फिल्म 'श्री 420' का 'प्यार हुआ इकरार हुआ' गीत आज भी लोगों की स्मृतियों में ताजा है। बारिश के बीच एक छतरी के नीचे राज कपूर और नरगिस का साथ चलना हिंदी सिनेमा के सबसे यादगार दृश्यों में शामिल है। इस गीत ने बारिश को प्रेम और आत्मीयता के प्रतीक के रूप में स्थापित कर दिया। साठ और सत्तर के दशक में सावन के गीत केवल रोमांस तक सीमित नहीं रहे। फिल्म 'बंदिनी' का 'अब के बरस भेज भैया को बाबुल' मायके से दूर बेटी के विरह और भावनात्मक पीड़ा को स्वर देता है। वहीं 'मिलन' का 'सावन का महीना पवन करे शोर' प्रकृति और ग्रामीण लोकजीवन के उल्लास को सामने लाता है। फिल्म 'मंजिल' का 'रिमझिम गिरे सावन' शहरी परिवेश में बारिश की आत्मीयता और प्रेम को खूबसूरती से प्रस्तुत करता है। इन गीतों ने साबित किया कि सावन का मौसम केवल रोमांस नहीं, बल्कि जीवन के विभिन्न भावों को अभिव्यक्त करने का माध्यम भी हो सकता है। समय के साथ फिल्मों में बारिश को प्रस्तुत करने का अंदाज भी बदलता गया। नब्बे के दशक में फिल्म 'मोहरा' का 'टिप-टिप बरसा पानी' बेहद लोकप्रिय हुआ और बारिश के गीतों की नई शैली का प्रतीक बना। बाद के वर्षों में बारिश का इस्तेमाल केवल प्रेम गीतों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि थ्रिलर, सामाजिक और गंभीर फिल्मों में भी इसे कहानी के वातावरण और पात्रों की मनोदशा को उभारने के लिए इस्तेमाल किया गया। हिंदी सिनेमा में बारिश सिर्फ गीतों और नृत्य तक सीमित नहीं रही। कई फिल्मों में यह कहानी का महत्वपूर्ण हिस्सा बनी। कहीं बारिश दो अजनबियों को करीब लाती है तो कहीं खिड़की पर गिरती बूंदें किसी पात्र की प्रतीक्षा और बेचैनी को दर्शाती हैं। इस तरह मौसम ने कई फिल्मों में स्वयं एक किरदार की भूमिका निभाई। आज भी मानसून की पहली फुहार के साथ पुराने फिल्मी गीत रेडियो, एफएम और डिजिटल संगीत मंचों पर सुनाई देने लगते हैं। 'बरसात', 'श्री 420', 'मिलन', 'मंजिल' और 'मोहरा' जैसे फिल्मों के गीत कई पीढ़ियों की पसंद बने हुए हैं। इन गीतों की लोकप्रियता केवल पुरानी यादों तक सीमित नहीं, बल्कि हिंदी सिनेमा की उस सांस्कृतिक विरासत का हिस्सा है, जिसने बारिश को भारतीय भावनाओं से जोड़कर अमर बना दिया। बादल, फुहार और मिट्टी की सोंधी खुशबू के बीच जब कोई पुराना फिल्मी गीत अनायास जुबां पर आ जाता है, तो महसूस होता है कि हिंदी सिनेमा ने सावन को केवल पर्दे पर नहीं उतारा, बल्कि उसे भारतीय स्मृतियों का स्थायी हिस्सा बना दिया है। यही वजह है कि सावन और हिंदी फिल्मों के गीतों का रिश्ता आज भी उतना ही जीवंत और आत्मीय बना हुआ है।

स्वामी-स्वतंत्र प्रभात मीडिया, मुद्रक एवं प्रकाशक प्रीती शुक्ला द्वारा अनवर ऑफसेट एम- 58, 59 बेसमेंट विकासदीप बिल्डिंग स्टेशन रोड लखनऊ से मुदित ई-4 सेक्टर-एम/29 अपोजिट उस्मान एन्क्लेव, अलीगंज-लखनऊ 226024 से प्रकाशित, सम्पादक रवि कुमार अवस्थी , मो0-9511151254
Mail: news@swatantraprabhat.com, R.NI NO. UPHIN/2012/43078 इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी आर वी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। किसी भी कानूनी विवाद का निपटारा न्यायलय जनपद लखनऊ ही होगा।

भव्यता और गरिमा के साथ मनाया गया 80वां स्वतंत्रता दिवस, शहीदों को किया नमन

डीएम ने कहा- निष्ठा और ईमानदारी से दायित्वों का निर्वहन करना ही शहीदों को सच्ची श्रद्धांजलि

स्वतंत्र प्रभात | ललितपुर

जनपद में 80वां स्वतंत्रता दिवस शनिवार को भव्यता और पूर्ण गरिमा के साथ मनाया गया। कलेक्ट्रेट, विकास भवन, पुलिस लाइंस समेत सभी सरकारी एवं गैरसरकारी भवनों पर ध्वजारोहण किया गया। स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर सरकारी एवं गैरसरकारी इमारतें तिरंगा रोशनी से जगमगाती नजर आईं। विभिन्न स्थानों पर देश के शहीदों, महापुरुषों और स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण कर उनके बलिदान को याद किया गया। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर सुबह जिलाधिकारी सत्य प्रकाश एवं जनप्रतिनिधियों ने घंटाघर पहुंचकर महात्मा गांधी, चंद्रशेखर आजाद, लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल, अटल बिहारी वाजपेयी, स्वतंत्रता संग्राम सेनानी बृजनन्दन किलेदार, वीर सावरकर, डॉ. भीमराव आंबेडकर, कर्पूरी ठाकुर, अवंतीबाई, महारानी लक्ष्मीबाई एवं पंडित परमानंद की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित किए। इसके बाद जिलाधिकारी ने कलेक्ट्रेट परिसर और अपने आवास पर ध्वजारोहण किया। राष्ट्रगान एवं राष्ट्रीय

गीत का सामूहिक गायन हुआ। विकास भवन में राज्यमंत्री मनोहर लाल पंथ ने ध्वजारोहण कर स्वतंत्रता दिवस के महत्व पर प्रकाश डाला। जिले के सभी सरकारी-गैरसरकारी कार्यालयों, संस्थाओं और शिक्षण संस्थानों में भी ध्वजारोहण किया गया। कलेक्ट्रेट सभागार एवं विकास भवन में स्वतंत्रता दिवस पर गोष्ठी आयोजित की गई। कार्यक्रम में महात्मा गांधी के चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। राजकीय बालिका इंटर कॉलेज की छात्राओं ने देशभक्ति गीत भारत महान है प्रस्तुत किया। प्रस्तुति से प्रभावित जिलाधिकारी ने छात्राओं का उत्साहवर्धन करते हुए उन्हें मिष्ठान एवं पुरस्कार प्रदान किए। इस मौके पर जिलाधिकारी सत्य प्रकाश ने कहा कि आजादी हमें सहज रूप से नहीं मिली है। हमारे पूर्वजों ने देश और आने वाली पीढ़ियों को स्वतंत्र कराने के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर कर दिया। कोई फांसी पर चढ़ा तो किसी ने आजीवन कारावास सहा, ताकि देशवासी आजाद हवा में सांस ले सकें। उन्होंने कहा कि अपने दायित्वों का ईमानदारी और निष्ठा से निर्वहन करना ही अमर शहीदों को सच्ची श्रद्धांजलि है। सभी अधिकारी-कर्मचारी अपने कार्य को पूरी जिम्मेदारी से करें और देश के विकास में योगदान दें। उन्होंने कहा कि पूर्वजों ने जिस विकसित और मजबूत भारत का सपना देखा था, उसे साकार करना हम सभी की जिम्मेदारी है। जिलाधिकारी ने कहा कि जिले की तमाम विकास योजनाएं अधिकारियों और कर्मचारियों के माध्यम से अंतिम व्यक्ति तक पहुंचती हैं। इसलिए प्रत्येक कर्मचारी की भूमिका महत्वपूर्ण है। यदि सभी लोग अपना कार्य पूरी ईमानदारी और संवेदनशीलता से करेंगे तो समाज के अंतिम छोर पर खड़े व्यक्ति को सरकारी योजनाओं का लाभ मिलेगा और वह प्रशासन के प्रति कृतज्ञ होगा। कार्यक्रम में सहायक जिला निर्वाचन अधिकारी समर सिंह ने देशभक्ति गीत के माध्यम से आजादी से पहले और बाद में देश में लिए गए ऐतिहासिक निर्णयों पर प्रकाश डाला। जिला प्रोबेशन अधिकारी नंदलाल सिंह ने राष्ट्र निर्माण में युवा शक्ति की भूमिका बताते हुए 'नौजवानो उठो गीत प्रस्तुत किया। जिलाधिकारी के विशेष कार्याधिकारी अनिल दीक्षित ने स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं दीं। सेवानिवृत्त प्रशासनिक अधिकारी वीरेंद्र जैन ने जनपद के वीर सपूतों महाराजा मर्दन सिंह और महाराजा मधुकर शाह के बलिदान को याद किया। कवि अखिलेश शांडिल्य ने अपनी देशभक्ति कविताओं के माध्यम से अमर शहीदों को श्रद्धांजलि दी। कवि रमेश पाठक ने देशभक्ति गीत प्रस्तुत किया। कलेक्ट्रेट कर्मचारी साक्षी नामदेव ने कविता और छात्रा रश्मि श्रीवास्तव ने 'ऐ वतन वतन मेरे आबाद रहे तू गीत प्रस्तुत कर माहौल को देशभक्ति से ओतप्रोत कर दिया। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर जिलाधिकारी जिला कारागार पहुंचे और महिला एवं पुरुष बंदियों को फलों का वितरण किया। उन्होंने बंदियों को भविष्य में अच्छा नागरिक बनने की सलाह दी। जिलाधिकारी ने कहा कि पूर्व में हुई गलतियों से सीख लेकर भविष्य में उन्हें दोहराने से बचें। जेल से बाहर निकलने के बाद समाज और देश के विकास में सकारात्मक योगदान दें। जिलाधिकारी सत्य प्रकाश अपनी धर्मपत्नी एवं नन्ही बेटी के साथ पंडित दीनदयाल वृद्धाश्रम पहुंचे। यहां उन्होंने वृद्धजनों को फल एवं बरसात के मौसम में सुरक्षा की दृष्टि से चप्पलें वितरित कीं और उनका आशीर्वाद लिया। जिलाधिकारी ने बुजुर्गों से उनकी समस्याओं की जानकारी भी ली। इस दौरान कुछ वृद्धजनों ने आधार में बायोमेट्रिक अपडेट न होने के कारण पेंशन नहीं आने की समस्या बताई। जिलाधिकारी ने तत्काल ई-डिस्ट्रिक्ट मैनेजर को फोन कर वृद्धाश्रम में कैंप लगाकर सभी वृद्धजनों के आधार अपडेट कराने के निर्देश दिए। साथ ही समाज कल्याण अधिकारी को पेंशन योजना से वंचित पात्र वृद्धजनों के आवेदन कराकर उन्हें योजना का लाभ दिलाने के निर्देश दिए। इस तरह स्वतंत्रता दिवस पर ललितपुर में देशभक्ति, शहीदों के सम्मान और सामाजिक संवेदना का संदेश एक साथ देखने को मिला।

आठ वर्षीय बालक की हत्या के मामले में महिला गिरफ्तार

कीटनाशक पिलाने और गला दबाने का आरोप

स्वतंत्र प्रभात | ललितपुर

थाना बानपुर पुलिस ने आठ वर्षीय बालक की हत्या के मामले में वांछित चल रही एक महिला अभियुक्ता को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार आरोपी महिला पर बालक को कथित रूप से कीटनाशक दवा पिलाने के बाद गला दबाकर उसकी हत्या करने का आरोप है। गिरफ्तार अभियुक्ता को पुलिस ने नियमानुसार न्यायालय के समक्ष पेश किया। पुलिस के मुताबिक यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक संजीव कुमार बाजपेई के निर्देशन में, एएसपी कालू सिंह तथा सीओ महरौनी अरविन्द्र कुमार पाण्डेय के पर्यवेक्षण में वांछित अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत की गई। पुलिस के अनुसार वादी मुकदमा ने 15 अगस्त 2026 को थाना बानपुर में सूचना दी थी कि उसकी ओर से दिए गए आरोप के अनुसार अभियुक्ता ने उसके करीब आठ वर्षीय पुत्र अभय को 4 अगस्त 2026 को कथित रूप से कीटनाशक दवा पिलाई और इसके बाद गला दबाकर उसकी मृत्यु कारित कर दी। सूचना के आधार पर थाना बानपुर पुलिस ने मामले में मु0अ0सं0 202/2026, धारा 103(1) बीएनएस के तहत अभियोग पंजीकृत किया और घटना में वांछित अभियुक्ता की गिरफ्तारी के प्रयास शुरू किए। पुलिस ने मामले में वांछित पुष्पा पत्नी हरिकिशन उर्फ हरकिशन, निवासी ग्राम बिल्ला को 16 अगस्त 2026 को गिरफ्तार किया।

संक्षिप्त खबरें

समूचे क्षेत्र में उत्साह और उमंग के साथ मनाया गया आजादी का जश्न

शान से फहराया तिरंगा, गूंजे वंदे मातरम् के तराने

तालबेहट। स्वाधीनता दिवस की 80वीं वर्षगांठ पर शनिवार को समूचे क्षेत्र में आजादी का पर्व पूरे उत्साह और उमंग के साथ मनाया गया। सरकारी और गैर सरकारी संस्थानों के साथ ही राजनीतिक दलों, स्वयंसेवी एवं सामाजिक संगठनों ने तिरंगा फहराकर अमर शहीदों को नमन किया और राष्ट्रसेवा का संकल्प लिया। इस दौरान जगह-जगह देशभक्ति के गीतों और वंदे मातरम् के जयघोष से वातावरण गूंज उठा।

तहसील परिसर में उप जिलाधिकारी अभिजीत सिंह ने ध्वजारोहण किया। तहसील सभागार में आयोजित कार्यक्रम में वीर सपूतों को याद करते हुए उनके बलिदान को नमन किया गया। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में अधीक्षक डॉ. विशाल पाठक के नेतृत्व में स्वतंत्रता दिवस मनाया गया। उन्होंने स्वास्थ्य कर्मियों को संबोधित करते हुए कहा कि जनसेवा ही सच्चा राष्ट्रवाद है। क्रांतिकारियों ने अपने प्राणों का बलिदान देकर देश को अंग्रेजी दासता से मुक्ति दिलाई।

नगर पंचायत कार्यालय में अध्यक्ष पुनीत सिंह परिहार ने ध्वजारोहण किया। मर्दन सिंह इंटर कॉलेज में प्रबंधक मनोज भट्ट ने तिरंगा फहराया। इस अवसर पर छात्र-छात्राओं ने देशभक्ति से ओतप्रोत सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। विकासखंड तालबेहट की विभिन्न ग्राम पंचायतों में ग्राम विकास अधिकारियों और ग्राम प्रधानों ने ध्वजारोहण कर स्वतंत्रता दिवस मनाया।

कांग्रेस कार्यालय में पार्टी कार्यकर्ताओं ने ध्वजारोहण कर अमर शहीदों को श्रद्धांजलि दी। वहीं ऐतिहासिक भारतगढ़ दुर्ग पर पुरातत्व विभाग की ओर से विशाल तिरंगा फहराया गया। स्वयंसेवी संस्था प्रकृति रक्षक के कार्यकर्ताओं ने भी दुर्ग के शिखर पर तिरंगा लहराकर देशभक्ति का संदेश दिया। पूरे क्षेत्र में दिनभर देशभक्ति का माहौल बना रहा।

उच्च प्राथमिक विद्यालय सतौरा बिरधा में हर्षोल्लास से मनाया स्वतंत्रता दिवस

स्वतंत्र प्रभात | ललितपुर

उच्च प्राथमिक विद्यालय सतौरा बिरधा में स्वतंत्रता दिवस बड़े हर्षोल्लास एवं देशभक्ति की भावना के साथ मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत ग्राम में प्रभात फेरी निकालकर की गई। प्रभात फेरी में विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने देशभक्ति के नारे लगाए और देशभक्ति गीतों का गायन किया। इस अवसर पर विद्यालय में नव निर्मित स्टेज एवं कार्यालय का उद्घाटन विद्यालय के प्रधानमंत्री, उपप्रधानमंत्री तथा छात्र-छात्राओं नैन्सी एवं शिव स्वामी द्वारा किया गया। विद्यालय में आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रमों को इस बार नशा मुक्ति को विशेष थीम बनाया गया। छात्र-छात्राओं ने नशे के दुष्प्रभावों एवं इससे दूर रहने का संदेश देते हुए गीत और नाटक प्रस्तुत किए। बच्चों की प्रभावी प्रस्तुति को ग्रामवासियों ने खूब सराहा और नशामुक्त समाज के संदेश की प्रशंसा की। कार्यक्रम के अंत में प्रधानाध्यापक आलोक श्रीवास्तव ने उपस्थित अतिथियों, अभिभावकों, ग्रामवासियों एवं विद्यालय स्टाफ का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर एसएमसी अध्यक्ष कमल सिंह, पूर्व अध्यक्ष ऊदल सिंह, विद्यालय स्टाफ से वर्षा सैनी, मीना निरंजन, जगभान एवं कुलदीप चौधरी सहित बड़ी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित रहे।

जिला कांग्रेस कार्यालय में धूमधाम से मनाया स्वतंत्रता दिवस

स्वतंत्र प्रभात | ललितपुर

जिला कांग्रेस कार्यालय में स्वतंत्रता दिवस पूरे उत्साह, उमंग और देशभक्ति की भावना के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष दयाराम रजक ने ध्वजारोहण कर किया। इसके बाद राष्ट्रगान हुआ। उपस्थित कांग्रेसजनों ने देश की एकता, अखंडता और लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा के साथ संविधान की गरिमा बनाए रखने का संकल्प लिया। ध्वजारोहण के बाद जिला कांग्रेस कार्यालय में विचार गोष्ठी आयोजित की गई। अध्यक्षता जिला कांग्रेस अध्यक्ष दयाराम रजक ने की। गोष्ठी में स्वतंत्रता संग्राम के महान सेनानियों, शहीदों और देश की आजादी के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर करने वाले वीरों को श्रद्धापूर्वक याद किया गया। जिला कांग्रेस अध्यक्ष दयाराम रजक ने कहा कि स्वतंत्रता दिवस केवल एक राष्ट्रीय पर्व नहीं, बल्कि उन महान स्वतंत्रता सेनानियों के त्याग, संघर्ष और बलिदान को याद करने का अवसर है, जिनके अथक प्रयासों के कारण देश को आजादी मिली। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता आंदोलन से लेकर आजादी के बाद देश के निर्माण तक कांग्रेस के नेताओं और कार्यकर्ताओं की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में संविधान, लोकतंत्र, सामाजिक न्याय और आपसी भाईचारे की रक्षा के लिए सभी को एकजुट होकर कार्य करने की आवश्यकता है। देश की एकता और अखंडता को मजबूत करना प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है। मनरेगा जिला प्रभारी जसपाल सिंह ने कहा कि महात्मा गांधी ने देश को सत्य, अहिंसा और ग्राम स्वराज का रास्ता दिखाया। मनरेगा जैसी योजना ग्रामीण गरीबों और मजदूरों को रोजगार की गारंटी देकर उनके जीवन को मजबूत करने का महत्वपूर्ण माध्यम बनी है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस हमेशा किसानों, मजदूरों, गरीबों और आम जनता के अधिकारों की लड़ाई मजबूती से लड़ती रही है और आगे भी उनके हितों के लिए संघर्ष जारी रहेगा। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता आंदोलन के मूल्यों को याद रखते हुए यह समझना जरूरी है कि देश की आजादी की रक्षा केवल सीमाओं पर नहीं, बल्कि लोकतंत्र और संविधान की रक्षा करके भी की जाती है। कार्यक्रम में जिला उपाध्यक्ष पंकज हुण्डैत, जिला महासचिव शशिकांत दीक्षित, रामदेवी विश्वकर्मा, पार्वती झा, रफीक अली, बलवंत सिंह राजपूत, मोनू रजक, अमन साहू, संतोष राय, राकेश रजक राजपूत, धर्मेंद्र सिंह, मंजीत राजपूत, अजय कुशवाह, अर्जुन कुशवाहा, सीताराम राय, रमेश कुमार सेन, बबलू यादव, गजेंद्र सिंह बुंदेला, अक्षय दिवाकर, जितेंद्र पनारी, खलक सिंह राजपूत, महेंद्र पनारी, सोबरन सिंह सिंदवाहा, सिंह तोमर, मकरंद किलेदार, उदल सिंह पटेल, कुलदीप पाठक, बसु जैन, राहुल सेन, मु. नईम, रितेश सिंगई, असलम खान, सुजान पटेल सहित जिला कांग्रेस कमेटी एवं नगर कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारी, ब्लॉक अध्यक्ष, विभिन्न प्रकोष्ठों के पदाधिकारी, वरिष्ठ कांग्रेसजन और बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे। कार्यक्रम के अंत में कांग्रेसजनों ने देश की एकता, अखंडता, भाईचारे, संविधान और लोकतांत्रिक व्यवस्था को मजबूत बनाने का संकल्प लिया।

सोंरई के विद्यालयों में हर्षोल्लास से मनाया गया स्वतंत्रता दिवस

स्वतंत्र प्रभात | ललितपुर

ग्राम पंचायत सोंरई के समस्त परिषदीय एवं निजी विद्यालयों में स्वतंत्रता दिवस का 80वां समारोह हर्षोल्लास एवं देशभक्ति के वातावरण में मनाया गया। इस अवसर पर विद्यालयों के साथ-साथ गांव के ऐतिहासिक प्राचीन किले, बैंक एवं साधन सहकारी समिति परिसर में प्रातःकाल ध्वजारोहण किया गया। इसके बाद उपस्थित लोगों ने गौरवपूर्वक राष्ट्रगान गाया। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर विद्यालयों में विद्यार्थियों ने देशभक्ति से ओत-प्रोत सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। बच्चों ने गीत, नृत्य, भाषण एवं विभिन्न प्रस्तुतियों के माध्यम से देशभक्ति की भावना का संदेश दिया। कार्यक्रमों के दौरान विद्यालय परिसर भारत माता के जयकारों एवं देशभक्ति नारों से गूंज उठे। इस दौरान विद्यालयों के शिक्षक-शिक्षिकाओं, विद्यार्थियों, अभिभावकों एवं ग्रामीणों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। वक्ताओं ने विद्यार्थियों को स्वतंत्रता संग्राम के वीरों के बलिदान और देश के प्रति अपने कर्तव्यों की जानकारी देते हुए राष्ट्रहित में कार्य करने का आह्वान किया।

थाना बार में एसपी संजीव कुमार बाजपेई का आकस्मिक निरीक्षण

थाने में व्यवस्थाओं का लिया जायजा

स्वतंत्र प्रभात | ललितपुर

पुलिस अधीक्षक संजीव कुमार बाजपेई ने रविवार को थाना बार का आकस्मिक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने थाना परिसर, कार्यालय, मिशन शक्ति केंद्र, साइबर हेल्प डेस्क, मेस सहित विभिन्न व्यवस्थाओं का बारीकी से जायजा लिया और संबंधित पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान पुलिस अधीक्षक ने थाना कार्यालय में साफ-सफाई, अभिलेखों के रख-रखाव और उनके अद्यतन की स्थिति देखी। इसके साथ ही थाना परिसर का भ्रमण कर साफ-सफाई, प्रकाश व्यवस्था तथा आगंतुकों और पुलिसकर्मियों के लिए उपलब्ध मूलभूत सुविधाओं का भी निरीक्षण किया। उन्होंने थाना परिसर में स्वच्छता, सुव्यवस्था और हरित वातावरण बनाए रखने के लिए नियमित साफ-सफाई एवं अभिलेखों को समय-समय पर अपडेट रखने के निर्देश दिए। एसपी ने मिशन शक्ति केंद्र के रजिस्टरों का निरीक्षण कर महिला संबंधी शिकायतों और उनके निस्तारण की स्थिति की गहनता से समीक्षा की। उन्होंने रजिस्टरों को नियमित रूप से अद्यतन रखने तथा महिला संबंधी अपराधों में सूचना मिलते ही पुलिस टीम को तत्काल मौके पर पहुंचकर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साइबर हेल्प डेस्क के अभिलेखों और रजिस्टरों का भी निरीक्षण किया गया। एसपी ने प्राप्त साइबर शिकायतों की स्थिति की जानकारी लेते हुए डेस्क पर तैनात अधिकारियों एवं कर्मचारियों को साइबर अपराध के पीड़ितों को तत्काल सहायता उपलब्ध कराने तथा शिकायतों का शीघ्र और प्रभावी निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। पुलिस अधीक्षक ने प्रभारी निरीक्षक और समस्त पुलिसकर्मियों को निर्देशित किया कि थाना परिसर में आने वाले प्रत्येक फरियादी और आगंतुक के साथ शिष्ट, सम्मानजनक और संवेदनशील व्यवहार किया जाए। उन्होंने सीयूजी फोन को सदैव क्रियाशील रखने तथा प्राप्त होने वाली कॉल का समयबद्ध तरीके से जवाब देने के निर्देश दिए। साथ ही जनसामान्य की शिकायतों एवं समस्याओं का गुणवत्तापूर्ण, निष्पक्ष और समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करने को कहा। एसपी ने प्रभारी निरीक्षक को अवैध शराब के निर्माण, भंडारण, परिवहन और बिक्री के विरुद्ध आबकारी विभाग के साथ समन्वय स्थापित कर संयुक्त टीम बनाकर नियमित एवं प्रभावी अभियान चलाने के निर्देश दिए। उन्होंने अवैध मादक पदार्थों और शराब की तस्करी अथवा कारोबार में संलिप्त व्यक्तियों को चिन्हित कर उनके विरुद्ध प्रभावी वैधानिक कार्रवाई करने को कहा। उन्होंने ऐसे आदतन एवं संगठित अपराधियों के विरुद्ध उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर गैंगस्टर एक्ट के तहत कार्रवाई प्रस्तावित करने और नियमानुसार प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए। पुलिस अधीक्षक ने लंबित विवेचनाओं की समीक्षा करते हुए निर्देश दिया कि प्रत्येक विवेचना का गुणवत्तापूर्ण, निष्पक्ष और समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। साक्ष्यों का वैज्ञानिक एवं विधिसम्मत तरीके से संकलन करते हुए अभियोगों का शीघ्र और प्रभावी निराकरण किया जाए, ताकि दोषियों के विरुद्ध मजबूत एवं प्रभावी कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित हो सके। एसपी ने आईजीआरएस पोर्टल से प्राप्त शिकायतों का उचित, गुणवत्तापूर्ण और समयबद्ध निस्तारण कराने के निर्देश दिए। साथ ही शिकायतकर्ताओं से शत-प्रतिशत फीडबैक प्राप्त करने पर भी विशेष जोर दिया, ताकि शिकायत निस्तारण की वास्तविक स्थिति की जानकारी प्राप्त हो सके और पुलिस की कार्यप्रणाली को और अधिक प्रभावी बनाया जा सके। पुलिस अधीक्षक के आकस्मिक निरीक्षण के दौरान थाना बार की व्यवस्थाओं, अभिलेखों, शिकायत निस्तारण, महिला एवं साइबर अपराधों पर कार्रवाई तथा कानून-व्यवस्था से जुड़े विभिन्न बिंदुओं पर संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

सार्वजनिक स्थानों पर जुआ खेलते 11 आरोपी गिरफ्तार

25 हजार रुपये से अधिक नकदी बरामद

ललितपुर। जनपद में सार्वजनिक स्थानों पर जुआ खेलने वालों के खिलाफ पुलिस ने अभियान चलाते हुए कोतवाली और थाना बानपुर क्षेत्र में दो अलग-अलग कार्रवाई की। पुलिस ने दोनों मामलों में कुल 11 जुआरियों को गिरफ्तार किया। आरोपियों के कब्जे से ताश के पत्तों के साथ 25,050 रुपये की नकदी बरामद होने की बात पुलिस ने बताई है। दोनों मामलों में धारा 13 जुआ अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज कर विधिक कार्रवाई की गई। जमानतीय अपराध होने के कारण आरोपियों को मुचलके पर रिहा कर दिया गया। कोतवाली क्षेत्र के बह्म चौकी अंतर्गत हवा पट्टी पर पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि कुछ लोग मोबाइल की रोशनी में ताश के पत्तों से रुपये की हार-जीत का जुआ खेल रहे हैं। सूचना पर पुलिस टीम ने मौके पर घेराबंदी कर सात आरोपियों को रंगे हाथों पकड़ लिया। पुलिस के अनुसार कार्रवाई में फड़ से 23,500 रुपये, 52 ताश के पत्ते, दो अन्य पत्ते और चार सफेद कागज बरामद किए गए। इसके अलावा आरोपियों की जामा तलाशी से 7,600 रुपये नकद और मोबाइल फोन भी मिले। इस मामले में सौरभ जैन पुत्र सुरेन्द्र कुमार जैन निवासी तालाबपुरा, अमित पुत्र सुरेश निवासी मुक्तापुरा डैम रोड, सरताज खां पुत्र अजीज खां निवासी मुक्ताई चौक श्रीपुरा, अमित कुमार पुत्र निर्मल कुमार जैन निवासी मुख्य बाजार, अजय पुत्र पन्नालाल निवासी सावरकर बस्ती, जितेन्द्र जैन पुत्र पद्मचंद्र जैन निवासी कटरा बाजार तथा शशकिशोर साहू पुत्र मोहर लाल साहू निवासी तालाबपुरा, कोतवाली ललितपुर को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने इस संबंध में एफआईआर संख्या 0884/2026 के तहत धारा 13 सार्वजनिक जुआ अधिनियम में मामला दर्ज किया है। कार्रवाई में उपनिरीक्षक ललित उज्ज्वल, चौकी प्रभारी मेंडि, उपनिरीक्षक अंकित कौशिक, उपनिरीक्षक आलोक कुमार और उपनिरीक्षक अरुण कुमार शामिल रहे। दूसरी कार्रवाई थाना बानपुर पुलिस ने छोटा राजा के होटल के पीछे खाली स्थान पर की। पुलिस के मुताबिक 13/14 अगस्त की रात गश्त और चेकिंग के दौरान टीकमगढ़ रोड पर मुखबिर ने सूचना दी कि होटल के पीछे कुछ लोग मोमबत्ती की रोशनी में ताश के पत्तों पर रुपये की हार-जीत का जुआ खेल रहे हैं। सूचना पर पुलिस टीम ने मौके पर दबिश दी और चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने फड़ से 1,550 रुपये, जामा तलाशी से 510 रुपये, कुल 2,060 रुपये नकद, 52 ताश के पत्ते और एक जली हुई मोमबत्ती बरामद की। गिरफ्तार आरोपियों में गुडडू उर्फ ताजिस्तान पुत्र वहीद खान निवासी बौरू दरवाजा, कोतवाली टीकमगढ़ (मध्य प्रदेश), छोटा राजा पुत्र फुल सिंह निवासी मोहल्ला अथाई, कस्बा व थाना बानपुर, ललितपुर, चिट्टू पुत्र मोहन दास साहू निवासी ललितपुर रोड, कस्बा बानपुर तथा श्याम दोनोंवे पुत्र रामकिशन दोनोंवे निवासी बौरू दरवाजा, कोतवाली टीकमगढ़ (मध्य प्रदेश) शामिल हैं। इस मामले में एफआईआर संख्या 0199/2026 के तहत धारा 13 जुआ अधिनियम में मुकदमा दर्ज किया गया। कार्रवाई में उपनिरीक्षक विकास यादव, उपनिरीक्षक मनोज कुमार, उपनिरीक्षक संतराम सहित पुलिस टीम शामिल रही। पुलिस के अनुसार दोनों मामलों में गिरफ्तार आरोपियों के खिलाफ नियमानुसार वैधानिक कार्रवाई की गई। चूंकि अपराध जमानतीय श्रेणी का है, इसलिए सभी आरोपियों को आवश्यक मुचलके पर रिहा कर दिया गया।

रविवार को श्रद्धालुओं ने किया 40 लाख पार्थिव शिवलिंगों का निर्माण

स्वतंत्र प्रभात | ललितपुर

श्रीसिद्धपीठ चंडी मंदिर धाम में आयोजित सवा करोड़ पार्थिव शिवलिंग निर्माण एवं श्रीरुद्र महायज्ञ के धार्मिक अनुष्ठान में रविवार को श्रद्धालुओं ने उत्साह और श्रद्धाभाव के साथ करीब 40 लाख पार्थिव शिवलिंगों का निर्माण किया। पूरे परिसर में दिनभर भगवान शिव की आराधना और हर-हर महादेव के जयकारों से वातावरण भक्तिमय बना रहा। रविवार की सुबह श्रीरुद्र महायज्ञ के अंतर्गत पीठ पूजन का आयोजन किया गया। पूजन मुख्य यजमान हरीशंकर साहू द्वारा विधि-विधान से संपन्न कराया गया। इसके बाद श्रद्धालुओं ने पार्थिव शिवलिंगों के निर्माण में सहभागिता की।

बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने से मंदिर परिसर में धार्मिक उत्साह का माहौल रहा। अपराह्न में श्रीरामचरित मानस का पूजन एवं आरती मुख्य यजमान डॉ. अनूप श्रीवास्तव, डॉ. रानी श्रीवास्तव, गिरीश खरे एवं सीमा खरे द्वारा की गई। इसके पश्चात कथाव्यास चंद्रभूषण पाठक ने श्रद्धालुओं को भगवान की कथा सुनाते हुए आध्यात्मिक आनंद के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि आनंद आध्यात्म की महत्वपूर्ण उपलब्धि है। जो व्यक्ति इसे प्राप्त कर लेता है, उसकी आध्यात्मिक अवस्था उच्च मानी जाती है। उन्होंने कहा कि बाहरी प्रसन्नता भौतिक वस्तुओं से जुड़ी होने के कारण अस्थिर होती है, जबकि आत्मिक आनंद चिरस्थायी और समभाव में रहने वाला होता है। कथाव्यास ने कहा कि सामान्यतः आनंद और उत्फुल्लता को एक ही माना जाता है, जबकि दोनों में काफी अंतर है। बाहरी वस्तुओं में मिलने वाला सुख वास्तव में हमारे अंतर्मन के आनंद का ही प्रतिबिंब है। यदि भौतिक पदार्थ वास्तव में आनंद के स्रोत होते तो एक ही वस्तु सभी के लिए समान रूप से प्रसन्नता का कारण बनती, लेकिन जीवन में ऐसा नहीं होता। उन्होंने कहा कि इस भ्रम को समझकर और दूर करके ही मनुष्य उस चिरंतन आनंद की अनुभूति कर सकता है। धार्मिक आयोजन के क्रम में भगवान भोलेनाथ का महारुद्राभिषेक आचार्य पवन शास्त्री सहित अन्य वैदिक ब्राह्मणों द्वारा वैदिक मंत्रोच्चार और विधि-विधान के साथ कराया गया। महारुद्राभिषेक में श्रद्धालुओं ने भगवान शिव का पूजन कर सुख, शांति और समृद्धि की कामना की। इस अवसर पर प्रेस क्लब अध्यक्ष राजीव बबेले, विजय जैन कल्लू, अनूप मोदी, राहुल शुक्ला, ब्रजमोहन संज्ञा, अश्विनी पुरोहित, संदीप तिवारी, शत्रुधन यादव, दिनेश पाठक, मनीष दुबे, रामकृपाल गुप्ता, संतोष साहू, लक्ष्मीनारायण साहू, बाबा हीरानंद गिरी, प्रदीप शर्मा सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु एवं गणमान्यजन उपस्थित रहे।

बम-बम भोले' के जयघोष से गूंजा महरौनी, शिवधाम से कुंडेश्वर धाम तक निकली विशाल कांवड़ यात्रा

स्वतंत्र प्रभात | महरौनी

सावन के पावन माह में रविवार को महरौनी के सिंचाई कॉलोनी स्थित श्री शिवधाम प्रांगण से श्री कुंडेश्वर धाम तक भव्य कांवड़ यात्रा निकाली गई। हजारों श्रद्धालुओं की आस्था, भक्ति और शिवमय उत्साह से पूरा मार्ग 'बम-बम भोले' के जयघोष से गूंज उठा।

कांवड़ यात्रा से पूर्व प्रातःकाल श्री शिवधाम मंदिर में विराजमान भगवान भोलेनाथ का विधि-विधान से जलाभिषेक एवं पूजन किया गया। इसके बाद हनुमान महाराज से आशीर्वाद लेकर कांवड़ यात्रा का शुभारंभ हुआ। यात्रा में महिलाएं, बच्चे, बुजुर्गों सहित नगर एवं क्षेत्र के बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। विशाल कांवड़ यात्रा में विभिन्न सामाजिक एवं राजनीतिक संगठनों, छात्र-छात्राओं, युवाओं, प्रशासनिक कर्मचारियों तथा महरौनी कोतवाली पुलिस की सहभागिता रही। हाथों में कांवड़ और अधरों पर 'बम-बम भोले' का जयघोष लिए हजारों श्रद्धालु नंगे पैर कुंडेश्वर धाम पहुंचे। यहां श्रद्धालुओं ने भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक एवं पूजन कर जगत कल्याण, सुख-शांति एवं समृद्धि की कामना की। कांवड़ यात्रियों का नगरवासियों ने जगह-जगह पुष्पवर्षा एवं जलपान कर आत्मीय स्वागत किया। स्वागत में श्री अखंड धाम आश्रम, श्री रामचरित मानस समिति वेदपुर एवं फ्रेंड्स सर्किल समिति सहित विभिन्न संगठनों ने लंच पैकेट, फल-स्वल्पाहार एवं शुद्ध पेयजल की स्टॉल लगाकर श्रद्धालुओं की सेवा की। भक्ति, सेवा और सामाजिक सहभागिता के अद्भुत संगम ने कांवड़ यात्रा को यादगार बना दिया और महरौनी का वातावरण पूरी तरह शिवमय नजर आया।

जीआरपी थाना ललितपुर में उत्साह एवं धूमधाम से मनाया गया 80वां स्वतंत्रता दिवस

स्वतंत्र प्रभात | ललितपुर

देश के गौरव और राष्ट्रीय स्वाभिमान का प्रतीक 80वां स्वतंत्रता दिवस राजकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी) थाना ललितपुर में बड़े उत्साह, उमंग एवं धूमधाम के साथ मनाया गया। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर जीआरपी थाना परिसर में आयोजित समारोह में प्रभारी निरीक्षक दिनेश सिंह परिहार ने राष्ट्रीय ध्वज फहराकर तिरंगे को सलामी दी। ध्वजारोहण के दौरान पूरा थाना परिसर देशभक्ति के रंग में रंगा नजर आया।

ध्वजारोहण के पश्चात उपस्थित पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने राष्ट्रगान गाकर देश की एकता, अखंडता और संप्रभुता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की। इस दौरान देश के महान स्वतंत्रता सेनानियों एवं वीर शहीदों को श्रद्धापूर्वक नमन करते हुए उनके बलिदान को याद किया गया।

समारोह को संबोधित करते हुए प्रभारी निरीक्षक दिनेश सिंह परिहार ने सभी पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि आजादी का यह पर्व हमें देश के उन वीर सपूतों के त्याग, संघर्ष और बलिदान की याद दिलाता है, जिन्होंने मातृभूमि की स्वतंत्रता के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर कर दिया। उन्होंने कहा कि राष्ट्र की सेवा, कानून-व्यवस्था बनाए रखना और आमजन की सुरक्षा करना प्रत्येक पुलिसकर्मी का महत्वपूर्ण दायित्व है। उन्होंने पुलिसकर्मियों का आह्वान करते हुए कहा कि सभी अपने कर्तव्यों का पूरी निष्ठा, ईमानदारी और समर्पण के साथ निर्वहन करें तथा रेलवे यात्रियों एवं आमजन की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दें। कार्यक्रम के दौरान पुलिसकर्मियों में स्वतंत्रता दिवस को लेकर विशेष उत्साह दिखाई दिया। सभी ने एक-दूसरे को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं दीं तथा देश की एकता एवं अखंडता को मजबूत बनाने का संकल्प लिया। जीआरपी थाना परिसर में आयोजित यह समारोह राष्ट्रप्रेम, कर्तव्यनिष्ठा और देशसेवा की भावना के साथ संपन्न हुआ।

ओडी नदी में डूबा युवक, 24 घंटे बाद भी नहीं मिला सुराग

एसडीआरएफ टीम ने दो घंटे तक चलाया सर्च ऑपरेशन, पुलिस व ग्रामीण भी तलाश में जुटे

मड़ावरा। मछली पकड़ने के दौरान पैर फिसलने से ओडी नदी में डूबे युवक का 24 घंटे बाद भी कोई सुराग नहीं मिल सका। सूचना मिलते ही मदनपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और एसडीआरएफ टीम को बुलाकर नदी में सर्च ऑपरेशन शुरू कराया गया। करीब दो घंटे तक तलाश के बावजूद सफलता नहीं मिली। इसके बाद पुलिसकर्मियों और ग्रामीणों ने भी नदी में उतरकर युवक की खोजबीन शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार मदनपुर कस्बा निवासी हरचरन पुत्र नत्थू कुशवाहा (35) मछली पकड़ने की बात कहकर घर से निकला था। बताया गया कि ओडी नदी में मछली पकड़ते समय अचानक उसका पैर फिसल गया और वह गहरे पानी में समा गया। घटना की जानकारी मिलते ही परिजनों व ग्रामीणों ने इसकी सूचना पुलिस को दी। थानाध्यक्ष मदनपुर राजपाल सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का जायजा लेते हुए राहत एवं तलाश अभियान की निगरानी की। युवक की तलाश के लिए एसडीआरएफ टीम भी मौके पर पहुंची और करीब दो घंटे तक नदी में सर्च ऑपरेशन चलाया, लेकिन कोई सफलता नहीं मिली। फिलहाल पुलिस और ग्रामीणों द्वारा नदी में युवक की तलाश जारी है।

मक्तब मदरसा अंजुमन इस्लामियां में शान से फहराया तिरंगा, गूंजा देशप्रेम का संदेश

स्वतंत्र प्रभात | महरौनी

नगर स्थित मक्तब मदरसा अंजुमन इस्लामियां स्कूल में स्वतंत्रता दिवस हर्षोल्लास एवं देशभक्ति के वातावरण में मनाया गया। कार्यक्रम में मदरसा के मुतवल्ली इरफान रहमानी ने तिरंगा फहराकर राष्ट्रध्वज को सलामी दी और नगरवासियों को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं दीं।

इस अवसर पर इरफान रहमानी ने कहा कि हिन्दुस्तान एक ऐसा प्यारा वतन है, जिसकी मोहब्बत की मिसाल पूरी दुनिया में दी जाती है। देश की वास्तविक खूबसूरती सर्वधर्म समभाव, आपसी प्रेम और एक-दूसरे की आस्था एवं भावनाओं का सम्मान करने में निहित है। उन्होंने कहा कि सुख-दुख में एक-दूसरे के साथ खड़ा होना और हर धर्म का सम्मान करना ही भारत की असली पहचान है। मदरसा के सदर समद खान एडवोकेट ने कहा कि हमारा प्यारा हिन्दुस्तान हमारे दिलों में बसता है और आखिरी सांस तक बसता रहेगा। हम अपने वतन से मोहब्बत करते हैं और जब तक शरीर में प्राण हैं, देशप्रेम की भावना कायम रहेगी। उन्होंने कहा कि मदरसों की शिक्षा का उद्देश्य इंसानियत, भाईचारे और मोहब्बत को आगे बढ़ाना तथा समाज में देशप्रेम का संदेश देना भी है। कार्यक्रम में मौलवी मकसूद अली, मौलाना सलीम कादरी, हाफिज सलामत रजा, यूनिस अली हाशमी, खुर्शीद अली, इमाम राईन, रहमान शाह, मुशर्रफ अली, इस्लाम खां माते, नूर मुहम्मद नूरी, बसीम खां, आबिद अली, सैजाद खां, मोनू हाशमी, गोलू खां सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

सोन के उफान से रेणुका-बिजुल ओवरफ्लो, शिव मंदिर की सीढ़ियों तक पहुंचा पानी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सोनभद्र। हाल ही में मध्य प्रदेश सहित अन्य प्रदेशों में हुई लगातार बारिश के कारण सोन नदी का जलस्तर तेजी से बढ़ गया है। इस वृद्धि का प्रभाव सहायक नदियों पर भी पड़ा है। सोन नदी के जलस्तर में वृद्धि के कारण रेणुका नदी और बिजुल नदी में भी पानी ओवरफ्लो हो गया है। रात के समय गोठानी स्थित प्राचीन शिव मंदिर के पास सोन नदी के किनारे बने चबूतरे की सीढ़ियों तक पानी पहुंच गया था। स्थानीय निवासियों का कहना है कि प्रशासन ने बढ़ते जलस्तर के संबंध में कोई चेतावनी बोर्ड नहीं लगाया है। केवल एक बोर्ड नदी किनारे न जाने के लिए लगाया गया है। बाढ़ की आशंका के चलते तटवर्ती क्षेत्रों में दहशत का माहौल बना हुआ है।

मध्य प्रदेश में लगातार बारिश के कारण सोन नदी का जलस्तर तेजी से बढ़ा है, जिससे रेणुका और बिजुल नदियाँ भी ओवरलो हो गई हैं और गोठानी स्थित शिव मंदिर की

इसके बावजूद, कुछ लोग नदी किनारे लकड़ी बिनने के लिए जा रहे हैं। ग्रामीणों ने बताया कि पिछले सप्ताह करगरा क्षेत्र में नदी में एक मगरमच्छ भी देखा गया था। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि नदी किनारे पर्याप्त चेतावनी बोर्ड लगाए जाएं, पुलिस गश्त बढ़ाई जाए और मुनादी कराकर लोगों को नदी से दूर रहने की हिदायत दी जाए। इस स्थिति में प्रशासन की ओर से उचित कदम उठाने की आवश्यकता है ताकि स्थानीय लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। बाढ़ की स्थिति को देखते हुए, स्थानीय प्रशासन को चाहिए कि वह त्वरित कार्रवाई करे और लोगों को सुरक्षित स्थानों पर जाने के लिए प्रेरित करे। इसके साथ ही, नदी किनारे की सुरक्षा के लिए आवश्यक उपाय किए जाने चाहिए ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं से बचा जा सके। इस प्रकार की प्राकृतिक आपदाओं के दौरान स्थानीय समुदाय की सुरक्षा सर्वोपरि है। प्रशासन को चाहिए कि वह इस दिशा में गंभीरता से कार्य करे और लोगों को जागरूक करने के लिए प्रभावी कदम उठाए। सामुदायिक सहयोग और प्रशासनिक सक्रियता से ही इस संकट का सामना किया जा सकता है। स्थानीय निवासियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सभी संबंधित विभागों को मिलकर काम करने की आवश्यकता है।

डीपीएस स्कूल में देशभक्ति के उत्साह के साथ मनाया गया स्वतंत्रता दिवस

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

राहुल जायसवाल

नैनी, प्रयागराज। दिल्ली पब्लिक स्कूल में 80वां स्वतंत्रता दिवस देशभक्ति, गर्व और उत्साह के साथ मनाया गया। विद्यालय परिसर में आयोजित समारोह में विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं कर्मचारियों ने स्वतंत्रता संग्राम के वीर सेनानियों के बलिदान को नमन करते हुए राष्ट्र की प्रगति और विकास की यात्रा को स्मरण किया।समारोह का शुभारंभ विद्यालय की प्रधानाचार्या डॉ. सुजाता सिंह द्वारा शैक्षणिक प्रमुख प्रवीण की उपस्थिति में राष्ट्रीय ध्वज फहराकर किया गया। तिरंगा फहराते ही पूरा विद्यालय परिसर राष्ट्रभक्ति के भाव से गूंज उठा। सभी ने एक स्वर में राष्ट्रगीत एवं राष्ट्रगान प्रस्तुत किया तथा राष्ट्रीय ध्वज को सलामी दी।इस अवसर पर वरिष्ठ शिक्षक ऋषि श्रीवास्तव ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए आधुनिक एवं प्रगतिशील भारत के निर्माण में युवाओं की महत्वपूर्ण भूमिका और जिम्मेदारी पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में कक्षा 11 के छात्र राजन रॉय ने भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू के प्रसिद्ध देशभक्ति भाषण 'ट्रिस्ट विद डेस्टिनी' (Tryst with Destiny) का प्रभावशाली वाचन किया। इसके माध्यम से स्वतंत्रता संग्राम के संघर्ष और स्वतंत्रता सेनानियों के योगदान को भावपूर्ण श्रद्धांजलि दी गई।समारोह का समापन विद्यालय के संगीत विभाग द्वारा प्रस्तुत मनमोहक देशभक्ति गीत से हुआ। इसके बाद विद्यार्थियों एवं शिक्षकों के बीच मिठाई का वितरण किया गया। पूरे कार्यक्रम में राष्ट्रप्रेम, एकता और देश के प्रति समर्पण की भावना स्पष्ट रूप से दिखाई दी।

जारी वारंट के अनुपालन में ओबरा पुलिस ने 02 वारण्टी अभियुक्त गिरफ्तार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ओबरा/ सोनभद्र - पुलिस अधीक्षक सोनभद्र अभिषेक वर्मा के निर्देशन में जनपद में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के क्रम में, अपर पुलिस अधीक्षक नगर अनिल कुमार के निर्देशन एवं क्षेत्राधिकारी ओबरा प्रभात राय के कुशल पर्यवेक्षण में थाना ओबरा पुलिस द्वारा वांछित/वारण्टी अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु चलाए जा रहे अभियान के दौरान न्यायालय से जारी वारंट से संबंधित 02 वारण्टी अभियुक्तों को गिरफ्तार कर आवश्यक वैधानिक कार्यवाही की गई। थाना ओबरा पुलिस द्वारा मु0न0 1402/15, धारा 380, 411 भादवि, थाना हाथीनाला से संबंधित वारण्टी अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार अभियुक्तों का विवरण-अन्तू बैगा पुत्र स्व0 मगरू, निवासी ग्राम कुम्हिया, ओबरा, थाना ओबरा, जनपद सोनभद्र, उम्र करीब 58 वर्ष, धीरज बैगा पुत्र धन्नू बैगा, निवासी ग्राम कुम्हिया, ओबरा, थाना ओबरा, जनपद सोनभद्र, उम्र करीब 31 वर्ष। गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम में उ0नि0 रामसागर पटेल, थाना ओबरा,हे0 का0 अवधेश कुमार, का0 अरुण कुमार यादव शामिल रहे।

सोनभद्र में संदिग्ध परिस्थितियों में नाला में औंधे मुंह मिला युवक का शव

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सोनभद्र। रामपुर बरकोनिया थाना क्षेत्र के सिल्थम गांव से करीब तीन किमी दूर कुंडा नाला में संदिग्ध परिस्थितियों में 19 वर्षीय भारत धांगर का शव औंधे मुंह रविवार की सुबह करीब छह बजे मिला। नाला की ओर से गुजर रहे लोगों ने उसका शव देख घटना की जानकारी पुलिस के साथ ही स्वजन को दी। मृतक के मुंह से झाग निकल रहा था और उसके गर्दन पर चोट के निशान होने की चर्चा है। उसके हत्या की आशंका स्वजन ने जताई है। पुलिस ने मृतक का मोबाइल और आधार कार्ड जब्त कर लिया है। मृतक का पिता प्रदीप धांगर परिषदीय विद्यालय में शिक्षामित्र है। सिल्थम गांव निवासी भारत धांगर शनिवार को स्वतंत्रता दिवस पर दोस्तों के साथ घूमा फिरा। शाम को अपने ही गांव में दोस्तों के साथ कबड्डी खेला। रात में वह घर पहुंचा। वहां से अपने दो दोस्तों को बुलाकर फिर बाइक से दुपटिया गांव स्थित अपने नाना के घर चला गया। वहां से उसने अपने दोस्तों को फोन किया। सब लोग खाकर सो गए तो वह वहां से बाइक से अकेले रात करीब एक बजे बाइक से चल दिया। बरकोनिया थानाध्यक्ष राम सिंहासन शर्मा ने बताया कि नाना के घर से निकलने के बाद भारत धांगर ने रात करीब एक बजकर 15 मिनट पर अपने मामा के लड़के को फोन भी किया लेकिन उसने रिसीव नहीं किया। रविवार की सुबह करीब छह बजे नाना के घर से उत्तर दिशा में कुंडा नाला में उसका शव औंधे मुंह गिरा मिला।

शराब-गांजे के नशे में गाली देने से रोका तो भाइयों को पीटा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

क्राइम
स्वतंत्र प्रभात

मोहनलालगंज। रायभानखेड़ा गांव में शराब और गांजे के नशे में गाली-गलौज करने से रोकना एक परिवार को भारी पड़ गया। आरोप है कि चार लोगों ने लाठी-डंडों से राजकमल और उसके भाइयों की पिटाई कर दी। मारपीट में दोनों भाइयों के सिर में गंभीर चोटें आईं। घायलों को सरकारी अस्पताल ले जाया गया, जहां से उन्हें ट्रॉमा सेंटर रेफर कर दिया गया। पीड़ित की तहरीर पर मोहनलालगंज पुलिस ने चार लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। रायभानखेड़ा निवासी राजकमल के मुताबिक, 13 अगस्त की रात करीब 10:30 बजे गांव का दीपक पुत्र गंगा प्रसाद शराब के नशे में उसके और परिवार के लोगों को गालियां दे रहा था। विरोध करने पर आरोप है कि दीपक ने हंसराज, गंगा प्रसाद और गंगा प्रसाद की पत्नी के साथ मिलकर राजकमल और उसके भाइयों से मारपीट शुरू कर दी। लाठी-डंडों से किए गए हमले में दोनों भाइयों के सिर में गंभीर चोटें आईं। परिजनों ने घायलों को इलाज के लिए सरकारी अस्पताल पहुंचाया, जहां हालत गंभीर होने पर चिकित्सकों ने उन्हें ट्रॉमा सेंटर रेफर कर दिया। पीड़ित का आरोप है कि मारपीट के बाद आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए पुलिस द्वारा कुछ न बिगाड़ पाने की बात कह रहे थे। घटना के बाद से पीड़ित परिवार में दहशत का माहौल है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर चार आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन में हर्षोल्लास एवं गरिमापूर्ण वातावरण में मनाया गया स्वतंत्रता दिवस

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सोनभद्र/ उत्तर प्रदेश - जनपद सोनभद्र में स्वतंत्रता दिवस के पावन अवसर पर डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन, सोनभद्र के प्रांगण में स्वतंत्रता दिवस समारोह हर्षोल्लास, उत्साह एवं गरिमापूर्ण वातावरण में आयोजित किया गया। समारोह में जनपद एवं सत्र न्यायाधीश सोनभद्र राम सुलिन सिंह, प्रधान न्यायाधीश परिवार न्यायालय श्रीमती अर्चना अरोड़ा, न्यायाधीश दुर्घटना दावा अधिकरण राम किशोर पांडेय, अपर जनपद एवं सत्र न्यायाधीशगण सहित समस्त न्यायिक अधिकारी, अधिवक्तागण, न्यायिक एवं प्रशासनिक अधिकारी, वादकारी तथा आमजन उपस्थित रहे। समारोह के अवसर पर भारत रत्न बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर न्यायिक अधिकारियों, अधिवक्ताओं एवं उपस्थित जनसमुदाय द्वारा माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धापूर्वक नमन किया गया। इस अवसर पर संविधान निर्माण में बाबा साहब के अतुलनीय योगदान तथा सामाजिक न्याय, समानता और लोकतांत्रिक मूल्यों की स्थापना के लिए उनके संघर्ष एवं विचारों को स्मरण किया गया। इसके उपरांत राष्ट्रध्वज को सम्मानपूर्वक नमन किया गया तथा देश की स्वतंत्रता के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर करने वाले अमर स्वतंत्रता सेनानियों एवं वीर शहीदों को श्रद्धापूर्वक स्मरण किया गया। उपस्थित जनसमुदाय ने राष्ट्र की एकता एवं अखंडता को अक्षुण्ण बनाए रखने, लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा करने तथा देश की प्रगति में अपना सक्रिय योगदान देने का संकल्प लिया। समारोह में विभिन्न सांस्कृतिक एवं देशभक्तिपूर्ण कार्यक्रमों का भी आयोजन किया गया। देशभक्ति से ओत-प्रोत प्रस्तुतियों ने पूरे वातावरण को राष्ट्रप्रेम, उत्साह और राष्ट्रीय गौरव की भावना से भर दिया। न्यायिक अधिकारियों, अधिवक्ताओं एवं आमजन ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियों का उत्साहपूर्वक आनंद लिया। समारोह की अध्यक्षता डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन, सोनभद्र के अध्यक्ष अरुण कुमार सिंह एडवोकेट ने की तथा कार्यक्रम का सफल एवं गरिमापूर्ण संचालन डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन के महामंत्री श्री राजेंद्र कुमार यादव एडवोकेट द्वारा किया गया। इस अवसर पर जगजीवन सिंह, श्याम बिहारी यादव, पवन कुमार सिंह, राजेश यादव, चतुर्भुज शर्मा,संतोष यादव, सुरेश सिंह कुशवाहा, पंकज यादव, द्वारकानाथ नागर, विनीत श्रीवास्तव, प्रेमप्रताप विश्वकर्मा, टीटू प्रसाद गुप्ता, अभिषेक सिंह मौर्य, सुमन, चंद्रकला गिरी, समृद्धि कुशवाहा, सुदेश कुमार, आदर्श देव पांडेय आदि अधिवक्ताओं एवं जनसमुदाय ने स्वतंत्रता के अमूल्य आदर्शों को आत्मसात करते हुए राष्ट्र की सेवा, संविधान की मर्यादा एवं विधि के शासन के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

उचित दर विक्रेताओं को अतिरिक्त लाभांश वितरण की घोषणा 17 अगस्त को

सुबह 10 बजे से विधानसभा-वार आयोजित होगा कार्यक्रम

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सोनभद्र/ उत्तर प्रदेश- जिलाधिकारी चर्चित गौड़ ने अवगत कराया है कि प्रदेश के मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश की अध्यक्षता में प्रदेश में कार्यरत उचित दर विक्रेताओं को राज्य सरकार के बजट से अतिरिक्त लाभांश वितरण की घोषणा के संबंध में कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। जनपद सोनभद्र में उक्त कार्यक्रम का 17 अगस्त 2026 को प्रातः 10:00 बजे से विधानसभा-वार आयोजन किया जाएगा। जिलाधिकारी ने बताया कि कार्यक्रम के सुचारु एवं सफल संचालन के लिए विधानसभा-वार नोडल अधिकारियों को नामित किया गया है। विधानसभा-वार नामित नोडल अधिकारी निम्नवत हैं- विधानसभा राबर्ट्सगंज- उपजिलाधिकारी (न्यायिक), राबर्ट्सगंज, विधानसभा घोरावलः उपजिलाधिकारी, घोरावल, विधानसभा ओबरा-उपजिलाधिकारी, ओबरा, विधानसभा दुद्धीः उपजिलाधिकारी (न्यायिक), दुद्धी। जिलाधिकारी चर्चित गौड़ ने सभी नामित नोडल अधिकारियों को निर्देशित किया है कि आयुक्त, खाद्य एवं रसद विभाग, उत्तर प्रदेश द्वारा जारी निर्देशों के अनुपालन में अपने-अपने विधानसभा क्षेत्र में 17 अगस्त को प्रातः 10:00 बजे से कार्यक्रम का सफल एवं सुव्यवस्थित आयोजन सुनिश्चित करें।

गैर इरादतन हत्या के अभियोग में वांछित अभियुक्त को म्योरपुर पुलिस ने 10 घंटे के भीतर किया गिरफ्तार

सोनभद्र/ उत्तर प्रदेश- पुलिस अधीक्षक सोनभद्र अभिषेक वर्मा के निर्देशन में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के क्रम में, अपर पुलिस अधीक्षक ऑपरेशन ऋषभ रुणवाल के दिशा-निर्देशन एवं क्षेत्राधिकारी दुद्धी विनय प्रभाकर साहनी के कुशल नेतृत्व में थाना म्योरपुर पुलिस द्वारा गैर इरादतन हत्या के अभियोग में वांछित एक अभियुक्त को अभियोग पंजीकृत होने के मात्र 10 घंटे के भीतर किया गिरफ्तार। दिनांक15.08.2026 को थाना म्योरपुर पर पंजीकृत मु0 अ0 सं0- 98/ 2026, धारा 105 बीएनएस से संबंधित अभियुक्त संतलाल पुत्र स्व0 मेहीलाल गोड़, निवासी ग्राम करहिया, थाना म्योरपुर, जनपद सोनभद्र, उम्र करीब 40 वर्ष को थाना म्योरपुर पुलिस टीम द्वारा रविवार दिनांक 16.08.2026 को समय 08:22 बजे प्रातः उसके घर से गिरफ्तार किया गया। अभियुक्त के पास से एक अदद आला कत्ल सफेद रंग की बाल्टी बरामद किया गया। गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम में थानाध्यक्ष संतोष कुमार सिंह, थाना म्योरपुर,उ0 नि0 परमानन्द त्रिपाठी, चौकी प्रभारी लिलासी, थाना म्योरपुर, हे0का0 प्रमोद कुमार यादव, का0 रामजीत बिन्द शामिल रहे।

टिश्यू कल्चर विधि से 25 हेक्टेयर में होगी केले की खेती

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मीरजापुर। विंध्य क्षेत्र में परंपरागत खेती के साथ किसानों को औद्यानिक खेती के लिए भी प्रोत्साहित किया जा रहा है। उद्यान विभाग की ओर से एकीकृत बागवानी मिशन योजना के तहत टिश्यू कल्चर विधि से केले की खेती का दायरा बढ़ाया जा रहा है। वर्ष 2026-27 में 25 हेक्टेयर क्षेत्रफल में केले की खेती कराने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इस पहल का उद्देश्य कम लागत में किसानों की उत्पादकता बढ़ाने के साथ उनकी आय में वृद्धि करना है। ड्रिप विधि से सिंचाई को बढ़ावा देकर जल संरक्षण पर भी जोर दिया जा रहा है। जनपद में प्रतिदिन करीब 10 ट्रक केले की खपत होती है, जिसकी पूर्ति के लिए पहले दूसरे प्रदेशों से केला मंगाया जाता था। अब राजगढ़ क्षेत्र में केले का उत्पादन बढ़ने से स्थानीय स्तर पर इसकी उपलब्धता बढ़ रही है। टिश्यू कल्चर विधि से केले की खेती में प्रति हेक्टेयर करीब 1.75 लाख रुपये की लागत आती है। किसानों को इस पर 40 प्रतिशत, अधिकतम 70 हजार रुपये तक का अनुदान दो चरणों में दिया जाता है।

एक पौधे से तीन बार फसल

केले की खेती करने वाले किसान एक बार पौधा लगाने के बाद तीन बार तक फसल प्राप्त कर सकते हैं। इसकी खेती जुलाई से सितंबर के बीच की जाती है। केले के एक पौधे की कीमत करीब 20 रुपये होती है। उप निदेशक उद्यान मेवा राम ने बताया कि जनपद में उद्यान विभाग की ओर से वर्ष 2018 में केले की खेती की शुरुआत कराई गई थी। वर्तमान में 500 से अधिक किसान केले की खेती कर रहे हैं। किसानों को परंपरागत खेती के साथ केले की खेती अपनाकर आर्थिक रूप से स्वावलंबी बनने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है।

अनपरा परियोजना में हर्षोल्लास से मनाया गया स्वाधीनता दिवस

सीजीएम ने ध्वजारोहण कर मार्चपास्ट की सलामी ली

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

अनपरा (सोनभद्र)। अनपरा तापीय परियोजना परिसर स्थित सीआईएसएफ परेड ग्राउंड में 80वां स्वाधीनता दिवस समारोह उत्साह और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। मुख्य अतिथि एवं परियोजना के मुख्य महाप्रबंधक इं. अजय कुमार कटियार ने ध्वजारोहण कर तिरंगे को सलामी दी। राष्ट्रगान के बाद उन्होंने स्कूली बच्चों और सुरक्षा जवानों की आकर्षक मार्चपास्ट की सलामी ली तथा स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों एवं वीर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की। समारोह को संबोधित करते हुए इं. कटियार ने कहा कि स्वतंत्रता दिवस अमर शहीदों के संघर्ष और बलिदान को याद करने का अवसर है। उन्होंने कहा कि अनपरा परियोजना ऊर्जा क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। परियोजना की पुरानी इकाइयां भी कम लागत, न्यूनतम तेल और सहायक विद्युत खपत के साथ लगातार विद्युत उत्पादन कर नए कीर्तिमान स्थापित कर रही हैं। इससे प्रदेश की बिजली जरूरतों को पूरा करने के साथ देश के विकास में भी योगदान मिल रहा है। उन्होंने कहा कि परियोजना की ओर से क्षेत्रवासियों को बिजली उत्पादन के साथ चिकित्सा, शिक्षा, पेयजल, हरित वातावरण और अन्य मूलभूत सुविधाएं भी उपलब्ध कराई जा रही हैं। उन्होंने बिजली कर्मियों से अपने दायित्वों का ईमानदारी से निर्वहन करने और राष्ट्र की एकता व अखंडता बनाए रखने का आह्वान किया। समारोह का मुख्य आकर्षण सांस्कृतिक कार्यक्रम रहा। स्थानीय विद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने देशभक्ति से ओतप्रोत प्रस्तुतियां देकर उपस्थित लोगों को स्वतंत्रता संग्राम की याद दिला दी। कार्यक्रम का संचालन इं. पवन तिवारी और इं. धर्मेंद्र रामकरन ने किया। इस अवसर पर मुख्य अभियंता आर एंड एम इं. अतुल कुमार, महाप्रबंधक प्रशासन इं. एसएन मिश्र, महाप्रबंधक इं. प्रशांत त्रिपाठी, इं. चंद्र प्रकाश, इं. डीके सिंह, इं. निशीथ शर्मा, सीआईएसएफ समादेष्टा नितिन तोमर, मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. अमरनाथ बरनवाल समेत परियोजना के वरिष्ठ अधिकारी, महिला मंडल की पदाधिकारी, कर्मचारी, श्रम संगठनों के प्रतिनिधि और बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

शराब के नशे में गाली-गलौज और जान से मारने की धमकी, दो पर मुकदमा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

क्राइम
स्वतंत्र प्रभात

लखनऊ। मोहनलालगंज कस्बे में शराब के नशे में गाली-गलौज कर जान से मारने और फर्जी मुकदमे में फंसाकर जेल भेजने की धमकी देने का मामला सामने आया है। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने बर्खास्त सिपाही रोशन रजा और उसके साथी रामचंद्र के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। गोपालखेड़ा निवासी मनीष सिंह ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि 13 अगस्त की शाम वह कस्बे में मौजूद था। इसी दौरान बर्खास्त सिपाही रोशन रजा ने फोन कर शराब के नशे में गाली-गलौज शुरू कर दी। विरोध करने पर आरोपी मौके पर पहुंच गया और जान से मारने की धमकी देने लगा। आरोप है कि उसने फर्जी मुकदमे में फंसाकर जेल भेजने की धमकी भी दी। आसपास मौजूद लोगों ने बीच-बचाव कर मामला शांत कराया। पीड़ित के मुताबिक, 15 अगस्त की रात करीब आठ बजे रोशन ने अपने साथी रामचंद्र के फोन से दोबारा कॉल की और गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी दी। आरोप है कि इसके बाद रामचंद्र ने भी फोन लेकर मनीष से अभद्र भाषा का प्रयोग किया और धमकाया। मनीष ने पुलिस को बताया कि आरोपी पहले भी जेल जा चुका है और खुद को पूर्व मंत्री का करीबी बताकर लोगों पर रौब गांठता है। पीड़ित ने पुलिस से आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। मोहनलालगंज पुलिस ने तहरीर के आधार पर दोनों आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है और साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

संक्षिप्त खबरें

क्षत्रिय कल्याण परिषद के कार्यालय पर हुआ ध्वजारोहण

प्रतापगढ़। 80वें स्वतंत्रता दिवस पर ध्वजारोहण करते अखिल भारतीय क्षत्रिय कल्याण परिषद जिला इकाई प्रतापगढ़ के जिला कार्यालय पर हर्षोल्लास के साथ ध्वजारोहण कार्यक्रम संपन्न हुआ।तिरंगे को प्रणाम कर संगठन के पदाधिकारियों ने देश की एकता, अखंडता और संप्रभुता को बनाए रखने का संकल्प लिया। सभी पदाधिकारियों ने एक देश एक कानून और सामाजिक समरसता का संदेश दिया। इस पावन अवसर पर जिला संरक्षक नरेन्द्र बहादुर सिंह पूर्व मैनेजर ग्रामीण बैंक, नगर अध्यक्ष श्री आरबी सिंह पूर्व सहायक निदेशक सूचना, नगर महामंत्री डीपी सिंह पूर्व प्रबंधक उत्तर प्रदेश ग्रामीण बैंक, जिला उपाध्यक्ष विनय सिंह प्रीमियम मैरेज पैलेस गाय घाट रोड जानकी पुरम्, सतीश सिंह, रबी प्रताप सिंह, दिनेश सिंह आदि गणमान्य लोग उपस्थित रहे। जिला अध्यक्ष राम लखन सिंह ने कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए सभी सम्मानित पदाधिकारियों का हार्दिक आभार व्यक्त किया।

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर जिलाधिकारी ने कैम्प कार्यालय व कलेक्ट्रेट में किया ध्वजारोहण

प्रतापगढ़। आज़ादी का पर्व स्वतंत्रता दिवस 15 अगस्त को जनपद प्रतापगढ़ में पूरे जोश, उत्साह और देशभक्ति की भावना के साथ मनाया गया। 80वें स्वतंत्रता दिवस पर जनपद में सुबह से ही राष्ट्रीय ध्वज फहराने और शहीदों को नमन करने का सिलसिला जारी रहा। सरकारी, अर्ध-सरकारी, गैर-सरकारी संस्थानों के साथ-साथ स्कूल, कॉलेज और सामाजिक संगठनों ने भी इस ऐतिहासिक दिन पर ध्वजारोहण किया तथा देश के अमर शहीदों की शहादत को याद करते हुये उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गयी। जगह-जगह देशभक्ति गीतों की गूंज सुनाई दी और सांस्कृतिक कार्यक्रमों में बच्चों ने देश की आन-बान-शान का संदेश दिया। जिलाधिकारी अभिषेक पाण्डेय ने कैम्प कार्यालय व कलेक्ट्रेट परिसर में ध्वजारोहण किया और उसके उपरान्त राष्ट्रगान का भावपूर्ण गायन किया गया। इस अवसर कलेक्ट्रेट में अपर जिलाधिकारी (वि0/ रा0) आदित्य प्रजापति, मुख्य राजस्व अधिकारी अजय कुमार तिवारी सहित अधिवक्तागण, कलेक्ट्रेट के अधिकारी/कर्मचारी, वरिष्ठ नागरिकगण उपस्थित रहे।

उत्साह और उमंग के साथ मना स्वतंत्रता दिवस

नगर पालिका अध्यक्ष विनय जायसवाल ने किया ध्वजारोहण, निकाली गई भव्य प्रभातफेरी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रमोद रोनियार

पडरौना। देश की आजादी की 80 वीं वर्षगांठ के अवसर पर पडरौना नगर में स्वतंत्रता दिवस पूरे उत्साह, उमंग और देशभक्ति की भावना के साथ मनाया गया। नगर पालिका परिषद के अध्यक्ष विनय जायसवाल ने नगरपालिका कार्यालय परिसर में ध्वजारोहण कर राष्ट्रध्वज को नमन किया। इसके बाद राष्ट्रगान हुआ और उपस्थित लोगों ने देश की एकता, अखंडता एवं संप्रभुता की रक्षा का संकल्प लिया। ध्वजारोहण के बाद नगर पालिका अध्यक्ष के नेतृत्व में भव्य प्रभातफेरी निकाली गई। प्रभातफेरी तिलक चौक से शुरू होकर कोतवाली रोड, सुभाष चौक, गांधी चौक, रामकोला रोड होते हुए बावली चौक पहुंची। मार्ग में स्थापित विभिन्न महापुरुषों की प्रतिमाओं पर पालिकाध्यक्ष एवं उपस्थित लोगों ने माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों एवं महापुरुषों के त्याग और योगदान को याद करते हुए उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया गया। इस दौरान जलकल भवन परिसर में भी ध्वजारोहण किया गया। भारत माता की जय, वंदे मातरम् और जय हिंद के नारों से पूरा नगर देशभक्ति के रंग में रंगा नजर आया। कार्यक्रम के समापन पर बावली चौक स्थित महाराणा प्रताप की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया। पालिकाध्यक्ष विनय जायसवाल ने कहा कि देश की आजादी लंबे संघर्ष, त्याग और असंख्य स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान का परिणाम है। स्वतंत्रता दिवस केवल उत्सव मनाने का दिन नहीं, बल्कि देश के प्रति अपने कर्तव्यों को याद करने और राष्ट्र निर्माण में अपनी भूमिका तय करने का अवसर भी है। उन्होंने कहा कि देश की तरक्की तभी संभव है, जब प्रत्येक नागरिक अपनी जिम्मेदारी समझते हुए ईमानदारी और निष्ठा के साथ राष्ट्रहित में कार्य करे। उन्होंने नगर के विकास के साथ स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण, सामाजिक सद्भाव और नागरिक सुविधाओं को बेहतर बनाने को सामूहिक जिम्मेदारी बताया। युवाओं से शिक्षा, अनुशासन और मेहनत के माध्यम से राष्ट्र के विकास में योगदान देने का आह्वान किया। कार्यक्रम में अध्यक्ष प्रतिनिधि मनीष 'बुलबुल' जायसवाल, सभासद श्याम साहा, अमानतुल्लाह, प्रमोद श्रीवास्तव, शारदापाल सिंह, रामाश्रय, बलवंत सिंह, भोली जायसवाल, करीम, प्रवीण कुमार सिंह, अनिल जायसवाल, अरुण कुशवाहा, अब्दुल्ला, छोटे कुशवाहा, मैनुद्दीन, संतोष गुप्ता, राजस्व अधीक्षक हरिश्चंद्र, कर निरीक्षक रवि प्रताप सिंह, रियाजुद्दीन, महेंद्र प्रसाद, सतीश प्रसाद, नीरज मिश्र, भारत चौधरी, अभय मारोदिया, भास्कर शर्मा, भास्कर पाठक, अभय तिवारी, आकाश वर्मा, मंथन सिंह, बृजेश शर्मा, अमित तिवारी, नन्हे पाण्डेय, अंशु जायसवाल, सिद्धार्थ जायसवाल सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

जिला कारागार में 80वां स्वतंत्रता दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रतापगढ़। जिला कारागार प्रतापगढ़ में 80 वां स्वतंत्रता दिवस अत्यन्त हर्षोल्लास और गरिमामय वातावरण में आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ ध्वजारोहण के साथ हुआ, जिसके उपरान्त राष्ट्रगान एवं देशभक्ति के नारों से पूरा परिसर गुंजायमान हो गया। जेल अधीक्षक द्वारा समस्त कर्मिकों को सम्बोधित करते हुये सरकारी योजनाओं को विस्तृत रूप बताया गया। इस अवसर पर कारागार के समस्त अधिकारियों/ कर्मचारियों, पी0ए0 सी. तथा पुलिस बल के जवानों ने सक्रिय योगदान दिया। जेल अधीक्षक ऋषभ द्विवेदी द्वारा महिला बैरक में निरुद्ध महिला बंदियों एवं उनके बच्चों को फल एवं कारागार चिकित्सालय में भर्ती समस्त बन्दियों को मिष्ठान वितरित किया गया। सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक कार्यक्रम में बंदियों द्वारा देशभक्ति पर आधारित सांस्कृतिक कार्यक्रम और देश भक्ति गीत प्रस्तुत किए गए। कार्यक्रम के दौरान बन्दियों एवं कारागार कार्मिकों में देश भक्ति, राष्ट्रीय एकता तथा सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना को प्रोत्साहित किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जेल अधीक्षक ने कहा कि इस तरह के आयोजनों का मुख्य उद्देश्य बंदियों में सकारात्मक ऊर्जा, आत्मसंयम और नैतिक मूल्यों का विकास करना है। कारागार प्रशासन बंदियों के सुधार और पुनर्वास की दिशा में निरंतर प्रयासरत है।

उत्कृष्ट कार्य के लिए वन विभाग के दिनेश कुमार चौरसिया सम्मानित

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

गोरखपुर। स्वतंत्रता दिवस के शुभ अवसर पर वन विभाग में उत्कृष्ट एवं सराहनीय कार्य करने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों को सम्मानित किया गया। इसी क्रम में दिनेश कुमार चौरसिया, प्रभारी क्षेत्रीय वनाधिकारी, मुख्यालय रेंज, गोरखपुर वन प्रभाग, गोरखपुर को उनके उत्कृष्ट कार्यों के लिए विशेष सम्मान प्रदान किया गया। लखनऊ में आयोजित सम्मान समारोह के दौरान श्री सुनील चौधरी, हेड ऑफ फॉरेस्ट फोर्स, प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं विभागाध्यक्ष, उत्तर प्रदेश ने दिनेश कुमार चौरसिया को मेडल पहनाकर तथा प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। वन विभाग के क्षेत्र में जिम्मेदारी, कर्तव्यनिष्ठा एवं उत्कृष्ट कार्यशैली के लिए मिले इस सम्मान को विभागीय स्तर पर महत्वपूर्ण उपलब्धि के रूप में देखा जा रहा है। स्वतंत्रता दिवस जैसे राष्ट्रीय पर्व पर मिला यह सम्मान उनके कार्यों के प्रति विभाग की सराहना और विश्वास को दर्शाता है। सम्मान मिलने पर वन विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों में खुशी का माहौल रहा। सहकर्मियों ने दिनेश कुमार चौरसिया को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। वहीं, इस सम्मान से उनके परिवार और शुभचिंतकों में भी हर्ष व्याप्त है। वन विभाग से जुड़े लोगों का कहना है कि ऐसे सम्मान कर्मठ एवं ईमानदारी से कार्य करने वाले अधिकारियों का उत्साह बढ़ाते हैं तथा अन्य कर्मचारियों को भी अपने दायित्वों के प्रति और बेहतर कार्य करने की प्रेरणा देते हैं।

हरियाली तीज पर सजा उत्सव का रंग, राधा-कृष्ण नृत्य ने मोहा मन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

उन्नाव। देश की आजादी की 80 वीं वर्षगांठ के अवसर पर 15 अगस्त 2026 को श्री राधिका सेवा समिति (रजिस्टर्ड) के तीन वर्ष पूर्ण होने पर हरियाली तीज का भव्य कार्यक्रम शहर स्थित पार्क विव पैलेस में आयोजित किया गया। समिति की संस्थापक गुड़िया चौहान के नेतृत्व में आयोजित समारोह में हरियाली तीज की उमंग के साथ देशभक्ति का भी अद्भुत संगम देखने को मिला। कार्यक्रम में 'वंदे मातरम्' का सामूहिक गायन कर देश की आजादी के पर्व को श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में महिलाओं को सशक्त और आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से मेहंदी प्रतियोगिता, पूजा एवं व्रत कथा, सजावट प्रतियोगिता, सांस्कृतिक कार्यक्रम, गीत-संगीत, विभिन्न खेल तथा आकर्षक उपहारों की व्यवस्था की गई। महिलाओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लेते हुए कार्यक्रम को यादगार बना दिया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि नगर पालिका अध्यक्ष श्वेता मिश्रा रहीं। उन्होंने समिति के सामाजिक कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि महिलाओं को हुनर सिखाकर आत्मनिर्भर बनाना समाज को मजबूत बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण प्रयास है। श्री राधिका सेवा समिति का प्रमुख उद्देश्य जरूरतमंद महिलाओं को गरीबी से उबारकर उन्हें हुनरमंद एवं आत्मनिर्भर बनाना है, ताकि वे अपने बल पर काम करके परिवार का पालन-पोषण कर सकें। इसके साथ ही गरीब एवं जरूरतमंद बेटियों के विवाह सहित अनेक सामाजिक एवं पुण्य कार्यों को अंजाम देना समिति के प्रमुख उद्देश्यों में शामिल है। समिति के सामाजिक कार्यों को आगे बढ़ाने में संस्थापक गुड़िया चौहान के पति उदय प्रताप सिंह का भी महत्वपूर्ण योगदान रहा है।

समारोह का सबसे मनमोहक आकर्षण राधा-कृष्ण का नृत्य रहा। मनमोहक प्रस्तुति देखकर कार्यक्रम में मौजूद लोगों ने कलाकारों की भूरि-भूरि प्रशंसा की और तालियों से उनका उत्साहवर्धन किया। वहीं अभिषेक अस्थाना की शानदार एंकरिंग ने पूरे कार्यक्रम में जोश और उत्साह बनाए रखा। कार्यक्रम में शर्मिला सिंह चौहान, नीतू त्रिवेदी (कोषाध्यक्ष), कीर्ति श्रीवास्तव, रेखा श्रीवास्तव, सुधा सिंह पीडी नगर, पूजा मिश्रा, इला दीक्षित, अर्चना सिंह, मीरा सिंह, प्रियंका सिंह, मंजू सिंह, अर्चना उपाध्याय, पुष्पा चंदेल, गीता मिश्रा, पुष्प लता, रानी यादव, अंजू सिंह, प्रियंका पाल, सोनी तिवारी सहित तमाम महिलाएं उपस्थित रहीं। आरती तिवारी 'पिंकी' कानपुर, नंदिता मल्होत्रा, सिल्की कृष्णा फर्नीचर्स, रंजना पांडे, रतना मिश्रा, कंचन अस्थाना सहित अन्य गणमान्य लोगों की मौजूदगी रही। समाजसेवी डॉ. मनीष सिंह, मुनेंद्र सिंह चंदेल, अरमान सिद्दीकी समेत अनेक सम्मानित जनों ने कार्यक्रम में सहभागिता की। हरियाली तीज की उमंग, महिलाओं की प्रतिभा, सामाजिक सेवा और 'वंदे मातरम्' के देशभक्ति भाव से सराबोर यह आयोजन देर तक यादगार बना रहा। समिति के तीन वर्ष पूरे होने पर उपस्थित लोगों ने संस्थापक गुड़िया चौहान एवं पूरी टीम को शुभकामनाएं देते हुए सामाजिक सेवा के कार्यों को निरंतर आगे बढ़ाने की कामना की।

खजनी तहसील में धूमधाम से मनाया गया स्वतंत्रता दिवस, हर ओर गूंजा देशभक्ति का संदेश

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

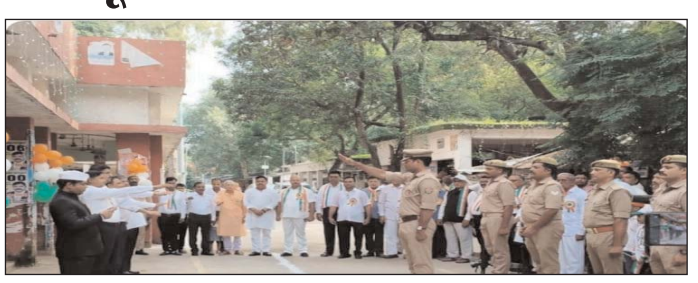

खजनी, गोरखपुर। 80वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर खजनी तहसील क्षेत्र में शुक्रवार को सरकारी, शैक्षणिक और निजी संस्थानों सहित गांव-गांव में देशभक्ति का उत्साह देखने को मिला। सुबह से ही विभिन्न स्थानों पर ध्वजारोहण, राष्ट्रगान, प्रभात फेरी और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। खजनी तहसील परिसर में उपजिलाधिकारी ने सुबह नौ बजे राष्ट्रीय ध्वज फहराया। इसके बाद राष्ट्रगान हुआ और पुलिस व होमगार्ड की टुकड़ी ने परेड कर सलामी दी। कार्यक्रम के दौरान शहीदों के परिजनों और स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों को सम्मानित कर उनके योगदान को याद किया गया। खजनी ब्लॉक परिसर में ब्लॉक प्रमुख और खंड विकास अधिकारी ने ध्वजारोहण किया। अधिकारियों और कर्मचारियों ने राष्ट्र के प्रति निष्ठा एवं कर्तव्य पालन की शपथ ली। वहीं खजनी थाना परिसर में क्षेत्राधिकारी खजनी एवं प्रभारी निरीक्षक ने ध्वजारोहण किया। पुलिसकर्मियों ने परेड के माध्यम से राष्ट्रीय ध्वज को सलामी दी।

क्षेत्र के प्राथमिक, माध्यमिक और इंटर कॉलेजों में प्रधानाचार्यों व प्रबंधकों ने तिरंगा फहराया। छात्र-छात्राओं ने देशभक्ति गीत, भाषण और सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर स्वतंत्रता दिवस की खुशियां मनाई। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, डाकघर और कृषि कार्यालय सहित विभिन्न सरकारी विभागों में भी ध्वजारोहण हुआ। निजी विद्यालयों के बच्चों ने तिरंगा यात्रा और प्रभात फेरी निकालकर लोगों में देशभक्ति का संदेश दिया। मुख्य बाजार में व्यापारियों ने सामूहिक रूप से झंडारोहण कर मिठाई वितरित की। युवा समितियों ने रक्तदान शिविर और पौधारोपण जैसे सामाजिक कार्यक्रम आयोजित किए। गांवों में भी घरों, दुकानों और प्रतिष्ठानों पर तिरंगा लहराता नजर आया। सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद रही और सभी कार्यक्रम शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुए। नगर पंचायत अध्यक्ष महेश दुबे ने कहा कि पूरा खजनी तहसील क्षेत्र देशभक्ति के रंग में रंगा दिखाई दिया। संस्थानों और आमजन की सक्रिय भागीदारी से स्वतंत्रता दिवस समारोह सफल रहा। कार्यक्रमों में बड़ी संख्या में छात्र, शिक्षक और ग्रामीण मौजूद रहे।

बेगम खेड़ा में अवैध शराब बिक्री की शिकायत, 24 घंटे कारोबार का आरोप

ग्रामीणों ने कार्रवाई की मांग उठाई, आबकारी अधिकारी बोले–जल्द होगी कार्रवाई

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

उन्नाव। सोहरामऊ थाना क्षेत्र के बेगम खेड़ा गांव में कथित तौर पर अवैध शराब की बिक्री को लेकर ग्रामीणों में नाराजगी बताई जा रही है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि गांव में खुलेआम और कथित रूप से 24 घंटे अवैध शराब की बिक्री हो रही है। इससे गांव का माहौल प्रभावित होने की बात कही जा रही है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि अवैध शराब की बिक्री पर समय रहते अंकुश नहीं लगाया गया तो नशे के कारण विवाद, दुर्घटना या कोई अन्य गंभीर घटना होने की आशंका बनी रहेगी। ऐसे में लोगों ने पुलिस और आबकारी विभाग से मामले की जांच कर प्रभावी कार्रवाई की मांग की है। बताया गया कि सोहरामऊ थाना क्षेत्र में पूर्व में भी अवैध शराब से जुड़े मामले सामने आ चुके हैं। जनवरी 2026 में सोहरामऊ पुलिस ने 33 पौवा अवैध देशी शराब बरामद कर आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की थी। इसके बावजूद बेगम खेड़ा में कथित रूप से अवैध शराब की बिक्री की शिकायत सामने आने से निगरानी और कार्रवाई पर सवाल उठ रहे हैं। इस संबंध में जिला आबकारी अधिकारी से बातचीत की गई तो उन्होंने जल्द कार्रवाई किए जाने की बात कही। उन्होंने मामले में आबकारी निरीक्षक से संपर्क करने के लिए उनका नंबर भी उपलब्ध कराया। अब देखना यह है कि शिकायत के बाद आबकारी विभाग और सोहरामऊ पुलिस मौके पर जांच कर कथित अवैध शराब बिक्री की हकीकत सामने लाते हैं या नहीं। ग्रामीणों को कार्रवाई का इंतजार है।

युवा देश की शक्ति हैं, स्वस्थ युवा ही बनाएंगे सशक्त राष्ट्र

गोपीगंज। पर्यावरण संरक्षण और जन-स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से भदोही साइकिलिंग क्लब ने रविवार को जागरूकता साइकिल यात्रा निकाली। साइकिल मैन भदोही अताउल मुस्तफा अंसारी के नेतृत्व में यात्रा गोपीगंज के बड़े चौराहे से शुरू होकर फूलबाग, थानीपुर, इब्राहिमपुर, सिंहपुर होते हुए ज्ञानपुर के मुखर्जी पार्क पहुँची। मुखर्जी पार्क में नगर पंचायत अध्यक्ष डॉ. घनश्याम दास गुप्ता ने साइकिल यात्रियों का स्वागत किया और हरी झंडी दिखाकर यात्रा को आगे रवाना किया। उन्होंने कहा कि युवा देश की शक्ति हैं, स्वस्थ युवा ही सशक्त राष्ट्र का निर्माण कर सकते हैं। इसके बाद वह स्वयं साइकिल लेकर यात्रा में शामिल हुए। यात्रा के दौरान साइकिल चलाएं ईंधन बचाएं वृक्ष लगाओ पर्यावरण बचाओ और करो योग रहो निरोग जैसे नारों से वातावरण गूंज उठा। यात्रा हरिहरनाथ मंदिर, राजा बाजार, पुलिस लाइन, प्रोफेसर कॉलोनी और पुरानी बाजार होते हुए ज्ञानपुर दुर्गागंज तिराहे पर संपन्न हुई।

चार्जशीट से नाम हटाने की शिकायत, पेशकार की भूमिका पर उठे सवाल, एसएसपी ने दिए जांच के आदेश

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बाजार/गोरखपुर: गोला थाना क्षेत्र के फत्तेपुर गांव में नाबालिग रितेश यादव पर हुए कथित जानलेवा हमले के मामले में चार्जशीट से दो आरोपितों के नाम हटाए जाने की शिकायत से पुलिस महकमे में हलचल मच गई है। घायल किशोर की मां पानमती पत्नी धर्मेंद्र ने क्षेत्राधिकारी गोला कार्यालय के पेशकार दिनेश सिंह की भूमिका पर गंभीर सवाल उठाते हुए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक गोरखपुर से शिकायत की है। शिकायत को गंभीरता से लेते हुए एसएसपी ने मामले की जांच के आदेश दिए हैं। पानमती के मुताबिक, बीते 13 जून को गांव के चौराहे पर उनके नाबालिग पुत्र रितेश यादव पर गुड्डी देवी, उसके पुत्र आर्यन यादव व आदित्य यादव, धीरज यादव, शुभम यादव, रामप्रवेश उर्फ प्रवेश यादव और कौशल यादव ने कथित रूप से लोहे की पाइप, रॉड और लाठी- डंडों से हमला किया था। हमले में रितेश गंभीर रूप से घायल हुआ। उसके जबड़े में गंभीर चोट आई, जबकि सिर में चोट लगने के कारण टांके भी लगाए गए। हालत गंभीर होने पर परिजन उसे इलाज के लिए गोरखपुर से लखनऊ तक ले गए। शिकायत के अनुसार मामले में बीएनएस की विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया और गंभीर चोट के बाद धारा 109 बीएनएस की बढ़ोतरी भी की गई। आरोपित धीरज यादव और कौशल यादव की जमानत जिला एवं सत्र न्यायालय गोरखपुर से 2 जुलाई को खारिज हो चुकी है। विवेचक ने 31 जुलाई को घायल रितेश का उसके घर पहुंचकर बयान दर्ज किया था। इसके बाद विवेचना पूरी कर चार्जशीट क्षेत्राधिकारी गोला कार्यालय भेजी गई।

पेशकार पर नाम हटाने के लिए दोबारा बयान कराने का आरोप

पानमती ने एसएसपी को दी शिकायत में आरोप लगाया है कि चार्जशीट से शुभम यादव और रामप्रवेश उर्फ प्रवेश यादव के नाम हटाने के लिए घायल रितेश को दोबारा बयान दर्ज कराने के लिए पेशकार दिनेश सिंह द्वारा कार्यालय बुलाया जा रहा है। शिकायत में यह भी आरोप लगाया गया है कि मामले की जानकारी क्षेत्राधिकारी को न देने की बात कही जा रही है। हालांकि, इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हो सकी है। पीड़िता ने आरोपित पक्ष पर धमकी देने और समझौता न करने पर फर्जी मुकदमे में फंसाने की धमकी देने का भी आरोप लगाया है। उन्होंने अपने दोनों पुत्रों की सुरक्षा को लेकर भी आशंका जताई है। पानमती ने एसएसपी से निष्पक्ष जांच, बिना दबाव सभी आरोपितों के नाम न्यायालय भेजने और परिवार की सुरक्षा सुनिश्चित कराने की मांग की है। एसएसपी द्वारा जांच के आदेश दिए जाने के बाद अब जांच रिपोर्ट पर सबकी निगाहें टिकी हैं। रिपोर्ट सामने आने के बाद ही यह स्पष्ट होगा कि लगाए गए आरोपों में कितनी सच्चाई है और मामले में आगे क्या कार्रवाई होती है।

भाजपा नेता नितेश शर्मा के नेतृत्व में भानपुर में उमड़ा जनसैलाब, निकाली भव्य 'तिरंगा यात्रा'

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बस्ती। राष्ट्रीय पर्व के अवसर पर देश के प्रति प्रेम और एकता का संदेश देने के लिए भानपुर के उकड़ा हनुमान मंदिर से सोनहा बाजार तक भव्य 'तिरंगा यात्रा' का आयोजन भाजपा नेता नितेश शर्मा एवं लक्ष्मीकांत पांडेय पप्पू के संयुक्त संयोजन में किया गया। यह यात्रा बस्ती डुमरियागंज मार्ग पर उकड़ा से भानपुर कस्बा होते हुए सोनहा बाजार पहुंची, जहाँ जगह-जगह पर नागरिकों ने फूलों की वर्षा कर इसका स्वागत किया। हाथों में तिरंगा थामे युवाओं और स्थानीय लोगों ने 'भारत माता की जय' और 'वंदे मातरम' के गगनभेदी नारे लगाए, जिससे पूरा वातावरण देशभक्ति के रंग में रंग गया। आयोजकों ने बताया कि यह तिरंगा यात्रा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रेरणा से हमारे अमर शहीदों के बलिदान को याद करने और देश की एकता और अखंडता को बनाए रखने का संकल्प लेने के लिए किया गया सोनहा बाजार स्थित लोक निर्माण विभाग के डाकबंगले पर यात्रा के समापन पर आयोजित संक्षिप्त सभा में भाजपा नेता लक्ष्मीकांत पांडेय, नितेश शर्मा, सत्येंद्र शुक्ल जिप्पी, चंद्रभान गुप्ता, राकेश शर्मा, सुजीत सोनी, विजय तिवारी, राकेश उपाध्याय, रामनेवास गिरी, ओमप्रकाश शुक्ल, उमाकांत शुक्ल, मनोज पांडेय, प्रधान संघ अध्यक्ष सोनू मिश्र, इंद्रसेन उपाध्याय, सत्यप्रकाश मिश्र, अन्नू उपाध्याय, मिंडर भट्ट सहित अनेक वक्ताओं ने अपने संबोधन में कहा कि राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा हमारी शान और देश के गौरव का प्रतीक है। सभी क्षेत्रवासियों से अपील की गई कि वे अपने घरों और प्रतिष्ठानों पर गर्व के साथ तिरंगा फहराएं तथा राष्ट्र निर्माण में अपना योगदान दें। कार्यक्रम के अंत में सभी ने देश की एकता और सुरक्षा की शपथ ली।

एलपीजी ग्राहकों को बड़ी राहत: बायोमीट्रिक ई-केवाईसी की अंतिम तिथि बढ़ाकर 26 अगस्त की गई

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता
सचिन बाजपेई

नई दिल्ली। देशभर के एलपीजी (रसोई गैस) ग्राहकों के लिए राहत भरी खबर है। गैस कनेक्शन की अनिवार्य बायोमीट्रिक ई-केवाईसी (e-KYC) प्रक्रिया पूरी करने की अंतिम तिथि बढ़ा दी गई है। अब ग्राहकों को यह प्रक्रिया 26 अगस्त तक पूरी करने का समय मिल गया है। पेट्रोलियम कंपनियों और संबंधित विभागों की ओर से जारी जानकारी के अनुसार, पहले निर्धारित समय-सीमा समाप्त होने के बाद भी बड़ी संख्या में उपभोक्ताओं की ई-केवाईसी बाकी रहने के कारण तिथि बढ़ाई गई है। यह कदम ग्राहकों को अतिरिक्त समय देने और प्रक्रिया को सुचारू रूप से पूरा कराने के उद्देश्य से लिया गया है।

क्यों जरूरी है बायोमीट्रिक ई-केवाईसी?

सरकार और तेल विपणन कंपनियों (इंडियन ऑयल, भारत पेट्रोलियम और हिंदुस्तान पेट्रोलियम) ने घरेलू एलपीजी कनेक्शनों की वैधता सुनिश्चित करने और सब्सिडी का लाभ सही लाभार्थियों तक पहुंचाने के लिए आधार आधारित बायोमीट्रिक ई-केवाईसी अनिवार्य की है। इससे फर्जी या डुप्लीकेट कनेक्शनों पर अंकुश लगेगा तथा सब्सिडी का दुरुपयोग रोका जा सकेगा।

ई-केवाईसी नहीं कराने पर क्या होगा?

निर्धारित तिथि तक ई-केवाईसी पूरी न करने वाले ग्राहकों को घरेलू दर पर गैस सिलेंडर मिलने में कठिनाई हो सकती है। सब्सिडी का लाभ भी अस्थायी रूप से प्रभावित हो सकता है। हालांकि, कनेक्शन तुरंत रद्द नहीं किया जाएगा, लेकिन घरेलू कीमत पर सिलेंडर और सब्सिडी का लाभ ई-केवाईसी पूरी होने तक बाधित रह सकता है।

ई-केवाईसी कैसे कराएं?

ग्राहक निम्नलिखित तरीकों से आसानी से प्रक्रिया पूरी कर सकते हैं:

घर बैठे ऐप के जरिए: इंडेन गैस के लिए IndianOil ONE ऐप

भारत गैस के लिए Hello BPCL ऐप

एचपी गैस के लिए HP Pay ऐप

इन ऐप्स के साथ आधार फेस आरडी (Aadhaar FaceRD) ऐप डाउनलोड कर फेस ऑथेंटिकेशन के माध्यम से ई-केवाईसी पूरी की जा सकती है। गैस एजेंसी या डिलीवरी व्यक्ति के माध्यम से: नजदीकी डिस्ट्रीब्यूटर के यहां जाकर या सिलेंडर डिलीवरी के समय बायोमीट्रिक सत्यापन करवाया जा सकता है।

आम सेवा केंद्र (CSC) पर भी यह सुविधा उपलब्ध है।

ग्राहकों से अपील

तेल कंपनियां लगातार ग्राहकों से अपील कर रही हैं कि वे अंतिम तिथि का इंतजार किए बिना जल्द से जल्द ई-केवाईसी प्रक्रिया पूरी कर लें। जिन उपभोक्ताओं ने पहले ही ई-केवाईसी कर ली है, उन्हें दोबारा कराने की जरूरत नहीं है। यह विस्तारित समय-सीमा लाखों एलपीजी उपभोक्ताओं के लिए राहत लेकर आई है। सभी संबंधित ग्राहकों से अनुरोध है कि वे 26 अगस्त से पहले अपनी ई-केवाईसी अवश्य पूरी कर लें, ताकि बिना किसी बाधा के घरेलू दर पर गैस सिलेंडर और सब्सिडी का लाभ मिलता रहे।

स्वतंत्रता दिवस पर राष्ट्रीय हिंदू युवा संगठन ने लगाया रक्तदान शिविर

लखनऊ में युवाओं ने बढ़-चढ़कर किया रक्तदान, सामाजिक सेवा का दिया संदेश

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय हिंदू युवा संगठन की ओर से जानकीपुरम स्थित सुलभ आवास सेक्टर-जे में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का आयोजन आर एम एल आई एम एस स्थित लोहिया ब्लड बैंक के सहयोग से किया गया। संगठन के पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं और स्थानीय लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर रक्तदान किया। आयोजकों ने बताया कि शिविर का उद्देश्य जरूरतमंद मरीजों के लिए रक्त की उपलब्धता सुनिश्चित करने के साथ लोगों को रक्तदान के प्रति जागरूक करना था। इस दौरान प्रतिभागियों को रक्तदान के महत्व की जानकारी दी गई और युवाओं से सामाजिक सेवा के कार्यों में आगे आने का आह्वान किया गया। संगठन के पदाधिकारियों ने कहा कि स्वतंत्रता दिवस देश के वीर शहीदों और स्वतंत्रता सेनानियों के त्याग एवं बलिदान को याद करने का अवसर है। उनके आदर्शों से प्रेरणा लेते हुए समाज के प्रति जिम्मेदारी निभाना भी राष्ट्रसेवा का हिस्सा है। रक्तदान के माध्यम से किसी जरूरतमंद के जीवन को बचाने में योगदान दिया जा सकता है। शिविर के आयोजन के साथ संगठन की लखनऊ और उत्तराखंड इकाइयों के पदाधिकारियों की भी घोषणा की गई। लखनऊ जिला कमेटी में विकास पुरी को जिला वरिष्ठ उपाध्यक्ष, विवेक सेठ और डॉ. अंकित मेहरोत्रा को जिला उपाध्यक्ष, डॉ. विवेक राठौर को पश्चिमी उत्तर प्रदेश का जिला उपाध्यक्ष, सुधीर श्रीवास्तव को जिला संगठन मंत्री तथा आशीष श्रीवास्तव को जिला महामंत्री बनाया गया। उत्तराखंड कमेटी में राहुल खत्री को जिला वरिष्ठ उपाध्यक्ष, अजय सिंह को जिला उपाध्यक्ष और सुनील कुमार को जिला सहायक सचिव की जिम्मेदारी दी गई। संगठन की चिकित्सकीय एवं सहयोगी टीम में डॉ. पारुल को वरिष्ठ रेजिडेंट, डॉ. गरिमा को कनिष्ठ रेजिडेंट और शिखा को काउंसलर बनाया गया। इसके अलावा अनिल को लैब टेक्नीशियन, आदर्श को नर्सिंग अधिकारी, अमरदीप और दीपक को प्रशिक्षु तथा रामनाथ को लैब सहायक की जिम्मेदारी दी गई। आयोजकों ने बताया कि शिविर के आयोजन के लिए लोहिया ब्लड बैंक से पूर्व में अनुमति का अनुरोध किया गया था। शिविर जानकीपुरम में सरगम अपार्टमेंट गेट नंबर-2 के निकट आयोजित किया गया। संगठन के पदाधिकारियों ने कहा कि भविष्य में भी रक्तदान, स्वास्थ्य जागरूकता और अन्य जनसेवा से जुड़े कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। कार्यक्रम का समापन मानव सेवा, राष्ट्रभक्ति और सामाजिक सहयोग की भावना के साथ हुआ।

श्रावण तीज पर भगवान के श्रीविग्रहों को झूलों में कराया गया विराजमान, उतारी आरती

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कोंच(जालौन)। श्रावण तीज के अवसर पर शनिवार को विभिन्न मंदिरों में भगवान के श्रीविग्रहों को झूलों में विराजमान कराया गया और उनकी आरती उतारी गई। सनातनी घरों में भी विशेष पूजा अर्चना कर पुष्पों-पत्रों से सुसज्जित झूलों में भगवान के श्रीविग्रह पधरवा कर उत्सव मनाया गया। रामलला मंदिर में श्रावण तीज से झूला महोत्सव का प्रारंभ हो गया जो पूरे एक पखवाड़े तक जारी रहेगा। शनिवार को श्रावण तीज से एक तरह से सनातन संस्कृति में पर्वों और त्योहारों का श्रीगणेश भी हो गया है। रामलला मंदिर, अवधबिहारी लाल मंदिर, द्वारिकाधीश मंदिर, सीतानाथ मंदिर, नृसिंह मंदिर, राम जानकी मंदिर, चतुर्भुज मंदिर (बड़ा मंदिर), मुरली मनोहर मंदिर, कल्याणराय मंदिर, बल्दाऊ मंदिर आदि में विशेष धार्मिक अनुष्ठानों के बीच भगवान के श्रीविग्रहों को झूलों में विराजमान कराकर उनकी आरती उतारी गई और प्रसाद वितरित किया गया। हरियाली तीज को भगवान भोलेनाथ एवं माता पार्वती के पुनर्मिलन और उनके शाश्वत प्रेम व सौभाग्य का प्रतीक माना जाता है इसलिए बड़ी संख्या में महिलाओं ने सोलह श्रृंगार कर शिवालयों में आशुतोष भगवान भोलेनाथ व माता पार्वती की विधि विधान से पूजा अर्चना कर पति की लंबी आयु की कामना की। वहीं अविवाहित किशोरियों व युवतियों ने अच्छा वर मिलने की कामना के साथ पूजा अर्चना की। बड़ी माता, सिंह वाहिनी, हुल्का देवी, काली देवी, राजराजेश्वरी, कैला देवी, आनंदी माता, बोदरी माता, शीतला माता, नक्टी माता आदि मंदिरों में जाकर हलवा पूड़ी समर्पित कर घर में धन, धान्य, सुख-समृद्धि और शांति की कामना की। सनातनी घरों में भी झूले डाल कर भगवान के श्रीविग्रह पधरवाए गए।

विहिप की दो दिवसीय प्रांत योजना बैठक में आगामी छह माह की कार्ययोजना पर मंथन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

चुनार, मीरजापुर। नगर के रामबाग स्थित सुरभि शोध संस्थान में विश्व हिंदू परिषद (विहिप) काशी प्रांत की दो दिवसीय प्रांत योजना बैठक आयोजित हुई। बैठक में संगठन की आगामी छह माह की कार्ययोजना पर विस्तार से चर्चा की गई। इस दौरान संगठन के पदाधिकारियों ने परिवार व्यवस्था को मजबूत करने, सामाजिक जागरूकता बढ़ाने और विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से समाज को जोड़ने पर जोर दिया। बैठक को संबोधित करते हुए लखनऊ क्षेत्र के संगठन मंत्री गजेंद्र जी ने कहा कि भारतीय समाज की मूल शक्ति परिवार व्यवस्था है। इसे सुरक्षित और सुदृढ़ बनाने के लिए व्यापक स्तर पर कार्य करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि वर्तमान चुनौतियों के संदर्भ में समाज और शासन, दोनों स्तरों पर गंभीरता से समाधान की दिशा में प्रयास होना चाहिए। परिवार प्रबोधन और पारिवारिक मूल्यों के संरक्षण के लिए समाज में जागरूकता अभियान चलाने पर भी उन्होंने बल दिया। उन्होंने कहा कि संगठन की ओर से हिंदू समाज को संगठित करने, सनातन मूल्यों के संरक्षण तथा राष्ट्रीय हित से जुड़े कार्यों में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए योजनाबद्ध तरीके से कार्य किया जाएगा। श्रद्धेय अशोक सिंघल की जन्म शताब्दी वर्ष के अवसर पर संगठन ने देशभर में एक करोड़ हित चिंतक बनाने का संकल्प लिया है। बैठक में स्थापना दिवस, दुर्गा अष्टमी और गीता जयंती सहित आगामी कार्यक्रमों की तैयारियों पर भी चर्चा हुई। इन कार्यक्रमों के माध्यम से समाज के विभिन्न वर्गों को जोड़ने और जागरूकता बढ़ाने की कार्ययोजना बनाई गई। इसके साथ ही संत शिरोमणि गुरु रविदास जी की 650वीं जन्मशती के अवसर पर सामाजिक समरसता, समानता, आध्यात्मिक चेतना और मानव मर्यादा के उनके संदेश को समाज तक पहुंचाने पर भी जोर दिया गया। बैठक में संगठन की ओर से समाज के समक्ष मौजूद विभिन्न चुनौतियों पर भी विचार-विमर्श किया गया। पदाधिकारियों ने सामाजिक एकता और जागरूकता के लिए लगातार अभियान चलाने की आवश्यकता बताई। प्रांत योजना बैठक में काशी प्रांत के 22 जिलों से 300 से अधिक पदाधिकारी शामिल हुए। इनमें क्षेत्र सत्संग प्रमुख दिवाकर नाथ त्रिपाठी, प्रांत अध्यक्ष कविंद्र प्रताप सिंह, प्रांत संगठन मंत्री राजेंद्र जी, प्रांत मंत्री डॉ. राज नारायण सिंह, प्रांत उपाध्यक्ष सुरेश अग्रवाल, विद्या भूषण, कमला मिश्रा, विनोद अग्रवाल, प्रांत सह मंत्री सत्य प्रकाश सिंह, प्रभृति कांत, काशी प्रांत धर्म प्रसार प्रमुख नरसिंह त्रिपाठी, दुर्गा वाहिनी संयोजिका दिव्या सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे। इसके अलावा विभाग संगठन मंत्री अमित पाठक, वंशीधर चतुर्वेदी, दिनेश प्रकाश, अमित चतुर्वेदी, नारायण राठी, राजकुमार गुप्ता, अर्जुन मौर्या, अभिषेक बजरंगी, प्रवीण मौर्य और जगदीश गुप्त समेत बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं ने सहभागिता की। बैठक के समापन सत्र में सूर्यकांत जालन (कानू भाई जी) का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। इस दौरान काशी प्रांत से चित्तौड़ प्रांत के संगठन मंत्री बनाए गए नितिन भारत का प्रांत के पदाधिकारियों ने स्वागत किया। बैठक का समापन आगामी कार्यक्रमों को सफल बनाने और संगठन की योजनाओं को समाज के विभिन्न वर्गों तक पहुंचाने के संकल्प के साथ हुआ।

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर लाभार्थियों को वितरित की गई विरासत खतौनियां

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

आयोजित कार्यक्रम में वालेकांत पुत्र स्वर्गीय कोमल प्रसाद, निवासी ग्राम दंदौल, तहसील पूरनपुर को उनकी माता लालमुनी पत्नी कोमल प्रसाद की मृत्यु उपरांत नियमानुसार दर्ज की गई विरासत के आधार पर तैयार खतौनी उपलध कराई गई। इसी क्रम में ऊषा देवी पत्नी ईश्वरदयाल, निवासी ग्राम रामपुर, तहसील पूरनपुर को उनके पति ईश्वरदयाल पुत्र रामविलास की मृत्यु उपरांत नियमानुसार दर्ज की गई विरासत के आधार पर तैयार खतौनी उपलध कराई गई।

पूरनपुर (पीलीभीत)। स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम के दौरान तहसील पूरनपुर में राजस्व विभाग द्वारा जनसामान्य को त्वरित एवं पारदर्शी राजस्व सेवाएं उपलब्ध कराने के क्रम में विरासत खतौनियों का वितरण किया गया। आयोजित कार्यक्रम में वालेकांत पुत्र स्वर्गीय कोमल प्रसाद, निवासी ग्राम दंदौल, तहसील पूरनपुर को उनकी माता लालमुनी पत्नी कोमल प्रसाद की मृत्यु उपरांत नियमानुसार दर्ज की गई विरासत के आधार पर तैयार खतौनी उपलब्ध कराई गई। इसी क्रम में ऊषा देवी पत्नी ईश्वरदयाल, निवासी ग्राम रामपुर, तहसील पूरनपुर को उनके पति ईश्वरदयाल पुत्र रामविलास की मृत्यु उपरांत नियमानुसार दर्ज की गई विरासत के आधार पर तैयार खतौनी उपलब्ध कराई गई। इस अवसर पर उपस्थित अधिकारियों द्वारा कहा गया कि राजस्व अभिलेखों में विरासत संबंधी प्रकरणों का समयबद्ध निस्तारण शासन की प्राथमिकताओं में है। पात्र लाभार्थियों को उनकी भूमि एवं राजस्व अभिलेखों से संबंधित दस्तावेज सुगमता से उपलब्ध कराए जा रहे हैं, जिससे आमजन को अनावश्यक रूप से कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें।

स्वतंत्रता दिवस पर स्कूली बच्चों एवं अध्यापकों ने गांव की गलियों व सड़कों पर घूमकर निकाली प्रभातफेरी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

पूरनपुर (पीलीभीत)। स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में स्कूली बच्चों एवं अध्यापकों ने गांव की गलियों व सड़कों पर घूमकर प्रभातफेरी निकाली। स्कूलों में ध्वजारोहण के पश्चात बच्चों द्वारा विभिन्न प्रकार के सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित हुए। प्राथमिक विद्यालय खाता व कम्पोजिट विद्यालय अमरैयाकलां में ध्वजारोहण प्रधान सत्यपाल शर्मा ने किया। समारोह में शिक्षिका पारुल गुप्ता, राधाकृष्ण कुशवाहा, राजेश्वरी, पूनम, अवधेश कुमार, कंचनदेवी कुशवाहा, कपिल पांडेय, उमाशंकर, विजय सोनी, सुनीता, शालिनी, रितु आदि मौजूद रहे। इसके अलावा प्राथमिक विद्यालय भगवंतापुर, माधोटांडा नम्बर एक, केसरपुर, सुआबोझ, खैरपुर, शेरपुर कलां नम्बर दो, उच्च प्राथमिक विद्यालय पूरनपुर, भगवंतापुर, माधोटांडा, सुआबोझ, कम्पोजिट विद्यालय रुद्रपुर, पिपरिया दुलई, रघुनाथपुर, गुरुनानक इंटर कालेज माधौपुर इटौरिया आदि स्कूलों में प्रभातफेरी निकालकर ध्वजारोहण हुआ और बच्चों ने विभिन्न प्रकार के सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए। कार्यक्रम में शिक्षक सूर्यप्रकाश गंगवार, मुकेश बाबू, शुभम शुक्ला, अवनीश कुमार अवस्थी, प्रभुदयाल, विनीत कुमार, मो. फुरकान, वासुदेव यादव, ब्रजेश शुक्ला, रामसेवक, शेखर दीक्षित, मो. ताहिर खां, वीरपाल, कुलदीप सिंह, अमरीक सिंह, रामेश्वर दयाल, गुरिन्दर सिंह, आलोक अवस्थी, ऋषि सक्सेना आदि मौजूद रहे।

आन बान शान से लहराया तिरंगा

सरकारी व निजी संस्थानों समेत स्वयंसेवी संगठनों के कार्यालयों में हुए सांस्कृतिक कार्यक्रम

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

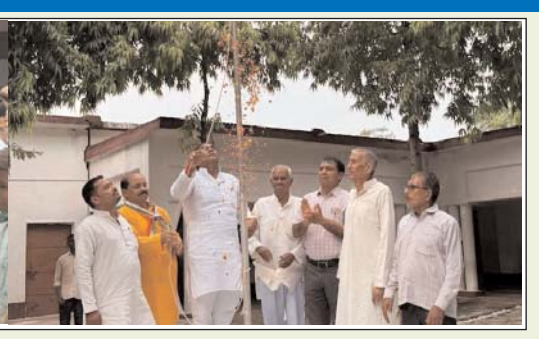

कोंच(जालौन)। राष्ट्रीय पर्व स्वतंत्रता दिवस नगर व ग्रामीण क्षेत्रों में पूरे हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। सरकारी व निजी संस्थानों समेत स्वयंसेवी संगठनों के कार्यालयों में पूरी आन बान शान से तिरंगा फहराया गया, तदुपरांत सांस्कृतिक कार्यक्रमों की लंबी श्रंखला आयोजित की गई। तहसील कार्यालय प्रांगण में एसडीएम अभिनव कुमार ने ध्वजारोहण कर राष्ट्रगान गया। एसडीएम व प्रभारी तहसीलदार जितेंद्र सिंह पटेल समेत कर्मचारियों ने अमर शहीदों के चित्रों पर श्रद्धासुमन अर्पित कर उन्हें नमन किया, बच्चों को उपहार भी बांटे गए। कोतवाली में सीओ परमेश्वर प्रसाद ने ध्वजारोहण कर सलामी ली। इस दौरान कोतवाल निगवेंद्र प्रताप सिंह, एसएसआई विमलेश कुमार, क्राइम इंस्पेक्टर अरुण कुमार समेत उपनिरीक्षक व सिपाही मौजूद रहे। मुंसिफ कोर्ट में अपर सिविल जज सतनाम यादव ने ध्वजारोहण किया। बार संघ अध्यक्ष जितेंद्र सिंह गुर्जर, महामंत्री अभिनीत श्रीवास्तव, विनोद निरंजन, रामबिहारी श्रीवास्तव, अंकुर पटेल, अरविंद दीक्षित, जितेंद्र पांडे आदि वकील मौजूद रहे। खंड विकास कार्यालय में ब्लॉक प्रमुख रानी देवी ने ध्वजारोहण कर लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। इस दौरान ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि शीलू पटेल पड़री, बीडीओ यज्ञदेव यादव सहित प्रधान, बीडीसी सदस्य व कर्मचारीगण मौजूद रहे। नगर पालिका परिषद कार्यालय में विधायक मूलचंद्र निरंजन ने ध्वजारोहण किया। ईओ मोनिका उमराव समेत सभासदगण, पालिका कर्मी व गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। तहसील स्थित विजय बारहदरी में अपर सिविल जज सतनाम यादव ने ध्वजारोहण किया, इस मौके पर एसडीएम अभिनव कुमार, बार संघ अध्यक्ष जितेंद्र सिंह गुर्जर सहित तमाम अधिवक्ता मौजूद रहे। खंड शिक्षा कार्यालय पर एबीएसए सुनील राजपूत ने ध्वजारोहण किया। गल्ला मंडी कार्यालय पर भी ध्वजारोहण किया गया। वन विभाग कार्यालय पर वन रेंजर संजीव तिवारी ने ध्वजारोहण किया। जेडीसी बैंक में समाजसेवी जयप्रकाश सोनी ने ध्वजारोहण किया। कांग्रेस कार्यालय पर अध्यक्ष राघवेंद्र तिवारी, भाजपा कार्यालय पर अध्यक्ष अंजू अग्रवाल, सपा कार्यालय पर अमित यादव सभासद, भाविप कार्यालय पर अध्यक्ष रामबाबू निरंजन नरी ने ध्वजारोहण किया। एमपीडीसी कॉलेज में प्रबंधक डॉ केदारनाथ सिमिरिया ने ध्वजारोहण किया, एनसीसी दल ने सलामी दी। इस दौरान प्रबंध समिति मंत्री ओमशंकर अग्रवाल एड, कोषाध्यक्ष शिवकुमार निरंजन समेत स्टॉफ सदस्य व छात्र छात्राएं उपस्थित रहीं। सूरज ज्ञान कॉलेज में प्रबंध समिति अध्यक्ष डॉ आरबी जैन ने ध्वजारोहण किया। छात्र छात्राओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये। इस मौके पर प्रबंधक अंकुर यादव आदि उपस्थित रहे। सेठ बद्रीप्रसाद कॉलिज, अशोक शुक्ला महिला महाविद्यालय, सरस्वती विद्या मंदिर इं.का. गल्ला मंडी, बालिका विद्या मंदिर, कमला नेहरू बालिका इंटर कॉलेज, नाथूराम बालिका इंटर कॉलेज एसटीके बालिका इंटर कॉलेज, पं रामस्वरूप रावत इंटर कॉलेज, एसआरपी इंटर कॉलेज, अमरचंद महेश्वरी इंटर कॉलेज में ध्वजारोहण किया गया। कॉलेजों में आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रमों में छात्र छात्राओं ने बढ़चढ़ कर प्रतिभाग किया। महंत कृष्णदास इंटर कॉलेज अंडा में विधायक मूलचंद्र निरंजन ने ध्वजारोजण किया। मदर्स प्राइड पब्लिक स्कूल में संरक्षक/प्रबंधक विनोद पांडेय ने ध्वजारोहण किया। स्कूली बच्चों ने सुंदर सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर लोगों को भाव विभोर कर दिया।इस दौरान आनंद पांडेय, आदित्य पांडेय, विश्वनाथ दीक्षित समेत स्कूल स्टॉफ के सदस्य मौजूद रहे। एबेनेज़र स्कूल में ध्वजारोहण किया गया। बच्चों ने देशभक्ति से ओतप्रोत कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी। इस दौरान प्रिंसिपल केजी ग्रेसी, प्रबंधक एएक्स जोसेफ आदि मौजूद रहे। विवेकानंद ग्लोबल स्कूल में ध्वजारोहण के बाद बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर मन मोह लिया।